छात्रोपयोगी अध्ययन सामग्री

कक्षा – XII

हिन्दी (302)

सत्र 2021– 22

(TERM-I)

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

अहमदाबाद संभाग

छात्रोपयोगी अध्ययन सामग्री

कक्षा – XII
हिन्दी (302)

मुख्य संरक्षक

डॉ. जयदीप दासउपायुक्त ,
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद

प्रेरणा स्रोत

श्रीमती श्रुति भार्गवसहायक , आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद

मार्गदर्शक

डॉ. आर . के. व्यास , प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय सी.सु. ब. दांतीवाड़ा

हिन्दी अध्ययन संभाग

छात्रोपयोगी अध्ययन सामग्री

कक्षा – XII

हिन्दी (302)

सहायक सामग्री निर्माण समिति

क्र.सं.	समिति /कार्य	प्रभारी /सदस्य	केन्द्रीय विद्यालय
1	समन्वयक	श्री ऋषिकेश मीना, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के. वि. दाँतीवाड़ा
2	सम्पादन समिति	श्री श्याम लाल यादव, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	क्रमांक 2 भुज
		श्री जबर चंद गहलोत, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के.वि.नलिया
3	संकलन एवं पुनर्विलोकन समिति	श्री दिनेश गहलोत, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के. वि. क्र. 1 अहमदाबाद
		श्री विजय कुमार साव, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के वि. वडसर
4.	एक गीत कविता के बहाने	डॉ. आर . जे. राठौड़, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	ओएनजीसी चांदखेड़ा
5.	कैमरे में बंद अपाहिज, सहर्ष स्वीकारा है	श्री विजय कुमार, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के. वि अहमदाबाद कैंट
6.	भक्तिन, बाजार दर्शन	श्री रामेन्द्र पाल, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के. वि साबरमती
7.	काले मेघा पानी दे, जूझ	श्री मुकेश कुमार गुप्ता, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के. वि वीरमगाम
8.	सिल्वर वैडिंग	श्री दिनेश कुमार सामरिया, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के. वि हिम्मतनगर
9.	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश	श्री सुरेश चंद बैरवा, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के. वि ओएनजीसी मेहसाना
10.	विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन	श्री भागीरथ राम, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के. वि रेलवे गांधीधाम
11.	पत्रकारीय लेखन के विविध रूप	श्रीमती अंजू शर्मा, स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	के. वि. पोरबंदर
12.	आदर्श प्रश्न पत्र -1	डॉ. जी. पी. शर्मा, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के. वि. भावनगर
13.	आदर्श प्रश्न पत्र -2	श्री यू. एल. मीना, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के.वि.धांगध्रा
14.	ब्लू प्रिन्ट	श्री महेशकुमार कुलदीप, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी	के. वि ओएनजीसी सूरत
15.	अतिरिक्त कार्य	श्रीमती सुमित्रा मीना, स्नातकोत्तर शिक्षिका हिन्दी	के. वि सिलवासा

विषय - सूची

क्र. सं.	प्रकरण	पृष्ठ संख्या
1.	अपठित गद्यांश	5 – 12
2.	अपठित पद्यांश	12 – 17
3.	अभिव्यक्ति एवं माध्यम 1. पत्रकारीय लेखन के विविध रूप और लेखन प्रक्रिया 2. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन	17 – 30
4.	आरोह भाग- 2 (पद्य खण्ड) 1. हरिवंश राय बच्चन – एक गीत 2. कुँवर नारायण – कविता के बहाने 3. रघुवीर सहाय – कैमरे में बंद अपाहिज 4. गजानन माधव मुक्तिबोध –सहर्ष स्वीकारा है	31 – 42
5.	आरोह भाग- 2 (गद्य खण्ड) 1. महादेवी वर्मा – भक्तिन 2. जैनेन्द्र कुमार – बाजार दर्शन 3. धर्मवीर भारती – काले मेघा पानी दे	42 – 57
6.	वितान भाग- 2 1. मनोहर श्याम जोशी – सिल्वर वैडिंग 2. आनंद यादव – जूझ	57 – 67
7.	प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – 1 (अंक योजना एवं उत्तर कुंजी सहित) प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – 2 (अंक योजना एवं उत्तर कुंजी सहित)	68 – 79 80 – 92

नील पत्र प्रारूप (CBSE - BLUE PRINT – TERM – I)

प्रश्न क्रम	पाठ्यक्रम बिन्दु	प्रश्नों की सं	अंकभार	कुल अंक (40)
1.	अपठित गद्यांश (बहुविकल्पीय प्रश्न)	10	1	10
2.	अपठित पद्यांश (बहुविकल्पीय प्रश्न)	5	1	5
3.	अभिव्यक्ति और माध्यम (बहुविकल्पीय प्रश्न)	5	1	5
4.	पठित काव्यांश (बहुविकल्पीय प्रश्न)	5	1	5
5.	पठित गद्यांश (बहुविकल्पीय प्रश्न)	5	1	5
6.	आरोह भाग -2 पठित पाठों से प्रश्न (MCQ)	5	1	5
7.	वितान भाग-2 पठित पाठों से प्रश्न (MCQ)	5	1	5

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित परीक्षा योजना के अनुसार सत्र 2021-22 की प्रथम टर्म में 40 अंकों की बहुविकल्पीय परीक्षा 90 मिनट में होगी | प्रथम सत्र में 10 अंक आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत श्रवण और वाचन गतिविधियों के लिए निर्धारित है |

अपठित गद्यांश (10 x 1=10 अंक)

अपठित गद्यांश क्या है ?

वह गद्यांश, जिसका अध्ययन विद्यार्थियों ने पहले कभी न किया हो, उसे अपठित गद्यांश कहते हैं। अपठित गद्यांश देकर उस पर भाव-बोध और भाषा बोध संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं ताकि विद्यार्थियों की भावग्रहण-क्षमता एवं भाषा ज्ञान का मूल्यांकन हो सके।

अपठित का शाब्दिक अर्थ है- जो कभी पढ़ा नहीं गया। जो पाठ्यक्रम से जुड़ा नहीं है और जो अचानक ही हमें पढ़ने के लिए दिया गया हो। अपठित गद्यांश में गद्यांश से संबंधित विभिन्न प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कहा जाता है। इस प्रकार इस विषय में यह अपेक्षा की जाती है कि पाठक दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे सम्बद्ध प्रश्नों के उत्तर उसी अनुच्छेद के आधार पर प्रस्तुत करें।

अपठित गद्यांश के द्वारा पाठक की व्यक्तिगत योग्यता तथा अभिव्यक्ति क्षमता का पता लगाया जाता है। अपठित का कोई विशेष क्षेत्र नहीं होता। कला, विज्ञान, राजनीति, साहित्य या अर्थशास्त्र किसी भी विषय पर गद्यांश हो सकता है। ऐसे विषयों के निरंतर अभ्यास और प्रश्नों के उत्तर देने से हमारा मानसिक स्तर उन्नत होता है और हमारी अभिव्यक्ति क्षमता में प्रौढ़ता आती है।

अपठित गद्यांश हल करते समय ध्यान देने योग्य बातें -

1. अपठित गद्यांश का बार-बार मौन वाचन करके उसे समझने का प्रयास करें।
2. इसके पश्चात प्रश्नों को पढ़ें और गद्यांश में संभावित उत्तरों की रेखांकित करें।
3. जिन प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट न हों, उनके उत्तर जानने हेतु गद्यांश को पुन: ध्यान से पढ़ें।
4. यदि कोई प्रश्न शीर्षक देने के सम्बन्ध में हो तो ध्यान रखें कि शीर्षक मूल कथ्य से संबंधित होना चाहिए।
5. शीर्षक गद्यांश में दी गई सारी अभिव्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करने वाला होना चाहिए।
6. अन्त में अपने उत्तरों को पुन: पढ़कर उनकी त्रुटियों को अवश्य दूर करें।
7. बहु विकल्पीय प्रश्नों के उत्तर सभी दिए गए विकल्पों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के बाद ही निर्धारित करें। उत्तर देने में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी नहीं करें।
8. भाषा तत्त्वों से संबंधित प्रश्नों यथा – संधि,समास ,उपसर्ग ,प्रत्यय आदि से संबंधित प्रश्नों के उत्तर वैयाकरणिक नियमों के अनुसार ही दें।
9. अपठित गद्यांश से संबंधित प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित होगा। प्रश्न को हल करने से पूर्व दोनों गद्यांश को पढ़कर देखे और उन में से जो आसान और अंकदायी लगे उसी के प्रश्नों को हल करें।

अपठित गद्यांश के उदाहरण

1

हमारे यहाँ सारे देश में भारतीयता की भावना एक राष्ट्रव्यापी स्तर पर सदैव विद्यमान रही है। यह भावना किसी धर्म, राजनीति या भूगोल से सम्बद्ध न होकर मूलत : संस्कृति से सम्बद्ध थी। यदि भारतीयता के मूल स्रोत की बात की जाए तो हम कहेंगे कि यहाँ सदा आदर्श के प्रति निष्ठा रही है। यहाँ समय-समय पर कुछ महापुरूष हुए हैं, जिन्होंने देश के सामने कुछ आदर्श रखे। उन्होंने उन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाया और वे सबके आदर्श बन गए।

एक साझे आदर्श की इस भावना ने सारे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोए रखा है। अब हम चाहें इसे भारतीयता कहें या राष्ट्रीयता। भारतीय आदर्शों ने सदा से यही शिक्षा दी है कि शक्ति का उपयोग दूसरों पर अत्याचार करने में नहीं, बल्कि पीड़ितों की रक्षा करने में करना चाहिए। हमारी निष्ठा मानव मूल्यों के प्रति रही है। गौतम के दर्शन ने भोग पर त्याग की विजय पर बल दिया। नानक, तुलसी, कबीर ने इन्हीं आदर्शों का सम्मान किया। रामकृष्ण, विवेकानन्द एवं गाँधी भी इन्हीं आदर्शों के प्रचारक थे। यह कहना भ्रामक होगा कि हमारी संस्कृति हमें कमज़ोर बनना सिखाती है। वह तो कहती है कि शक्तिशाली बनो, पर शक्ति का दुरूपयोग न करो। उसका उपयोग न्याय की रक्षा के लिए करो। देश-विदेश में गाँधी जी को जितना नाम मिला, उसका कारण यही था कि उन्हें भारतीय मूल्यों और आदर्शों का प्रतीक माना जाता था। उन्होंने देश में इन्हीं मानव-मूल्यों को जगाया और आत्मविश्वास की भावना का संचार किया। आदर्श के प्रति निष्ठा या प्रतिबद्धता ही किसी किसी देश को एक सूत्र में पिरोती है। आज की समस्याओं का समाधान हमारे आदर्श मानवीय मूल्यों में ही निहित है। देश में इस समय जो विघटनकारी प्रवृत्तियाँ उभरती दिखाई दे रही हैं, उनका कारण भारतीय आदर्शों एवं मूल्यों की जानकारी का अभाव ही नहीं है, बल्कि अब हम में उदारता नहीं रही है, हमारा दृष्टिकोण संकुचित हो गया है, इस संकुचित मनोवृत्ति

के कारण हम कमज़ोर होने लगे हैं। हम भूल गए हैं कि समाज की आधारशिला जितनी व्यापक होगी,उसके ऊपर उठने वाली इमारत भी उतनी ही ऊँची होगी।

(I) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा –

क. हमारी कमियाँ　　ख. भारतीय संस्कृति और आदर्श
ग. हमारा दृष्टिकोण　　घ. सब गलत है

(II) भारतीयता के मूल स्रोत में कौन सी भावना है ?

क. शक्ति प्रदर्शन　　ख. अधिकार करना
ग .आदर्श के प्रति निष्ठा　　घ. सभी सही है

(III) गौतम, नानक, कबीर, तुलसी,विवेकानंद इत्यादि का आदर्श क्या था ?

क. भोग पर त्याग की विजय　　ख. धार्मिक प्रचार
ग. धन का संग्रह करना　　घ. शत्रु का विनाश करना

(IV) इनमें से क्या भारतीय आदर्श नहीं हो सकता ?

क. पीड़ितों की रक्षा करना　　ख. मानव मूल्यों के प्रति निष्ठा
ग. शक्ति से सबको अपने वश में करना　　घ. न्याय की रक्षा करना

(V) आपके अनुसार राष्ट्रीयता क्या है ?

क. राष्ट्र पर शासन करना　　ख. राष्ट्र की संपत्ति पर अधिकार करना
ग. राष्ट्र के प्रति सम्मान और निष्ठा　　घ. इनमें से कोई नहीं

(VI) निम्नलिखित में से कौन सा कथन भ्रामक है ?

क. हमारे आदर्श मानवीय मूल्यों में ही निहित है।　　ख. हमारी निष्ठा मानव मूल्यों के प्रति रही है।
ग. हमारी संस्कृति हमें कमज़ोर बनना सिखाती है।　　घ. गांधीजी भारतीय मूल्यों व आदर्शों के प्रतीक हैं।

(VII) किसी देश को एक सूत्र में बांधने के लिए इनमें से क्या आवश्यक नहीं है ?

क. सांझे आदर्श की भावना　　ख. मानवीय मूल्यों की रक्षा
ग. आदर्श के प्रति निष्ठा　　घ. अपने धर्म का प्रचार

(VIII) 'संकुचित' का विपरीत शब्द होगा -

क. अंकुचित　　ख. व्यापक　　ग. प्रसारित　　घ. कुंचित

(IX) निम्नलिखित शब्दों में से किस में 'सम्' उपसर्ग का प्रयोग नहीं किया गया है ?

क. सम्मान　　ख. संयोजन　　ग. समस्या　　घ. संचार

(X) इस अवतरण में निहित शिक्षा क्या है ?

क. राष्ट्रीयता का पालन　　ख. आत्मविश्वासी बनना
ग. शक्ति का सदुपयोग करना　　घ. सभी सही है

उत्तरमाला -:

I. ख	II-ग	III-क	IV-ग	V-ग	VI-ग	VII-घ	VIII-ख	IX-ग	X-घ

2 हमारे भारत का हर त्योहार और उत्सव सिर्फ मौज-मस्ती नहीं ,अपितु सांस्कृतिक,सामाजिक और वैज्ञानिक आधारों की कसौटी पर खरा उतरता है। हम खेतीहर संस्कृति वाले भारतवासी आज भी विजयदशमी पर नये जौ के अंकुर अपने मस्तक पर धारण करते हैं और उसे जय का प्रतीक मानते हैं। आने वाली नई फसल के अंकुर से हम अपनी विजय यात्रा का प्रारम्भ करते हैं। विजयदशमी के दिन लोग नीलकंठ पक्षी के दर्शन करना चाहते हैं ,इसमें हम विषपायी शिव का

दर्शन करते हैं। आत्मजयी जब विजय के लिए निकलता है तो उसे अपयश, असफलता, संघर्ष और लोकनिन्दा का गरल पीकर ही अपने को विजयलक्ष्य तक पहुँचना होता है।

दीपावाली पर अमावस की रात सबसे गहरी होती है। पावस के चार महीनों का सारा तमस असंख्य कीट-पतंग बनकर छोटे-छोटे दीयों के प्रकाश में जल जाता है। यह प्रतीक है कि आत्मा के तेज और सात्विकता में जलकर तमस का विनाश अवश्य होगा। पूर्वी भारत में यह कालीपूजा के रूप में मनाया जाता है। काली मोह और मद को जड़ से नाश करने वाली शक्ति हैं। इसी दिन व्यापारी नई बही -खाते पूजते हैं। दिए अपनी काँपती लौ से बताते है कि सत्य का कोई आवरण नहीं होता,यदि है तो उसे दूर करने का आह्वान करता है –"प्रकाश के देवता सत्य का मुख सुनहरे ढक्कन से ढका है,उसे उतार कर प्रकाश को फैलाने दो" तभी इसे भारत के नामी शिक्षण संस्थान केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा ध्येय वाक्य के रूप में अपनाया गया है।

आज व्यावसायिकता बढ़ने के साथ साथ दिखावे के वशीभूत हो हम सोने-चाँदी के दिए, बिजली की झालर और मोमबत्ती जलाने लगे हैं परन्तु आज भी हमारे घर की नारियाँ मिट्टी के दीयों और धान के खील-बतासों से ही लक्ष्मी की पूजा करती हैं।

अभी भी हमारी संस्कृति का एक रूप इन गृहिणियों के हाथों में सुरक्षित है और यह हमारा कर्तव्य बनता है कि अपने तीज-त्योहारों का यह सामाजिक और वैज्ञानिक महत्त्व हम अपनी अगली पीढ़ी में गौरव के साथ हस्तांतरित करें।

(I) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा –

क. त्योहारों का महत्त्व ख.एकता का महत्त्व ग. किसान जीवन घ. इनमें से कोई नहीं

(II) विजयादशमी पर धारण किया जाने वाला अंकुरित जौ किस का प्रतीक होता है ?

क. शक्ति प्रदर्शन का ख. विजय का ग. फसल का घ. धन का

(III) नीलकंठ के दर्शन को किससे जोड़ा जाता है ?

क. पक्षी के दर्शन से ख. राम के दर्शन से ग. शिव के दर्शन से घ. इनमें से कोई नहीं

(IV) अपयश, असफलता, संघर्ष और लोकनिन्दा का गरल पीकर कौन अपने विजयलक्ष्य तक पहुँचता है?

क. नेता ख . सैनिक ग. मनुष्य घ. आत्मजयी

(V) आत्मा के तेज और सात्विकता में जलकर किसका विनाश होता है ?

क. शत्रु का ख. पाप का ग. तमस का घ. इनमें से कोई नहीं

(VI) मोह और मद को जड़ से नाश करने वाली शक्ति किसे माना गया है ?

क. दैवी शक्ति ख. काली माता ग. लक्ष्मी माता घ. सभी को

(VII) "प्रकाश के देवता सत्य का मुख सुनहरे ढक्कन से ढका है, उसे उतार कर प्रकाश को फैलने दो" यह ध्येय वाक्य किस संगठन का है ?

क. एन.सी.ई.आर. टी. ख. केन्द्रीय विद्यालय संगठन
ग. नवोदय विद्यालय घ. सी.बी.एस.ई.

(VIII) अपने तीज-त्योहारों के सामाजिक और वैज्ञानिक महत्त्व के प्रति हमारा क्या दायित्व है ?

क. बेकार समझ कर भूल जाना चाहिए ख. कभी-कभी मना लेना चाहिए
ग. अगली पीढ़ी को इन सबसे दूर रखना चाहिए घ. अगली पीढी को संस्कार के रूप में सौंपना चाहिए

(IX) 'गरल' का उचित विलोम शब्द होगा -

क. सरल ख. विष ग. अमृत घ. इनमें से कोई नहीं

(X) सात्विकता का समानार्थी शब्द क्या होगा ?

क. धार्मिक ख.आर्थिक ग. पवित्रता घ.बुध्दिमता

उत्तरमाला -:

I-क	II-ख	III-ग	IV-घ	V-ग	VI-ख	VII-ख	VIII-घ	IX-ग	X-ग

3 लोकतंत्र के मूलभूत तत्व को समझा नहीं गया है और इसलिए लोग समझते हैं कि सब कुछ सरकार कर

देगी, हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है। लोगों में अपनी पहल से जिम्मेदारी उठाने और निभाने का स्तर विकसित नहीं हो पाया है। फलस्वरूप देश की विशाल मानव शक्ति अभी खर्राटे लेती पड़ी है और देश की पूँजी उपयोगी बनाने के बदले आज बोझरूप बन बैठी है। लेकिन उसे नींद से झकझोर कर जाग्रत करना है। किसी भी देश को महान बनाते हैं ,उसमें रहने वाले लोग। लेकिन अभी हमारे देश के नागरिक अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं। चाहे सड़क पर चलने की बात हो अथवा साफ-सफाई की बात हो ,जहाँ-तहाँ हम लोगों को गन्दगी फैलाते और बेतरतीब ढंग से वाहन चलाते देख सकते हैं। फिर चाहते हैं सब कुछ सरकार ठीक कर दे।

सरकार ने बहुत सारे कार्य किए हैं, इसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ खोली हैं, विशाल बाँध बनवाए हैं, फौलाद के कारखाने खोले हैं, आदि-आदि बहुत सारे काम सरकार के द्वारा हुए हैं। पर अभी करोड़ों लोगों को कार्य में प्रेरित नहीं किया जा सका है।

वास्तव में होना तो यह चाहिए कि लोग अपनी सूझबूझ के साथ अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हो और अपने पास जो कुछ साधन सामग्री हो उसे लेकर कुछ करना शुरू कर दें और फिर सरकार उसमें आवश्यक मदद करे। उदाहरण के लिए गाँव वाले बड़ी-बड़ी पंचवर्षीय योजनाएँ नहीं समझ सकेंगे पर वे लोग यह बात जरूर समझ सकेंगे कि अपने गाँव में कहाँ कुआँ चाहिए कहाँ सिंचाई की जरूरत है कहाँ पुल की आवश्यकता है बाहर के लोग इन सब बातों से अनभिज्ञ होते हैं।

I- लोकतंत्र का मूलभूत तत्व है -

क. कर्तव्य पालन ख. लोगों का राज्य ग. चुनाव घ. जनमत

II-किसी देश की महानता निर्भर करती है -

क. वहाँ की सरकार पर ख. वहाँ के निवासियों पर
ग. वहाँ के इतिहास पर घ. वहाँ की पूंजी पर

III- सरकार के कामों के बारे में कौन सा कथन सही नहीं है ?

क. वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ खोली हैं ख. विशाल बाँध बनवाए हैं
ग. वाहन चालकों को सुधारा है घ. फौलाद के कारखाने खोले हैं

IV- सरकारी व्यवस्था में किस कमी की ओर लेखक ने संकेत किया है ?

क. गाँव से जुड़ी समस्याओं के निदान में ग्रामीणों की भूमिका को नकारना
ख. योजनाएँ ठीक से न बनाना
ग. आधुनिक जानकारी का अभाव
घ. जमीन से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान न देना

V- "झकझोर कर जागृत करना" का भाव गद्यांश के अनुसार होगा-

क. नींद से जगाना ख. सोने ना देना
ग. जिम्मेदारी निभाना घ. जिम्मेदारियों के प्रति सचेत करना

VI- लोकतंत्र में लोग समझते है-

क. सरकार सबकुछ देगी ख. हमें सबकुछ करना होगा
ग. राजनीतिक पार्टी हमें सब देगी घ. समाज हमें सबकुछ देगा

VII- गाँव वाले क्या नहीं समझ सकेंगे ?

क. कहाँ पुल की आवश्यकता है ख. कहाँ कुआँ चाहिए
ग. पंचवर्षीय योजनाओं को नहीं समझ सकेंगे घ. कहाँ सिंचाई की जरूरत है

VIII- पंचवर्षीय शब्द में कौन-सा समास है ?

क. अव्ययीभाव समास ख. द्वंद्व समास
ख. तत्पुरुष समास घ. द्विगु समास

IX- देश के नागरिक अपनी कौन सी ज़िम्मेदारी निभाते है ?

क. साफ-सफाई की ख. नियमानुसार सड़क पर चलने की
ग. नियमानुसार सड़क पर वाहन चलाने की घ. इनमें से कोई नहीं

X- लोगों को कैसा होना चाहिए?

क. अपनी सूझ-बूझ से काम करें ख. अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हों

ग. उपलब्ध साधन- सामग्री से काम शुरू कर दें घ. उपर्युक्त सभी

उत्तरमाला-:

I-क	II—ख	III-ग	IV-क	V-घ	VI-क	VII-ग	VIII-घ	IX-घ	X-घ

4

परिश्रम को सफलता की कुंजी माना गया है। जीवन में सफलता पुरुषार्थ से ही प्राप्त होती है। कहा भी गया है - उद्योगी को सब कुछ मिलता है और भाग्यवादी को कुछ भी नहीं मिलता, अवसर उनके हाथ से निकल जाता है। कठिन परिश्रम का ही दूसरा नाम भाग्य है। प्रकृति को ही देखिए; सारे जड़ चेतन अपने काम में लगे रहते हैं, चींटी को पलभर चैन नहीं, मधुमक्खी जाने कितनी लंबी यात्रा कर बूँद- बूँद मधु जुटाती है। मुर्गे को सुबह बांग लगानी होती है ,फिर मनुष्य को बुद्धि और विवेक मिला है वह सिर्फ सफलता की कामना करता क्यों बैठा रहे ? विश्व में जो देश आगे बढ़े हैं उनकी सफलता का रहस्य कठिन परिश्रम ही है। जापान को दूसरे विश्वयुद्ध में मिट्टी में मिला दिया गया था। उसकी अर्थव्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई थी लेकिन दिन-रात परिश्रम करके आज वह विश्व का प्रमुख औद्योगिक और विकसित देश बन गया है। चीन भी अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ा है। जर्मनी ने भी युद्ध की विभीषिका झेली पर परिश्रम के बल पर ही संभल गया। परिश्रम का महत्व वे जानते हैं जो स्वयं अपने बल पर आगे बढ़े हैं। संसार के इतिहास में अनेक चमकते सितारे केवल परिश्रम के ही प्रमाण हैं। हमारे पूर्व राष्ट्रपति श्री अब्दुल कलाम परिश्रम और मनोबल से ही देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए उनका कहना था -"भाग्य के भरोसे बैठने वाले को उतना ही मिलता है जितना मेहनत करने वाले छोड़ देते हैं"। हमारे बड़े-बड़े धनकुबेर व्यापारी टाटा ,बिरला, अंबानी यह सब परिश्रम के ही उदाहरण है निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प हमारे लक्ष्य को हमारे करीब लाता है। गरीब परिश्रम करके अमीर हो जाता है और अमीर शिथिल बनकर असफल हो जाता है। भारतीय कृषक के परिश्रम का ही फल है कि देश में हरित क्रांति हुई। अमेरिका के सड़े गेहूँ से पेट भरने वाला भारत आज मजबूरी नहीं, बल्कि मजबूती से खड़ा है तो इसके पीछे इसके कठोर परिश्रम और धैर्य ही है।

हमारे कारखाने दिन रात उत्पादन कर रहे हैं, विकासशील देशों में पिछड़े माने जाने वाले हम भारतवासी आज विकसित देशों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अगर हम कहीं पिछड़े हैं तो उसका कारण परिश्रम का अभाव ही होगा। यदि विद्यार्थी जीवन से ही परिश्रम की आदत पड़ जाएगी तो हम जीवन में कभी असफल नहीं हो सकते। विद्यार्थी जीवन तो परिश्रम की पहली पाठशाला है यहाँ न सिर्फ हमारी शिक्षा बल्कि हमारा भविष्य भी सुरक्षित और मजबूत हो जाता है।

(I) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा –

क. भाग्य बलवान होता है ख. आलसी जीवन ग. परिश्रम का महत्व घ .इनमें से कोई नहीं

(II) जीवन में सफलता पाने का सबसे बड़ा माध्यम क्या है ?

क. पैसा ख. विद्वत्ता ग. चालाकी घ. पुरुषार्थ

(III) जापान, जर्मनी ,चीन जैसे देश विपरीत परिस्थितियों से बाहर कैसे निक ?

क. युद्ध से ख. व्यापार से ग. विदेश नीति से घ. परिश्रम से

(IV) हमारे लक्ष्य को हमारे करीब कौन लाता है ?

क. परिश्रम और दृढसंकल्प ख. पैसा और शिक्षा ग. सिर्फ पैसा घ. राजनीति

(V) आज हमारा देश बड़े-बड़े देशों के सामने किस रूप में खड़ा है ?

क. याचक के रूप में ख. प्रतिस्पर्धी के रूप में ग. शत्रु के रूप में घ. इनमें से कोई नहीं

(VI) परिश्रम की पहली पाठशाला कहाँ मिलती है ?

क. जन्म से ख. घर में ग. विद्यार्थी जीवन में घ. नौकरी करने पर

(VII) हमारे किसानों के परिश्रम से देश में कौन सी क्रांति आयी ?

क. हरित क्रांति ख. श्वेत क्रांति ग. लाल क्रांति घ . सभी सही हैं

(VIII) निम्नलिखित में से कौन सी पंक्ति पुरुषार्थ या परिश्रम के महत्त्व पर सटीक बैठती है ?

क. करमगति टारे नाहीं टरे ख. पुरुष बली नहीं होता है समय होत बलवान

ग. सबके दाता राम घ. सकल पदारथ है जग माहीं, कर्महीन नर पावत नाहीं

(IX) इनमें से कौन सा शब्द 'विभीषिका' का समानार्थी होगा -

क. दुष्प्रभाव ख. त्रासदी ग. हानि घ. इनमें से कोई नहीं

(X) 'परिश्रम 'शब्द में उपसर्ग है-

क. पर ख. परा ग. परि घ. परी

उत्तरमाला-:

I-ग	II-घ	III-घ	IV-क	V-ख	VI-ग	VII-क	VIII-घ	IX-ख	X-ग

5

हमें यह देखना होगा कि तुलसीदास में वो कौन सी विशेषताएँ थीं जिसने उन्हें युगपुरुष बना दिया। तुलसी को अमर बनाने वाली क्या सिर्फ रामचरितमानस की पावन कथा है ?क्या इसका कोई और कारण नहीं है ? तुलसी का व्यक्तित्व अपने युग से प्रेरित था, लेकिन वह उससे बंधे नहीं थे । 16वीं-17वीं सदी में भारत का राजनैतिक और सामाजिक स्वरूप ठहर सा गया था । कुछ ऐसी चीजें समाज मे प्रविष्ट हो चुकी थी, जिनका भारत की परम्पराओं से सीधा टकराव था । संस्कृतियों और जीवन मूल्यों की विभिन्न धाराएँ बह रही थीं ।

तुलसीदास ने इसे भाँपकर ; अपनी पावन संस्कृति को बचाने के लिए वो सारे प्रयास किए जो सदियों से साहित्यकार करते चले आ रहे हैं । भारत के विद्वान साहित्यकार मनीषियों ने सदियों से अपनी संस्कृति को समाज से जोड़ा है चाहे वह ऋषि वाल्मीकि, व्यास, कालिदास जैसे संस्कृत के धुरंधर हों या गोरखनाथ, कबीर, दादू, रैदास और सूरदास जैसे जनमानस के कवि हों । यही उद्देश्य तुलसीदास ने भी अपनाया और राम और रावण की कहानी को आधार बना कर अपने मूल्यों से भटकती भारतीय

संस्कृति को एक सही दिशा देने का प्रयास किया । राम को उन्होने भगवान से ज्यादा एक ऐसे संघर्षशील व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत किया जो जीवन भर अपनी मर्यादाओं और आदर्शों के लिए लड़ता है पर झुकता नहीं । रामराज्य की कल्पना आज की राजनीति के लिए एक सीख है,जहाँ राजा अपनी नहीं, प्रजा की चिन्ता करता है। तुलसी दास जी ने इस कथा मे समाजसुधार के नए मापदंड स्थिर करने हेतु नई और पुरानी परम्पराओं में, निर्गुण और सगुण में, शैव और वैष्णव में, राजनीति और समाज में, स्वहित और राष्ट्रहित में संतुलन बनाने के साथ साथ जाति-पाँति और छुआछूत को मिटाने हेतु अनेक भगीरथ प्रयास किए। यही कारण है कि तुलसी को अन्य कई विशेषणों के साथ समाज-सुधारक की महिमा से भी मंडित किया गया है ।

(I) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा –

क. तुलसी:एक युगपुरुष ख. रामचरितमानस ग. रामराज्य घ. इनमें से कोई नहीं

(II) 16वीं-17वीं सदी में भारत का राजनैतिक और सामाजिक स्वरूप कैसा था ?

क. बहुत अच्छा ख. ठहरा हुआ ग. विकसित घ. इनमें से कोई नहीं

(III) तुलसी ने किसको बचाने के लिए प्रयास किया ?

क. अवधी साहित्य को ख. रामकथा को ग. पावन संस्कृति को घ. अपनी विद्वता को

(IV) विद्वान साहित्यकार मनीषियों ने सदियों से किसको किससे जोड़ा है ?

क. राजा को प्रजा से ख. साहित्य को भाषा से ग. संस्कृति को समाज से घ. अमीर को गरीब से

(V) 'अभिज्ञान-शाकुंतलम' किसकी रचना है ?

क. वेदव्यास ख. वाल्मीकि ग. कालिदास घ. इनमें से कोई नहीं

(VI) तुलसीदास ने राम को किस रूप में प्रस्तुत किया ?

क. भगवान के ख. राजा के ग. संघर्षवान व्यक्तित्व के घ. शत्रुविनाशक के

(VII) जब राजा अपनी नहीं, प्रजा की चिन्ता करता है तब कौन सी कल्पना साकार होती है ?

क. स्वर्ग की　　ख. राजतंत्र की　　ग. तानाशाही की　　घ. रामराज्य की

(VIII) 'भगीरथ प्रयास' किस पौराणिक कथा से जुड़ा है ?

क. रामजन्म　　ख. सीता-विवाह　　ग. गंगावतरण　　घ. कृष्णावतार

(IX) इनमें से कौन सा शब्द 'आधार' का विलोम होगा -

क. साधार　　ख. निराधार　　ग. कुधार　　घ. सुधार

(X) 'धुरंधर' का अर्थ होगा -

क. श्रेष्ठ　　ख.पागल　　ग. धूलभरा　　घ. धुँआ

उत्तरमाला-:

I-क	II-ख	III-ग	IV-ग	V-ग	VI-ग	VII-घ	VIII-ग	IX-ख	X-क

अपठित काव्यांश (5x1=5 अंक)

पद्यांश संबंधी सामान्य बातें :-

- पद्यांश को ही काव्यांश कहा जाता है।
- काव्य का स्तर, विचार, भाषा, शैली आदि प्रत्येक दृष्टि से परीक्षा के स्तर के अनुरूप होता है ।
- काव्य का स्वरूप साहित्यिक, वैज्ञानिक, तथा विवरणात्मक भी होता है।

पद्यांश पर आधारित प्रश्नों को हल करने के लिए सुझाव:-

- पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा उसकी विषय वस्तु तथा उसका केन्द्रीय भाव जानने का प्रयास करें ।
- जिस विषय के बारे में कोई बात बार- बार पद्यांश में की जाए वह उसका केंद्रीय भाव हो सकता है ।
- जो तथ्य आपको पद्यांश पढ़ते हुए महत्वपूर्ण लगे उन्हें रेखांकित अवश्य करें इससे आपका समय बचेगा ।
- प्रश्नों के सही उत्तर को ध्यानपूर्वक चिन्हित करें ।
- उत्तर पद्यांश पर आधारित होना चाहिए कल्पनात्मक उत्तर न दें।
- पद्यांश में दी गई जानकारी को सही मानते हुए सही उत्तर निकालने का प्रयास करे।
- प्रत्येक विकल्प पर विचार करके देखें कि उनमें से किसके अर्थ की संगति संबंधित वाक्य के साथ सही बैठ रही है ।

* सभी विकल्पों को ध्यानपूर्वक पढ़कर ही सही उत्तर का चयन करें ।

* अलंकार,रस ,छंद से संबंधित प्रश्नों के उत्तर काव्य शास्त्रीय नियमों के अनुसार ही दिए जाए ।

* पद्यांश का आंतरिक विकल्प दिया जाएगा इसमें जो अंकदायी और आसान लगे उसी को हल करें ।

अपठित काव्यांश के उदाहरण

1

ज्योति कलश छलके
हुए गुलाबी, लाल सुनहरे
रंग दल बादल के
ज्योति कलश छलके
　　घर आँगन वन उपवन उपवन
　　करती ज्योति अमृत के सींचन
　　मंगल घट ढलके
　　ज्योति कलश छलके
पात पात बिरवा हरियाला
धरती का मुख हुआ उजाला
सच सपने कल के

ज्योति कलश छलके
उषा ने आँचल फैलाया
फैली सुख की शीतल छाया
नीचे आँचल के
ज्योति कलश छलके
अंबर कुमकुम कण बरसाये
फूल पंखड़ियों पर मुस्काये
बिन्दु तुहिन जलके
ज्योति कलश छलके

1. 'ज्योति कलश छलके' पंक्ति का भावार्थ है :-

क. ज्योति से भरा कलश हमेशा छलक़ता रहता है।

ख. सूर्योदय के साथ ही प्रकृति में प्रकाश छलक रहा है।

ग. प्रकृति प्रकाश के कलश को उड़ेल रही है।

घ. प्रकाश युक्त कलश छलकने को तत्पर है।

2. उपर्युक्त काव्यांश में कवि किसके बारे में वर्णन कर रहा है ?

क. पावस ऋतु ख. जनजीवन

ग. बादलों का उमड़ना घ. पल-पल परिवर्तित प्रकृति चित्रण

3. 'घर आँगन वन उपवन उपवन' में निहित अलंकार हैं ;-

क. अनुप्रास – उत्प्रेक्षा ख. अनुप्रास –पुनरुक्ति प्रकाश

ग. पुनरुक्ति प्रकाश – उपमा घ. रूपक –अनुप्रास

4. 'सच सपने कल के' पंक्ति में कौनसा स्वर नहीं छिपा है ?

क. आशावादी ख. सकारात्मकता ग. निराशावादी घ. इनमें से कोई नहीं

5. प्रकृति से हमें क्या सीख लेनी चाहिए ?

क. निरंतर आगे बढ़ते रहना ख. परोपकारी बनना

ग. समानता का व्यवहार करना घ. उपर्युक्त सभी

उत्तर	1. ख	2. घ	3. ख	4. ग	5. घ

2

यह अवसर है, स्वर्णिम सुयुग है
खो न इसे नादानी में
रंगरेलियों में, छेड़-छाड़ में
मस्ती में, मनमानी में।
तरुण, विश्व की बागडोर ले
तू अपने कठोर कर में
स्थापित कर रे मानवता
बर्बर नृशंस के उर में।
दंभी को कर ध्वस्त धरा पर
अस्त-व्रस्त पाखंडों को,
करुणा शांति स्नेह सुख भर दे
बाहर में, अपने घर में
यौवन की ज्वाला वाले

दे अभयदान पद-दलितों को,
तेरे चरण शरण में आहत
जग आश्वासन-श्वास गहे।

1. उपर्युक्त काव्यांश का वर्ण्य विषय क्या है ?

क. मानव का कल्याण करना　　ख. मनुष्य जन्म का सुनहरा अवसर
ग. शांति एवं सुख का प्रसार　　घ. उपर्युक्त सभी

2. विश्व की बागडोर किसके हाथों में शोभा पाती है ?

क. अपनी मौज मस्ती में चलने वाले युवकों के हाथों में
ख. परिश्रमी नवयुवकों के कठोर हाथों में
ग. दंभी पाखंडी युवकों के हाथों में
घ. आत्म कल्याण करने वालों के हाथों में

3. 'करुणा शांति स्नेह सुख भर दे' पंक्ति में निहित अलंकार है :-

क. उपमा　　ख. उत्प्रेक्षा　　ग. अनुप्रास　　घ. मानवीकरण

4. 'बाहर में, अपने घर में' इस पंक्ति में हमारी किस विशेषता का बोध होता है ?

क. वीरता,साहस　　ख. कल्याण,परोपकार　　ग. युद्ध कौशल　　घ. उपर्युक्त सभी

5. 'दे अभय दान पद दलितों को' पंक्ति का आशय है :-

क. दलित वर्ग भयभीत है
ख. दलित वर्ग पर हो रहे शोषण अत्याचार से मुक्त कर निडर बनाएँ
ग. दलित वर्ग को अपने हाल पर छोड़ दिया जाए
घ. दलित वर्ग दर गया है उसके प्रति सहानुभूति दिखाएँ

उत्तर	1. घ	2. ख.	3. ग	4. घ.	5. ख.

3

अचल खड़े रहते जो ऊंचा शीश उठाए तूफानों में,
सहनशीलता दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में।
वही पंथ बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हो निर्झर,
प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर।
आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी ही तरुणाई,
नए जन्म की श्वास तुम्हारे अंदर जगकर है लहराई।
आज विगत युग के पतझर पर तुमको नव मधुमास खिलाना,
नवयुग के पृष्ठों पर तुमको है नूतन इतिहास लिखाना।
उठो राष्ट्र के नवयौवन तुम दिशा-दिशा का सुन आमंत्रण,
जगो, देश के प्राण जगा दो नए प्रात: का नया जागरण।
आज विश्व को दिखला दो हममें भी जागी तरुणाई,
नई किरण की नई चेतना में हमने भी ली अंगड़ाई।

1. उपर्युक्त काव्यांश का वर्ण्य विषय क्या है ?

क. राष्ट्र का नव निर्माण　　ख. प्राकृतिक सुषमा　　ग. नव जागरण　　घ. उपर्युक्त सभी

2. कवि नवयुवकों का आह्वान कर रहा है ?

क. त्यागी बनने के लिए　　ख. बलिदान देने के लिए

ग. पलायनवादी बनने का लिए　　घ. देश के नवयुग निर्माण हेतु

3. नव जागरण को बाह्य न कहकर आंतरिक गुण क्यों कहा है ?

क. यह लगन व पक्की धुन है　　ख. यह भाव स्वतः हृदय से जागृत होता है

ग. यह आंतरिक चेतना है　　घ. उपर्युक्त सभी

4. 'जगो देश के प्राण जगा दो' पंक्ति में किस रस का संचार हुआ है ?

क. करूण रस　　ख. शांत रस　　ग. वीर रस　　घ. रौद्र रस

5. कवि बार बार किसे संबोधित कर रहा है ?

क. नवयुवकों को　　ख. प्रकृति को　　ग. पर्वत को　　घ. झरने को

उत्तर	1. क	2. घ	3. घ	4. ग	5. क

4

तुमको नया गौरव दे रही है।

राजा बैठे सिंहासन पर, यह ताजों पर आसीन क़लम
मेरा धन है स्वाधीन क़लम
जिसने तलवार शिवा को दी
रोशनी उधार दिवा को दी
पतवार थमा दी लहरों को
खंजर की धार हवा को दी
अग-जग के उसी विधाता ने, कर दी मेरे अधीन क़लम
मेरा धन है स्वाधीन क़लम
रस-गंगा लहरा देती है
मस्ती-ध्वज फहरा देती है
चालीस करोड़ों की भोली
किस्मत पर पहरा देती है
संग्राम-क्रांति का बिगुल यही है, यही प्यार की बीन क़लम
मेरा धन है स्वाधीन क़लम

1. कवि ने किसे अपना धन माना है ?

क. तलवार को,　　ख. पतवार को　　ग. कलम को　　घ. रोशनी को

2. कलम कहाँ आसीन है ?

क. सिंहासन पर　　ख. ताज़ पर　　ग. सत्ता पर　　घ. कुर्सियों पर

3. चालीस करोड़ की भोली किस्मत पर पहरा देने का क्या अभिप्राय है ?

क. जनता के अधिकारों की रक्षा करना　　ख. नेताओं के गुणगान करना

ग. देश की सीमा पर पहरा देना　　घ. सरकार की रक्षा करना

4. कलम में क्रान्ति करवाने की ताकत होती है किस पंक्ति में यह भाव व्यक्त हुआ है ?

क. रस गंगा लहरा देना　　ख. रोशनी उधार दिवा को देना

ग. मस्ती ध्वज फहराना　　घ. संग्राम क्रान्ति का बिगुल यही है

5. कविता में किसकी शक्ति का गुणगान हुआ है ?

क. हवा ख. कलम ग. दिवा घ. खंजर

उत्तर	1. ग	2. ख.	3. क	4. घ.	5. ख.

5

ओ जीवन पथ के राही तू अश्रु बहाना छोड़ दे।
टेढ़ी मेढ़ी राह जगत की, कहीं प्रकट तो कहीं छिपी है,
संकरी-चौड़ी कहीं तो, कहीं उदित अस्ताचल है।
राही तुझे संभलकर चलना, बिना रुके बढ़ जाना है,
सुख-दुख, हानि-लाभ, तेरे शाश्वत हमराही हैं।
ओ जीवन पथ के राही तू अश्रु बहाना छोड़ दे।
आशा निराशा ही तो जीवन का स्पंदन है,
जय पराजय जीवन भूमि के न्यारे जुड़वा भाई हैं।
काम-क्रोध, मद-लोभ, जीवन रथ के पहिये हैं,
इस रथ को संमार्थ ले जाना, विज्ञरथी का काम है।
ओ जीवन पथ के राही तू अश्रु बहाना छोड़ दे।
क्या लेकर आया इस जग में, क्या लेकर जाएगा,
कौन अपना-कौन पराया, तुझको कौन बताएगा ?
क्या रिश्ते-नाते ..... कौन स्वजन-परिजन ,
तू तो ऐसा ज्ञाता बन जा, अर्जुन-कृष्ण जमाने का।
ओ जीवन पथ के राही तू अश्रु बहाना छोड़ दे।
तृष्णा, लिप्सा, माया–मोह, मृग–मरीचिका हैं,
जब तक जीवन ज्योति चमकती,
तब तक हितकारी है
मानव-सेवा,परोपकार से मिलती सुखद तृप्ति है,
सुकृत्यों की क्यारी में ..... हरियाली लहरानी है।
ओ जीवन पथ के राही, तू अश्रु बहाना छोड़ दे।
मानव जीवन यदि दुर्लभ है, सार्थक इसे बनाना है,
अपने सुश्रम और लगन से, इस जग को सजाना है।
गर मानवता नहीं मनुज में, जीवन उसका व्यर्थ है,
स्वकर्म से सत्कर्म की कल्पना तू करता चल।

1. उपर्युक्त पंक्तियों में जीवन रथ का सारथी किसे कहा गया है ?

क. सैनिकों को ख. देशवासियों को ग. पथिक को घ. श्रमिक वर्ग को

2. कवि राही से क्या कहना चाह रहा है ?

क. रास्ता भूले बिना निरंतर चलते रहना ख. बाधाओं से मुंह मोड लेना
ग. विपरीत परिस्थितियों से हताश हो जाना घ. कठिन राहों पर विश्राम करना

3. कवि ने संसार को मृग मरीचिका क्यों कहा है ?

क. मृग की सुंदरता के कारण ख. मृग की तृष्णा लिप्सा के कारण

ग. मृग मरीचिका पथिक को सुंदर लगती है घ. पथिक मोह माया में फँसकर भटक जाता है

4. पथिक को मार्ग किस प्रकार सरल लगने लगता है ?

क. अपने भी पराये लगने लगते हैं ख. कदम कदम पर विषम परिस्थितियों का सामना होता है

ग. सुख-दुख, हानि-लाभ निरंतर साथ चलते हैं घ. जब स्वकर्मों से सत्कर्मों की कल्पना करता है

5. कौन अपना–कौन पराया तुझको कौन बताएगा? पंक्ति में अलंकार निहित है :-

क. अनुप्रास ख. प्रश्नालंकार ग. उत्प्रेक्षा अलंकार घ. उपमा

उत्तर	1. ग	2. क	3.घ	4. घ.	5. ख.

अभिव्यक्ति और माध्यम

पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया

पत्रकारीय लेखन - समाचार माध्यमों में काम करने वाले पत्रकार अपने पाठकों तथा श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं, इसे ही पत्रकारीय लेखन कहते हैं। पत्रकारिता या पत्रकारीय लेखन के अंतर्गत सम्पादकीय, समाचार, आलेख, रिपोर्ट, फ़ीचर, स्तंभ तथा कार्टून आदि आते हैं।

पत्रकारीय लेखन का प्रमुख उद्देश्य - सूचना देना, शिक्षित करना तथा मनोरंजन करना आदि । इसके कई प्रकार हैं यथा- खोजपरक पत्रकारिता, वॉचडॉग पत्रकारिता और एडवोकेसी पत्रकारिता आदि। पत्रकारीय लेखन का संबंध समसामयिक विषयों, विचारों व घटनाओं से है। पत्रकार को लिखते समय यह ध्यान रखना चाहिए वह सामान्य जनता के लिए लिख रहा है, इसलिए उसकी भाषा सरल व रोचक होनी चाहिए। वाक्य छोटे व सहज हों। कठिन भाषा का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए | भाषा को प्रभावी बनाने के लिए अनावश्यक विशेषणों, अप्रचलित शब्दावली और दोहराव का प्रयोग नहीं होना चहिए।

पत्रकार के प्रकार- पत्रकार तीन प्रकार के होते हैं ।

1. पूर्ण कालिक पत्रकार : किसी समाचार पत्र या संगठन के नियमित वेतनभोगी कर्मचारी।

2. अंशकालिक पत्रकार (स्ट्रिंगर): निश्चित मानदेय पर कार्य करने वाले पत्रकार।

3. फ़्रीलांसर या स्वतंत्र पत्रकार : ये किसी संस्था से जुड़े नहीं होते। जब ये लिखते है तो इनका लेख कोई भी छाप सकता है और बदले में एक निश्चित राशि इन्हें भेज दी जाती है ।

समाचार लेखन- समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं, यह समाचार लेखन की सबसे उपयोगी और लोकप्रिय शैली है। इस शैली का विकास अमेरिका में गृहयुद्ध के दौरान हुआ। इसमें महत्त्वपूर्ण घटना का वर्णन पहले प्रस्तुत किया जाता है, उसके बाद महत्त्व की दृष्टि से घटते क्रम में घटनाओं को प्रस्तुत कर समाचार का अंत किया जाता है। समाचार में इंट्रो, बॉडी और समापन के क्रम में घटनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं।

समाचार के छह ककार- समाचार लिखते समय मुख्य रूप से छह प्रश्नों- **क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों और कैसे** का उत्तर देने की कोशिश की जाती है।

इन्हें समाचार के **छह ककार** कहा जाता है। प्रथम चार प्रश्नों के उत्तर इंट्रो में तथा अन्य दो के उत्तर समापन से पूर्व बॉडी वाले भाग में दिए जाते हैं ।

फ़ीचर: फ़ीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है।

फ़ीचर लेखन का उद्देश्य: फ़ीचर का उद्देश्य मुख्य रूप से पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना तथा उनका मनोरंजन करना होता है।

फ़ीचर और समाचार में अंतर: समाचार में रिपोर्टर को अपने विचारों को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता नहीं होती, जबकि फ़ीचर में लेखक को अपनी राय, दृष्टिकोण और भावनाओं को जाहिर करने का अवसर होता है। समाचार उल्टा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं, जबकि फ़ीचर लेखन की कोई सुनिश्चित शैली नहीं होती । फ़ीचर में समाचारों की तरह शब्दों की सीमा नहीं होती। आमतौर पर फ़ीचर, समाचार रिपोर्ट से बड़े होते हैं। पत्र-पत्रिकाओं में प्राय: 250 से 2000 शब्दों तक के फ़ीचर छपते हैं।

विशेष रिपोर्ट: सामान्य समाचारों से अलग वे विशेष समाचार जो गहरी छान-बीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर प्रकाशित किये जाते हैं, विशेष रिपोर्ट कहलाते हैं ।

विशेष रिपोर्ट के प्रकार:

(1) **खोजी रिपोर्ट :** इसमें अनुपलब्ध तथ्यों को गहरी छान-बीन करके सार्वजनिक किया जाता है।

(2) **इन्डेप्थ रिपोर्ट:** सार्वजनिक रूप से प्राप्त तथ्यों की गहरी छान-बीन कर उसके महत्त्वपूर्ण पक्षों को पाठकों के सामने लाया जाता है ।

(3) **विश्लेषणात्मक रिपोर्ट :** इसमें किसी घटना या समस्या का विवरण सूक्ष्मता के साथ विस्तार से दिया जाता है। रिपोर्ट अधिक विस्तृत होने पर कई दिनों तक किस्तों में प्रकाशित की जाती है ।

(4) **विवरणात्मक रिपोर्ट :** इसमें किसी घटना या समस्या को विस्तार एवं बारीकी के साथ प्रस्तुत किया जाता है।

विचारपरक लेखन : समाचार-पत्रों में समाचार एवं फ़ीचर के अतिरिक्त संपादकीय, लेख, पत्र, टिप्पणी, वरिष्ठ पत्रकारों व विशेषज्ञों के स्तम्भ छपते हैं। ये सभी विचारपरक लेखन के अन्तर्गत आते हैं।

संपादकीय : संपादक द्वारा किसी प्रमुख घटना या समस्या पर लिखे गए विचारात्मक लेख को, जिसे संबंधित समाचार-पत्र की राय भी कहा जाता है, संपादकीय कहते हैं । संपादकीय किसी एक व्यक्ति का विचार या राय न होकर समग्र पत्र-समूह की राय होता है, इसलिए संपादकीय में संपादक अथवा लेखक का नाम नहीं लिखा जाता।

स्तंभ लेखन: एक प्रकार का विचारात्मक लेखन है। कुछ महत्त्वपूर्ण लेखक अपने खास वैचारिक रुझान एवं लेखन शैली के लिए जाने जाते हैं। ऐसे लेखकों की लोकप्रियता को देखकर समाचर-पत्र उन्हें अपने पत्र में नियमित स्तम्भ-लेखन की जिम्मेदारी प्रदान करते हैं। इस प्रकार किसी समाचार-पत्र में किसी ऐसे लेखक द्वारा किया गया विशिष्ट एवं नियमित लेखन जो अपनी विशिष्ट शैली एवं वैचारिक रूझान के कारण समाज में ख्याति प्राप्त हो, स्तंभ लेखन कहा जाता है ।

संपादक के नाम पत्र : समाचार पत्रों में संपादकीय पृष्ठ पर तथा पत्रिकाओं की शुरुआत में संपादक के नाम आए पत्र प्रकाशित किए जाते हैं । यह प्रत्येक समाचार-पत्र का नियमित स्तंभ होता है । इसके माध्यम से समाचार-पत्र अपने पाठकों को जनसमस्याओं तथा मुद्दों पर अपने विचार एवं राय व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है ।

साक्षात्कार/इंटरव्यू: किसी पत्रकार के द्वारा अपने समाचार-पत्र में प्रकाशित करने के लिए, किसी व्यक्ति विशेष से उसके विषय में अथवा किसी विषय या मुद्दे पर किया गया प्रश्नोत्तरात्मक संवाद साक्षात्कार कहलाता है ।

पत्रकारिता लेखन का संबंध समसामयिक और वास्तविक घटनाओं तथा मुद्दों से है। यह अनिवार्य रूप से तात्कालिक और पाठक की रुचियों और जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाता है।

सृजनात्मक लेखन में कल्पना को भी स्थान दिया जाता है। इस लेखन में लेखक पर बंधन नहीं होता, उसे काफी छूट होती है। पत्रकारिता लेखन के विकास में जिज्ञासा का मूल भाव सक्रिय होता है। अच्छे लेखन की भाषा सीधी सरल एवं प्रभावी होती है।

अच्छे लेखन के लिए ध्यान देने योग्य बात – गूढ से गूढ़ विषय की प्रस्तुति सरल सहज और रोचक हो। विषय तथ्यों द्वारा पुष्ट हो। लेख उद्देश्य पूर्ण हो।

बहुविकल्पात्मक प्रश्न :

1. समाचार लेखन की सबसे उपयोगी और लोकप्रिय शैली कौनसी है?

(क) सीधा पिरामिड शैली (ख) संक्षेप शैली (ग) कथा शैली (घ) उलटा पिरामिड शैली

2. समाचार माध्यमों मे काम करने वाले पत्रकार अपने पाठकों तथा श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं, वह क्या कहलाता है?

(क) संपादकीय (ख) फीचर (ग) स्तंभ (घ) पत्रकारीय लेखन

3. फीचर लेखन की शैली होती है?

(क) निश्चित (ख) अनिश्चित (ग) सुनिश्चित (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

4. पत्रकारीय लेखन के अंतर्गत क्या-क्या आते हैं?

(क) संपादकीय (ख) समाचार (ग) आलेख (घ) उपरोक्त सभी

5. पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं?

(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच

6. किसी समाचार पत्र या संगठन के नियमित वेतनभोगी पत्रकार कौनसे पत्रकार कहलाते हैं?

(क) पूर्णकालिक पत्रकार (ख) अंशकालिक पत्रकार (ग) स्वतंत्र पत्रकार (घ) उपरोक्त सभी

7. निश्चित मानदेय पर कार्य करने वाले पत्रकार कौनसे पत्रकार कहलाते हैं?

(क) पूर्णकालिक पत्रकार (ख) अंशकालिक पत्रकार (ग) स्वतंत्र पत्रकार (घ) उपरोक्त सभी

8. जो पत्रकार किसी संस्था से जुड़े नहीं होते, वे कौनसे पत्रकार कहलाते हैं?

(क) पूर्णकालिक पत्रकार (ख) अंशकालिक पत्रकार (ग) स्वतंत्र पत्रकार (घ) उपरोक्त सभी

9. समाचार लेखन में उलटा पिरामिड शैली का विकास कब हुआ?

(क) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान (ख) अमेरिका में गृहयुद्ध के दौरान
(ग) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

10. समाचारों की प्राथमिकता का आधार क्या होता है?

(क) पाठकों की रुचियाँ, दृष्टिकोण व मूल्य (ख) पत्रकारों की रुचियाँ, दृष्टिकोण व मूल्य
(ग) संवाददाताओं की रुचियाँ, दृष्टिकोण व मूल्य (घ) उपरोक्त सभी

11. पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-पहचाना रूप क्या होता है?

(क) फीचर लेखन (ख) स्तंभ लेखन (ग) समाचार लेखन (घ) आलेख लेखन

12. समाचार लेखन में कितने ककार होते हैं?

(क) तीन (ख) चार (ग) पाँच (घ) छह

13. कौनसे ककार सूचनात्मक और तथ्यों पर आधारित होते हैं?

(क) क्या, कौन, कब और कहाँ (ख) क्यों, क्या, कौन और कब
(ग) कौन, कैसे, कब और क्या (घ) उपरोक्त सभी

14. कौनसे ककार विवरणात्मक, व्याख्यात्मक, विश्लेषणात्मक पहलू पर जोर देते हैं?

(क) क्यों और कब (ख) कैसे और कहाँ
(ग) क्यों और कैसे (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

15. एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन क्या कहलाता है?

(क) फीचर लेखन (ख) स्तंभ लेखन (ग) आलेख लेखन (घ) रिपोर्ट लेखन

16. अख़बारों और पत्रिकाओं में कितने शब्दों तक के फीचर छपते हैं?

(क) 300 से 3000 तक (ख) 250 से 2000 तक (ग) 350 से 3000 तक (घ) 450 से 3500 तक

17. विशेष क्षेत्र से जुड़ी घटनाओं, मुद्दों तथा समस्याओं का सूक्ष्म विश्लेषण करके उसे पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, ऐसी रिपोर्ट क्या कहलाती है?

(क) सार्वजनिक रिपोर्ट (ख) व्यक्तिगत रिपोर्ट (ग) विशेष रिपोर्ट (घ) उपरोक्त सभी

18. विशेष रिपोर्ट की भाषा कैसी होनी चाहिए?

(क) सरल (ख) सहज (ग) आम बोलचाल (घ) उपरोक्त सभी

19. संपादकीय लिखने का दायित्व किनका होता है?

(क) प्रकाशकों का (ख) संवाददाताओं का
(ग) संपादक और उनके सहयोगियों का (घ) उपरोक्त सभी

20. विचारपरक लेखन का प्रमुख रूप क्या होता है?

(क) फीचर लेखन (ख) स्तंभ लेखन (ग) आलेख लेखन (घ) रिपोर्ट लेखन

21. उलटा पिरामिड शैली का प्रयोग कब शुरु हुआ?

(क) 18 वीं सदी में (ख) 19 वीं सदी में (ग) 20 वीं सदी में (घ) 21 वीं सदी में

22. समाचार माध्यमों में किसका महत्त्व है?

(क) संपादकीय (ख) साक्षात्कार (ग) फीचर (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

23. साक्षात्कार को लिखने के कितने तरीके होते हैं?

(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच

24. साक्षात्कार को कैसे लिखा जा सकता है?

(क) सवाल जवाब के रूप में (ख) आलेख की तरह से
(ग) संपादकीय के रूप में (घ) क और ख दोनों

25. जिसमें अनुपलब्ध तथ्यों को गहरी छान-बीन कर सार्वजनिक किया जाता है वे रिपोर्ट रिपोर्ट कहलाती है -

(क) इन्डेप्थ रिपोर्ट (ख) विवरणात्मक रिपोर्ट (ग) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट (घ) खोजी रिपोर्ट

26. किस रिपोर्ट में सार्वजनिक रूप से प्राप्त तथ्यों की गहरी छान-बीन कर उसके महत्त्वपूर्ण पक्षों को पाठकों के सामने लाया जाता है?

(क) इन्डेप्थ रिपोर्ट (ख) विवरणात्मक रिपोर्ट (ग) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट (घ) खोजी रिपोर्ट

27. एक अच्छा पत्रकार या लेखक बनने के लिए क्या जरूरी है?

(क) लेखन की शैलियों से परिचित होना (ख) सूचनाओं का ज्ञान होना
(ग) अच्छे संवाददाताओं का होना (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

28. विशेष रिपोर्ट के लेखन में किस पर जोर दिया जाता है?

(क) तथ्यों की खोज और विश्लेषण (ख) कल्पना और भावों पर जोर
(ग) विचारों और विश्लेषण पर जोर (घ) उपरोक्त सभी

29. समाचारपत्र समाज में क्या दायित्व निभाते हैं?

(क) पाठकों को सूचना देना (ख) जागरूक और शिक्षित बनाना
(ग) मनोरंजन करना (घ) उपरोक्त सभी

30. लोकतांत्रिक समाज में एक पहरेदार, शिक्षक और जनमत निर्माता के तौर पर कौन बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है?

(क) समाचार पत्र (ख) फीचर (ग) स्तंभ (घ) आलेख

31. अंशकालिक पत्रकार को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

(क) फ्रीलांसर (ख) स्ट्रिंगर (ग) खोजी (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

32. स्वतंत्र पत्रकार को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

(क) फ्रीलांसर (ख) स्ट्रिंगर (ग) खोजी (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

33. किस तरह के लेखन में लेखक को काफी छूट होती है?

(क) पत्रकारीय लेखन (ख) साहित्यिक रचनात्मक लेखन
(ग) संपादकीय लेखन (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

34. पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-पहचाना रूप क्या है?

(क) समाचार लेखन (ख) कथा लेखन (ग) नाटक लेखन (घ) उपन्यास लेखन

35. उलटा पिरामिड शैली किस लेखन शैली के बिलकुल विपरीत है ?

(क) कथा लेखन (ख) समाचार लेखन (ग) कविता लेखन (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

36. उलटा पिरामिड शैली नाम किस आधार पर रखा गया है?

(क) सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना पिरामिड के सबसे निचले हिस्से में नहीं होती
(ख) इस शैली में पिरामिड को उलट दिया जाता है
(ग) सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य सबसे पहले पैराग्राफ में लिखा जाता है
(घ) उपरोक्त सभी

37. उलटा पिरामिड शैली में समाचार का ढाँचा कितने भागों में विभक्त होता है?

(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच

38. उलटा पिरामिड शैली समाचार लेखन की मानक शैली किस कारण से बन गई?

(क) लेखन और संपादन की सुविधा के कारण
(ख) टेलीग्राफ सुविधाएँ महँगी होने के कारण
(ग) तकनीकी कारणों से सेवा ठप्प हो जाने से
(घ) उपरोक्त सभी

39. किसी समाचार को लिखते हुए मुख्यतः जिन छह सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है, उन्हें किस रूप में जाना जाता है?

(क) ककार (ख) मुखड़ा (ग) बॉडी (घ) समापन

40. एक अच्छे और रोचक फीचर के साथ क्या होना जरूरी है ?

(क) फोटो, रेखांकन, ग्राफिक्स आदि (ख) कल्पनाओं की उड़ान
(ग) विचारों की गंभीरता (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

41. फीचर लेखन की शैली काफी हद तक किस शैली की तरह है?

(क) निबंधात्मक शैली (ख) कथात्मक शैली (ग) कविता शैली (घ) नाटक शैली

42. फीचर लेखन, समाचार लेखन से किस प्रकार भिन्न है?

(क) समाचार लेखन में तथ्यों की शुद्धता पर जोर, फीचर में लेखकीय दृष्टिकोण पर जोर
(ख) समाचार लेखन की उलटा पिरामिड शैली, फीचर लेखन की शैली निश्चित नहीं
(ग) समाचर लेखन में सपाटबयानी, फीचर की भाषा सरल, आकर्षक व मन को छूने वाली
(घ) उपरोक्त सभी

43. फीचर को सजीव बनाने के लिए क्या बातें आवश्यक हैं?

(क) विषय से जुड़े पात्रों की उपस्थिति आवश्यक है
(ख) फीचर को मनोरंजन के साथ सूचनात्मक होना चाहिए
(ग) पात्रों के माध्यम से विषय के विभिन्न पहलुओं को सामने लाना आवश्यक है
(घ) उपरोक्त सभी

44. समाचार पत्र की अपनी आवाज़ किसे माना जाता है?

(क) संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय को (ख) टिप्पणियों को
(ग) साक्षात्कार को (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

45. पत्रकार, पत्रकारीय लेखन के लिए कच्चा माल किसके जरिये एकत्रित करते हैं?

(क) साक्षात्कार या इंटरव्यू (ख) स्तंभ (ग) फीचर (घ) उपरोक्त सभी

46. एक सफल साक्षात्कार के लिए किन गुणों का होना आवश्यक है ?

(क) ज्ञान व संवेदनशीलता (ख) कूटनीति (ग) धैर्य व साहस (घ) उपरोक्त सभी

47. समाचार पत्र में संपादकीय पृष्ठ के सामने कौनसा पृष्ठ होता है?

(क) ऑप एड (ख) झरोखा (ग) कार्टून कोना (घ) उपरोक्त सभी

48. कुछ महत्त्वपूर्ण लेखक जो अपने खास वैचारिक रुझान के लिए जाने जाते हैं, ऐसे लेखकों की लोकप्रियता को देखकर उन्हें समाचार पत्र के लिए क्या कार्य सौंपा जाता है?

(क) नियमित स्तंभ लेखन (ख) नियमित फीचर लेखन
(ग) समाचार लेखन (घ) उपरोक्त सभी

49. समाचार लेखन के संदर्भ में ककार नहीं है?

(क) क्या (ख) कब (ग) कौन (घ) किसे

50. समाचार में सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना को सबसे ऊपर रखना और उसके बाद घटते हुए महत्त्वक्रम में सूचनाएँ देने को क्या कहते हैं ?

(क) सीधा पिरामिड शैली (ख) उलटा पिरामिड शैली (ग) संक्षेप शैली (घ) कथा शैली

उत्तरतालिका-

1. घ	2. घ	3. ख	4. घ	5.ख	6.क	7.ख	8. ग	9. ख	10. क
11. ग	12. घ	13. क	14. ग	15.क	16. ख	17. ग	18. घ	19. ग	20. ख
21. ख	22. ख	23. क	24. घ	25. घ	26. क	27. क	28. क	29. घ	30. क

31. ख	32. क	33. ख	34. क	35. क	36. घ	37. ख	38. घ	39. क	40. क
41. ख	42. घ	43. घ	44. क	45. क	46. घ	47. क	48. क	49. घ	50. ख

विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन

लेखन अभिव्यक्ति का एक माध्यम है , जिस प्रकार व्यक्ति बोलकर अपनी भावनाओं तथा विचारों को दूसरों तक पहुंचाता है। उसी प्रकार लेखन अपने विचार विनिमय का एक माध्यम है। आज लेखन का विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किया जा रहा है जैसे – पत्र-पत्रिका , सिनेमा , रेडियो , समाचार , साहित्य आदि के लिए।

जनसंचार के विभिन्न माध्यम

- जनमानस द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले जनसंचार के अनेक माध्यम है जैसे – मुद्रित (प्रिंट) , रेडियो , टेलिविजन एवं इंटरनेट।
- मुद्रित अर्थात समाचार पत्र – पत्रिकाएं पढ़ने के लिए , रेडियो सुनने के लिए , टीवी देखने और सुनने के लिए तथा इंटरनेट पढ़ने , सुनने और देखने के लिए प्रयुक्त होते हैं।
- अखबार पढ़ने के लिए , रेडियो सुनने के लिए और टीवी देखने के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- किंतु इंटरनेट पर पढ़ने , देखने और सुनने तीनों की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है।

जनसंचार के मुद्रित (प्रिंट) माध्यम -

- जन संचार के आधुनिक माध्यमों में मुद्रित (प्रिंट) सबसे ज्यादा पुराना माध्यम है।
- जिसके अंतर्गत समाचार पत्र पत्रिकाएं आती है।
- मुद्रण का प्रारंभ चीन में हुआ , तत्पश्चात जर्मनी के गुटेनबर्ग में छापाखाना की खोज की।
- भारत में सन 1556 में गोवा में पहला छापाखाना खुला।
- इसका प्रयोग मिशनरियों ने धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए किया था।
- आज मुद्रण कंप्यूटर की सहायता से होता है।

जनसंचार मुद्रित (प्रिंट) माध्यमों की खूबियाँ

- मुद्रित माध्यमों की खूबियां देखें तो हम पाएंगे कि सभी की अपनी कमियां है और विशेषताएं भी है।
- लिखे हुए शब्द स्थाई होते हैं।
- इन लिखे हुए शब्दों को हम एक बार ही नहीं अनेकों बार पढ़ सकते हैं।
- अपनी रुचि और समझ के अनुसार उस स्तर के शब्दों से परिचित हो सकते हैं।
- उसका अध्ययन चिंतन मनन किया जा सकता है।
- जटिल शब्द आने पर शब्दकोश का प्रयोग भी किया जा सकता है।
- इसके अतिरिक्त भी खबर को अपनी रूचि के अनुसार पहले तथा बाद में पढ़ा जा सकता है।
- चाहे तो किसी भी सामग्री को लंबे समय तक सुरक्षित रखा भी जा सकता है।

जनसंचार मुद्रित (प्रिंट) माध्यमों की कमियाँ

- मुद्रित माध्यम की खामियां भी है जैसे अशिक्षित लोगों के लिए अनुपयोगी।
- टेलीविजन तथा रेडियो की भांति मुद्रित माध्यम तुरंत घटी घटना की जानकारी नहीं दे पाता।
- समाचार पत्र निश्चित अवधि अर्थात 24 घंटे में एक बार , सप्ताहिक सप्ताह में एक बार तथा मासिक में माह में एक बार प्रकाशित किया जाता है।
- किसी भी खबर या रिपोर्ट के प्रकाशन के लिए एक डेड लाइन (समय सीमा) होती है।
- स्पेस (स्थान) सीमा भी होती है, जबकि रेडियो , टेलीविजन , इंटरनेट माध्यम पर ऐसा प्रतिबंध नहीं होता।
- महत्व एवं जगह की उपलब्धता के अनुसार किसी भी खबर को स्थान दिया जाता है।
- मुद्रित माध्यम में अशुद्धि होने पर सुधार हेतु अगले अंक की प्रतीक्षा करनी पड़ती है।
- अन्य माध्यमों में तत्काल सुधार किया जा सकता है।

जनसंचार मुद्रित (प्रिंट) माध्यमों की भाषा शैली

- मुद्रित माध्यम में लेखन के लिए भाषा , व्याकरण , शैली , वर्तनी , समय सीमा , आवंटित स्थान , अशुद्धि शोधन एवं तारतम्यता पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- लेखन तथा भाषा शैली पाठक वर्ग को ध्यान में रखकर किया जाता है।

रेडियो श्रव्य माध्यम

- रेडियो जनसंचार का श्रव्य माध्यम है
- जिसके ध्वनि, शब्द और स्वर ही प्रमुख हैं
- रेडियो मूलतः एक रेखीय (लीनियर) माध्यम है
- रेडियो समाचार की संरचना समाचार पत्रों तथा टीवी की तरह **उल्टा पिरामिड** शैली पर आधारित होती है
- जिसमें अखबार की तरह पीछे लौटकर सुनने की सुविधा नहीं होती
- लगभग 90 फ़ीसदी समाचार या स्टोरीज इस शैली में लिखी जाती है।

समाचार-लेखन की उलटा पिरामिड-शैली

उलटा पिरामिड शैली में समाचार के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य को सबसे पहले लिखा जाता है और उसके बाद घटते हुए महत्त्वक्रम में अन्य तथ्यों या सूचनाओं को लिखा या बताया जाता है। इस शैली में किसी घटना/विचार/समस्या का ब्यौरा कालानुक्रम की बजाय सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना से शुरू होता है। तात्पर्य यह है कि इस शैली में कहानी की तरह क्लाइमेक्स अंत में नहीं, बल्कि खबर के बिलकुल शुरू में आ जाता है। उलटा पिरामिड शैली में कोई निष्कर्ष नहीं होता ।

इस शैली में समाचार को तीन भागों में बाँट दिया जाता है-

इंट्रो- समाचार के इंट्रो या लीड को हिंदी में 'मुखड़ा' भी कहते हैं। इसमें खबर के मूल तत्व को शुरू की दो- तीन पंक्तियों में बताया जाता है। यह खबर का सबसे अहम हिस्सा होता है।

बॉडी- इस भाग में समाचार के विस्तृत ब्यौरे को घटते हुए महत्त्वक्रम में लिखा जाता है।

समापन- इस शैली में अलग से समापन जैसी कोई चीज नहीं होती। इसमें प्रासंगिक तथ्य और सूचनाएँ दी जा सकती हैं। अगर जरुरी हो तो समय और जगह की कमी को देखते हुए आखिरी कुछ लाइनों या पैराग्राफ को काटकर हटाया भी जा सकता है|

समाचार लेखन की बुनियादी बातें

- साफ-सुथरी टाइप की हुई कॉपी, ट्रिपल स्पेस में टाइप करते हुए दोनों और हाशिए छोड़ें।
- एक पंक्ति में 12-13 शब्दों से अधिक ना हो।
- पंक्ति के अंत में विभाजित शब्द का प्रयोग ना करें
- समाचार कॉपी में जटिल एवं संक्षिप्त आकार का प्रयोग ना करें
- लंबे अंको को तथा दिनांक को शब्दों में लिखें
- निम्नलिखित , क्रमांक , अधोहस्ताक्षरी , किन्तु , लेकिन , उपर्युक्त , पूर्वक जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए
- वर्तनी पर विशेष ध्यान दें
- समाचार लेखन की भाषा को प्रभावी बनाने के लिए आम बोलचाल की भाषा का ही प्रयोग करें।

टेलीविज़न

- टेलीविजन जनसंचार का दृश्य श्रव्य माध्यम है
- यह रेडियो की भांति एक रेखीय माध्यम है
- टेलीविजन में शब्दों व ध्वनियों की अपेक्षा दृश्यों का महत्व अधिक होता है
- इसमें दृश्य शब्दों के अनुरूप उनके सहयोगी के रुप में चलते हैं
- इसमें कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक खबर बताने की शैली का प्रयोग किया जाता है
- अतः टेलीविजन में समाचार लेखन की प्रमुख शर्त दृश्य के साथ लेखन है।

टेलीविज़न खबरों के प्रमुख चरण

प्रिंट अथवा रेडियो की भांति टेलीविज़न चैनल समाचार देने का मूल आधार सूचना देना है। टेलीविज़न में यह सूचनाएँ इन चरणों से होकर गुजराती हैं।

1. फ्लैश बैक(ब्रेकिंग न्यूज़)
2. ड्राई एंकर
3. फोन इन
4. एंकर विजुअल
5. एंकर बाइट
6. लाइव
7. एंकर पैकेज

टेलीविज खबरों की विशेषताएँ

- देखने और सुनने की सुविधा
- जीवंत घटनाओं का प्रसारण
- प्रभावशाली खबर से परिचित होना
- समाचारों का लगातार प्रसारण देख पाना।

टेलीविजन खबरों की कमियाँ

- भाषा शैली के स्तर पर अत्यंत सावधानी
- बाइट का ध्यान रखना आवश्यक है
- कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कभी-कभी सामाजिक उत्तेजना को जन्म दे सकता है
- और परिपक्व बुद्धि पर सीधा प्रभाव डालता है

रेडियो और टेलीविज़न समाचार की भाषा

- भाषा के स्तर व गरिमा को बनाए रखते हुए सरल भाषा का प्रयोग करें।
- सभी वर्ग तथा स्तर के लोग समझ सके इसका ध्यान रखना चाहिए
- छोटे वाक्य तथा सरल और कर्णप्रिय हो
- वाक्यों में तारतम्यता हो
- जटिल शब्दों सामाजिक शब्दों एवं मुहावरों के अनावश्यक प्रयोग से बचें
- जटिल और उच्चारण में कठिन शब्द संक्षिप्त अंक आदि नहीं लिखने चाहिए जिन्हें पढ़ने में जबान लड़खड़ा जाए

इंटरनेट

विश्व में डिवाइसों को लिंक करने के लिए इंटरनेट, इंटरकनेक्टेड कम्प्यूटर नेटवर्क की वैश्विक प्रणाली है। इंटरनेट पत्रकारिता को ऑनलाइन पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता या वेब पत्रकारिता जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। नई पीढ़ी के लिए अब यह एक आदत-सी बन गई है। आज लोग इंटरनेट के अभ्यस्त हैं उन्हें चौबीसो घंटे इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, उन्हें अब कागज पर छपे हुए अखबार उतने ताजे और मनभावन नहीं लगते। उन्हें हर समय खुद को अपडेट करने की लत लग गई है और आज के इस कोरोना काल में यह ना केवल सूचना प्राप्त करने बल्कि शिक्षा का भी सबसे सशक्त माध्यम बन गया है।

इंटरनेट सिर्फ़ एक टूल यानी औजार है, जिसे आप सूचना, मनोरंजन, ज्ञान और व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संवादों के आदान-प्रदान के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन इंटरनेट जहाँ सूचनाओं के आदान-प्रदान का बेहतरीन औजार है, वहीं वह अश्लीलता, दुष्प्रचार और गंदगी फैलाने का भी जरिया है। इंटरनेट पर पत्रकारिता के भी दो रूप हैं।

पहला तो इंटरनेट का एक माध्यम या औजार के तौर पर इस्तेमाल, यानी खबरों के संप्रेषण के लिए इंटरनेट का उपयोग। दूसरा, रिपोर्टर अपनी खबर को एक जगह से दूसरी जगह तक ईमेल के जरिये भेजने और समाचारों के संकलन, खबरों के सत्यापन तथा पुष्टिकरण में भी इसका इस्तेमाल करता है।

- इंटरनेट पर समाचार पत्र का प्रकाशन अथवा खबर का आदान-प्रदान ही वास्तव में इंटरनेट पत्रकारिता है।

- इंटरनेट पर यदि हम किसी भी रूप में समाचारों लेखों चर्चा – परिचर्चा , बहसों , फीचर , झलकियों के माध्यम से अपने समय की धड़कनों को अनुभव कर दर्ज करने का कार्य करते हैं तो वही इंटरनेट पत्रकारिता है।
- इसी पत्रकारिता को वेब पत्रकारिता भी कहा जाता है।
- इस समय विश्व स्तर पर इंटरनेट पत्रकारिता का तीसरा दौर चल रहा है , जबकि भारत में दूसरा दौर माना जाता है।
- भारत के लिए **प्रथम दौर 1993** से प्रारंभ माना जाता है और **दूसरा दौर 2003 से** माना जाता है।
- भारत में सच्चे अर्थों में यदि कोई भी पत्रकारिता कर रहा है तो वह rediff.com , इंडिया इन्फोलाइन, तथा सीफी जैसी कुछ सीटें हैं।
- रेडिफ को भारत की पहली साइट कहा जा सकता है।
- वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता करने का श्रेय तहलका डॉट कॉम को जाता है।
- हिंदी में नेट पत्रकारिता वेबदुनिया के साथ प्रारंभ हुई।
- इंदौर के नई दुनिया समूह से प्रारंभ हुआ यह पोर्टल हिंदी का संपूर्ण पोर्टल है। जागरण , अमर उजाला , नई दुनिया , हिंदुस्तान , भास्कर , राजस्थान पत्रिका , नवभारत टाइम्स , प्रभात खबर एवं राष्ट्रीय सहारा के वेब संस्करण प्रारंभ हुए।
- प्रभासाक्षी नाम से प्रारंभ हुआ अखबार प्रिंट रूप में ना होकर केवल इंटरनेट पर उपलब्ध है।
- आज पत्रकारिता के अनुसार श्रेष्ठ साइट बी.बी.सी. है
- हिंदी वेब जगत में आज अनेक साहित्यिक पत्रिकाएं चल रही है।
- कुल मिलाकर हिंदी की वेब पत्रकारिता अभी अपने शैशव काल में ही है।
- सबसे बड़ी समस्या हिंदी के फॉन्ट की है अभी हमारे पास हिंदी की कोई कीबोर्ड नहीं है।
- जब तक हिंदी के कीबोर्ड का मानकीकरण नहीं हो जाता तब तक इस समस्या को दूर नहीं किया जा सकता।

बहुविकल्पात्मक प्रश्नोत्तर -

1. प्रिंट माध्यम के बारे में कौनसा कथन असत्य है –

(अ) प्रिंट माध्यमों के छपे शब्दों में स्थायित्व होता है।

(ब) निरक्षरों के लिए मुद्रित माध्यम किसी काम के नहीं हैं।

(स) रेडियो, टी०वी० या इंटरनेट की तरह तुरंत घटी घटनाओं को संचालित कर सकते हैं

(द) पाठकों की रुचियों और जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखना पड़ता है ।

2. रेडियो समाचार लेखन किस शैली में होता है ?

(अ) फीचर शैली में (ब) कहानी लेखन शैली में

(स) उल्टा पिरामिड शैली में (द) कोई निर्धारित शैली नहीं है

3. भारत में रेडियो की शुरुआत कब हुई ?

(अ) 1993 में (ब) 1895 में (स) 1921 मे (द) 1936 में

4. एंकर -बाइट का क्या तात्पर्य है ?

(अ) तत्काल घटित घटना को सबसे पहले दर्शकों तक पहुँचाना

(ब) घटनास्थल से दृश्य प्राप्त होने से पहले संवाददाता से प्राप्त जानकारी को दर्शकों तक पहुँचाना

(स) घटनास्थल से सीधा प्रसारण करना

(द) किसी घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों या संबंधित व्यक्तियों का कथन दिखा और सुनाकर खबर को प्रामाणिकता प्रदान करना

5. डेडलाइन से क्या तात्पर्य है ?

(अ) समाचार माध्यमों के लिए समाचारों को कवर करने के लिए निर्धारित समय-सीमा

(ब) समाचार पत्रों में छापे जाने वाली मुख्य लाइन

(स) समाचार पत्रों में छापे जाने वाली सनसनीखेज लाइन

(द) उपर्युक्त सभी

6. आधुनिक छापेखाने का आविष्कार का श्रेय किसे जाता है ?

(अ) गुटेनबर्ग को (ब) पिट्सबर्ग को (स) स्मिथ को (द) रिचड्र्सन को

7. मुद्रण की शुरुआत किस देश से मानी जाती है ?

(अ) भारत (ब) चीन (स) जर्मनी (द) इटली

8. भारत में एफ एम की शुरुआत कब हुई ?

(अ) 1982 (ब) 1993 (स) 1998 (द) 2002

9. भारत में पहला छापाखाना कब खोला गया ?

(अ) 1556 (ब) 1565 (स) 1566 (द) 1564

10. भारत में पहला छापाखाना कहाँ खोला गया ?

(अ) कोलकाता (ब) गोवा (स) मुंबई (द) नई दिल्ली

11. ईसाई मिशनरी ने गोवा में पहले छापेखाने की शुरुआत क्यों की ?

(अ) धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए (ब) लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए

(स) समाचार पहुंचाने के लिए (द) नई दिल्लीलोगों को शिक्षित करने के लिए

12. जनसंचार के किस माध्यम में लिखित भाषा की सभी विशेषताएँ उपलब्ध होती है ?

(अ) समाचार-पत्र (ब) रेडियो (स) टेलीविजन (द) उपर्युक्त सभी

13. अखबार या पत्रिका में छपी गलती को सुधारा जा सकता है ?

(अ) तुरंत प्रभाव से (ब) अगले अंक के प्रकाशन के समय

(स) उसी दिन (द) कभी नहीं

14. मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य बातें है ?

(अ) लेखन और प्रकाशन के बीच गलतियों को ठीक करना जरूरी है

(ब) डेडलाइन का ध्यान रखना (स) शब्द-सीमा का ध्यान रखना (द) उपर्युक्त सभी

15. रेडियो जनसंचार माध्यम है ?

(अ) दृश्य (ब) श्रव्य (स) दृश्य श्रव्य (द) इनमें से कोई नहीं

16. श्रोताओं से संचालित माध्यम माना जाता है?

(अ) समाचार पत्र (ब) टेलीविजन (स) रेडियो (द) इंटरनेट

17. रेडियो के लिए समाचार कॉपी तैयार करते हुए ध्यान रखना चाहिए ?

(अ) साफ-सुथरी और टाइप्ड कॉपी हो (ब) एक लाइन में अधिकतम 12-13 शब्द हो

(स) संक्षिप्त अक्षर का प्रयोग नहीं करना चाहिए (द) उपरोक्त सभी

18. दृश्य के साथ खबर लिखने की बुनियादी शर्त किस माध्यम की है?

(अ) समाचार पत्र (ब) टेलीविजन (स) रेडियो (द) समाचार पत्र

19. फोन इन का क्या तात्पर्य है ?

(अ) दो लोगों द्वारा फोन पर सामान्य बात करना

(ब) परिवार के सदस्यों द्वारा आपस में फोन पर बात करना

(स) एंकर द्वारा रिपोर्टर से फोन पर बात करके प्राप्त सूचना दर्शकों तक पहुंचाना

(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

20. नेट -साउंड या प्राकृतिक आवाज से क्या तात्पर्य है ?

(अ) रिपोर्टर द्वारा प्रत्यक्षदर्शी से की गई बात (ब) रिपोर्टर द्वारा एंकर से की गई बात
(स) शूट करते हुए अपने आप आने वाली आवाज (द) उपर्युक्त सभी

21. टेलीविजन का आविष्कार किसने किया ?

(अ) जी मारकोनी ने (ब) जे एल बेयर्ड ने (स) ग्राहम बेल ने (द) अल्बर्ट आइंस्टाइन ने

22. रेडियो का आविष्कार किसने किया ?

(अ) जी मारकोनी ने (ब) जे एल बेयर्ड ने (स) ग्राहम बेल ने (द) अल्बर्ट आइंस्टाइन ने

23.इंटरनेट पत्रकारिता से तात्पर्य है ?

(अ) इंटरनेट पर अखबारों का प्रकाशन या खबरों का आदान-प्रदान
(ब) मनोरंजन हेतु इंटरनेट पर अपलोड किए गए वीडियो
(स) एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय को भेजे जाने वाली सूचना (द) उपर्युक्त सभी

24. विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय जाता है ?

(अ) रीडिफ डॉट कॉम (ब) इंडिया इन्फोलाइन (स)सीफी (द) तहलका डॉट कॉम

25. हिंदी में नेट पत्रकारिता की शुरुआत की ?

(अ) प्रभा साक्षी ने (ब) वेबदुनिया ने (स) अमर उजाला ने (द) भास्कर ने

26. प्रिंट रूप में उपलब्ध न होकर सिर्फ इंटरनेट पर उपलब्ध होने वाला समाचार है ?

(अ) प्रभासाक्षी (ब) हिंदुस्तान (स) नवभारत टाइम्स (द) प्रभात खबर

27. इंटरनेट पत्रकारिता आजकल बहुत लोकप्रिय है क्योंकि-

(अ) इससे दृश्य एवं प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ मिलता है
(ब) इससे खबरें बहुत तीव्र गति से पहुंचाई जाती है
(स) इससे खबरों की पुष्टि तत्काल होती है
(द) इससे न केवल खबरों का संप्रेषण व पुष्टि सत्यापन ही होता है बल्कि खबरों के बैकग्राउंडर तैयार करने में तत्काल सहायता मिलती है

28. टेलीविजन पर प्रसारित खबरों में सबसे महत्वपूर्ण है?

(अ) विजुअल (ब) नेट (स) बाइट (द) उपरोक्त सभी

29. रेडियो समाचार की भाषा शैली ऐसी हो-

(अ) जिसमें आम बोलचाल के शब्दों का प्रयोग हो (ब) जो समाचार वाचक आसानी से पढ़ सकें
(स) जिसमें आम बोलचाल की भाषा के साथ-साथ सटीक मुहावरों का इस्तेमाल हो
(द) जिसमें सामाजिक और तत्सम शब्दों की बहुलता हो

30. प्रिंट माध्यम का प्रकार है ?

(अ) समाचार पत्र (ब) पुस्तकें (स) पत्र पत्रिकाएं (द) उपर्युक्त सभी

31. हिंदी का पहला सप्ताहिक पत्र कौन सा था ?

(अ) उदंत मार्तंड (ब) बंगाल गजट (स) नया भारत (द) हंस

32. जेम्स ऑगस्ट हिक्की के द्वारा कोलकाता से प्रकाशित भारत का पहला समाचार पत्र कौन सा है ?

(अ) उदंत मार्तंड (ब) बंगाल गजट (स) नया भारत (द) हंस

33. इनमें कौन सा जनसंचार माध्यम अनपढ़ व्यक्ति के लिए उपयोगी नहीं है ?

(अ) इंटरनेट (ब) समाचार पत्र (स) पत्रिकाएँ (द) उपर्युक्त सभी

34. सर्वाधिक खर्चीला जनसंचार माध्यम कौन सा है?

(अ) रेडियो (ब) टेलीविजन (स) समाचार पत्र (द) इंटरनेट

35. दृश्य - श्रव्य जनसंचार माध्यम कौन सा है?

(अ) रेडियो (ब) टेलीविजन (स) समाचार पत्र (द) इंटरनेट

36. समाचार लेखन की प्रभावशाली शैली कौन सी है ?

(अ) वर्णनात्मक शैली (ब) विवेचनात्मक शैली (स) पिरामिड शैल (द) उल्टा पिरामिड शैली

37. इनमें से कौन सा उल्टा पिरामिड शैली का अंग नहीं है ?

(अ) मध्य भाग (ब) बॉडी (स) इंट्रो (द) समापन

38. टेलीविजन के लिए खबर लिखने की मौलिक शर्त क्या है ?

(अ) दृश्य के साथ लेखन (ब) साहित्यिक भाषा में लेखन (स) सनसनीखेज लेखन (द) सामान्य लेखन

39. लाइव का तात्पर्य है?

(अ) घटनास्थल से सीधा प्रसारण (ब) संरक्षित किए हुए वीडियो दिखाना

(स) टेलीविज़न के माध्यम से फिल्म दिखाना (द) टेलीविज़न के माध्यम से सीरियल दिखाना

40. सर्वप्रथम अमेरिकी रक्षा विभाग ने कुछ कम्प्यूटरों को जोड़कर एक नेटवर्क कब तैयार किया गया ?

(अ) 1969 (ब) 1968 (स) 1975 (द) 1982

उत्तरमाला -

1. स	2. स	3. स	4. द	5. अ	6. अ	7. ब	8. ब	9. अ	10. ब
11. अ	12. अ	13. ब	14. द	15. ब	16. स	17. द	18. ब	19. स	20. स
21. ब	22. अ	23. अ	24. द	25. ब	26. अ	27. द	28. द	29. ब	30. द
31. ब	32. ब	33. द	34. द	35. ब	36. द	37. अ	38. अ	39. अ	40. अ

नवीन शब्द परिचय (अभिव्यक्ति और माध्यम)

1. अपडेटिग-विचित्र वेबसाइटों पर उपलब्ध सामग्री को समय-समय पर संशोधित और परिवर्धित किया जाता है। इसे ही अपडटिंग कहते है।

2. ऑडियंस -जनसंचार माध्यमों के साथ जुड़ा एक विशेष शब्द। यह जनसंचार माध्यमों के दर्शकों, श्रोताओं और पालकों के लिए सामूहिक रूप से इस्तेमाल होने वाला शब्द है ।

3. ऑप -एड- समाचारपत्रों में संपादकीय पृष्ठ के सामने प्रकाशित होने वाला यह पत्र जिसमें विश्लेषण ,फीचर ,स्तम्भ ,साक्षात्कार और विचारपूर्ण टिप्पणियाँ प्रकाशित की जाती है।

4. डेडलाइन- समाचार माध्यमों में किसी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित होने के लिए पहुँचने की आखिरी समय-सीमा को डेडलाइन कहते है।

5. डेस्क- समाचार माध्यमों में डेस्क का आशय संपादन से होता है। समाचार माध्यमों में मोटे तौर पर संपादकीय कक्ष डेस्क और रिपोर्टिंग में बँटा होता है। डेस्क पर समाचारों को संपादित किया जाता उसे छपने योग्य बनाया जाता है।

6. न्यूजपेग- न्यूजपेग का अर्थ है किसी मुद्दे पर लिखे जा रहे लेख पर फीचर में उस ताजा घटना का उल्लेख जिसके कारण वह मुद्दा चर्चा में आ गया है।

7. पीत पत्रकारिता (येलो जर्नलिज्म) - इस शब्द का सबसे पहले इस्तेमाल उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में अमेरिका में कुछ प्रमुख समाचारपत्रों के बीच पाठकों को आकर्षित करने के लिए छिड़े संघर्ष के लिए किया गया था। उस समय के प्रमुख समाचारपत्रों ने पाठकों को लुभाने के लिए झूठी अफवाहो, व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोपणे, प्रेम संबंधों.भंडाफोड़ और फिल्मी गपशप को समाचार की तरह प्रकाशित किया। उसमें सनसनी फैलाने का तत्व अहम था ।

8. पेज थ्री पत्रकारिता - पेज थ्री पत्रकारिता का तात्पर्य ऐसी पत्रकारिता से है जिसमें फैशन, अमीरों की पार्टियों महफिलो ,और जाने-माने लोगों (सेलीब्रिटी) के निजी जीवन के बारे में बताया जाता है।

9. फ्रीक्वेसी मॉड्यूलेशन (एफ.एम.)- रेडियो प्रसारण को एक विशेष तकनीक जिसमे फ्रीक्वेसी को मॉड्यूलेट किया जाता है। रेडियो का प्रसारण दो तकनीकों के परिये होता है जिसमें एक तकनीक एमप्लीच्यूड मॉड्युलेशन (ए.एम.) है और दूसरा फ्रीक्वेंसी मॉड्यूलेशन (एफ.एम.)। एफ.एम. तकनीक अपेक्षाकृत नयी है और इसकी प्रसारण की गुणवत्ता बहुत अच्छी मानी जाती है।

10. फ्रीलांस पत्रकार- फ्रोलास पत्रकार से आशय ऐसे स्वतंत्र पत्रकार से है जो किसी विशेष समाचारपत्र या पत्रिका में जुड़ा नहीं होता या उसका कर्मचारी नहीं होता। वह अपनी इच्छा से किसी समाचारपत्र को लेख या फ़ीचर प्रकाशन के लिए देता है जिसके प्रकाशन पर उसे पारिश्रमिक मिलता है।

11. बीट- समाचारपत्र या अन्य समाचार माध्यमों द्वारा अपने संवाददाता को किसी क्षेत्र या विषय यानी बीट की दैनिक रिपोर्टिंग की जिम्मेदारी। यह एक तरह के रिपोर्टर का कार्यक्षेत्र निश्चित करना है। जैसे कोई संवाददाता शिक्षा बीट कवर या इंफोटेनमेंट कहते हैं।

12 .न्यूज एजेंसी – समाचारों स्रोत होते है जैसे पी.टी.आई.- प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया , यू. एन. आई.- यूनाइटेड न्यूज इन्फॉर्मेशन ,ए. एन. आई. – एशियन न्यूज एजेंसी

13. शोर(नॉइज़)-संचार प्रकिया में आने वाली बाधाओं को शोर (नॉइज़) कहते हैं ।

आरोह – भाग 2

1. दिन जल्दी जल्दी ढलता है (एक गीत) - हरिवंशराय बच्चन

कविता का सार - दिन जल्दी जल्दी ढलता है कविता में कवि समय के बीतते जाने के अहसास को प्रस्तुत किया है | कवि को डर है कि कहीं रास्ते में ही रात न हो जाए | पक्षी भी जब घर की ओर लौटते हैं तो उनकी व्याकुलता और बढ़ जाती है , उनकी थकान में भी उत्साह का संचार होता है | कवि ने इन पंक्तियों के माध्यम से अपने जीवन की ओर इशारा किया है | उससे मिलने को कोई व्याकुल नहीं है उसके मन में आशा अथवा उत्साह नहीं है | इसलिए उसे घर पहुँचने की जल्दी नहीं है | जीवन का आकर्षण ही मनुष्य को गति प्रदान करता है | यदि जीवन में बेगानापन ही छाया रहे तो जीवन नीरस हो जाता है |

पठित काव्यांश - 1

हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंज़िल भी तो है दूर नहीं –
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है !

1. दिन का थका पंथी जल्दी –जल्दी क्यों चलता है ?

(क) वह अँधेरा होने से पूर्व अपनी मंजिल पर पहुँचना चाहता है

(ख) उसका घर पर कोई इंतजार नही कर रहा

(ग) उसको थकान नहीं लग रही

(घ) ये सभी |

2. दिन जल्दी –जल्दी ढलता है का आशय है –

(क) समय का सदुपयोग करना

(ख) समय परिवर्तनशील है

(ग) समय नहीं मिलता है

(घ) इनमे से कोई नहीं

3. पक्षी के परों में चंचलता का क्या कारण है ?

(क) बच्चों की याद (ख) भूख लगना (ग) भय (घ) प्रतिस्पर्धा

4. दिन जल्दी –जल्दी ढलता प्रतीत होता है –

(क) बैचेनी के कारण (ख) सर्दी के दिन है (ग) बहुत तेज बारिश के कारण (घ) इनमे से कोई नहीं

5. दिन जल्दी –जल्दी ढलता है ' इस पंक्ति में निहित अलंकार है–

(क) विभावना (ख) उपमा (ग) रूपक (घ) पुनरुक्ति प्रकाश

उत्तर	1. क	2. ख	3. क	4. क	5. घ

पठित काव्यांश - 2

बच्चे प्रत्याशा में होंगे
नीड़ों से झांक रहे होंगे
यह ध्यान परों में चिड़ियों के
भरता कितनी चंचलता है
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है
मुझ से मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को,
भरता उर में विह्वलता है ।
दिन जल्दी जल्दी ढलता है।

1. मुझसे मिलने को कौन विकल' इस पंक्ति में 'कौन' शब्द का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है ?

(क) राहगीर (ख) चिड़िया (ग) सहकर्मी (घ) प्रियजन

2. उपर्युक्त गीत में कवि के मन में कौनसा भाव जन्म लेता है ?

(क) खुशी (ख) संतुष्टि (ग) विह्वलता (घ) जलन

3. बच्चों की क्या प्रत्याशा है ?

(क) उनके माता-पिता लौट कर आ रहे होंगे (ख) माता –पिता के साथ नही रहना है

(ग) बच्चों को डर नही लगता है (घ) इनमे से कोई नहीं

4. कौन सा विचार कवि के पैरों में शिथिलता ला देता है ?

(क) मेरे लिए सब व्याकुल है (ख) मुझ से मिलने को कोई व्याकुल नहीं

(ग) कवि का पत्नी के साथ झगड़ा हो गया है (घ) इनमे से कोई नहीं

5. किसके बच्चे इंतजार कर रहे होंगे ?

(क) कवि के बच्चे (ख) राहगीर के बच्चे (ग) चिड़िया के बच्चे (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर	1. घ	2. ग	3. क	4. ख	5. ग

बहुविकल्पीय प्रश्न -

1. 'एक गीत' कविता में कवि ने समय को कैसा माना है?

I. स्थिर II. परिवर्तनशील III. तीव्र IV. उग्र

2. "दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता में कवि हताश और दुखी क्यों है?

I. पत्नी से तलाक होने के कारण II. प्रियतमा की निष्ठुरता के कारण

III. संतान सुख से वंचित होने के कारण IV. परिवार से बिछुड़ने के कारण

3. कवि के हृदय में कैसे भाव भरे हुए हैं?

I. प्रसन्नता II. उत्साह III. विह्वलता IV. घृणा

4. दिन ढलने के साथ ही बच्चे कहाँ से झाँकने लगे होंगे?

I. खिड़की से II. छत से III. दरवाज़े से IV. नीड़ों से

5. शीघ्र अपने बच्चों के पास पहुँचने की इच्छा चिड़िया की किस क्रिया से प्रकट होती है

I. चहचहाने से II. तेज़ उड़ने से

III. पीड़ा में तड़पने से IV. जल्दी-जल्दी दाना चुगने से

6. दिन जल्दी-जल्दी ढलता है। गीत में नीड़ों से झांक रहे बच्चों का ध्यान चिड़ियों के परों में क्या भरता है?

I.शिथिलता II. विकलता III. चंचलता IV. विह्वलता

7. मुझसे मिलने को कौन विकल? 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' गीत का यह प्रश्न उर में क्या भरता है?

I. शिथिलता II. चंचलता III. विह्वलता IV. आश्चर्य

8."मैं होऊँ किसके हित चंचल?" दिन जल्दी-जल्दी ढलता है। गीत का यह प्रश्न पैरों को कैसा कर देता है?

I. चंचल II. शिथिल III. विह्वल IV. उपर्युक्त सभी

9. पथ में होने वाली रात की आशंका से कौन भयभीत रहता है?

I.प्रेमी II. तपस्वी III. थका पंथी IV. कारीगर

10. 'एकगीत-'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' ' कविता के रचनाकार हैं-

I. जयशंकर प्रसाद II. हरिवंशराय बच्चन

III. रामधारी सिंह दिनकर IV. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

11. हरिवंशराय बच्चन का जन्म किस सन् में हुआ था?

I. 1907 II. 1908 III. 1909 IV. 1910

12. हरिवंशराय बच्चन का निधन कहाँ हुआ था?

I. दिल्ली II. मुंबई III. कोलकाता IV. इलाहाबाद

13. 'मंजिल भी तो है दूर नहीं'- यह विचार किस के मन में आ रहा है?

I. पंथी के II. पर्वतारोही के III. सैनिक के IV. खिलाड़ी के

14 . 'हो जाए न पथ में रात कहीं' सोचकर कौन जल्दी-जल्दी चलता है?

I. कबूतर II. चिड़िया III. चिड़िया के बच्चे IV. पंथी

15 . किसके बच्चे प्रत्याशा में हैं?

I. बुलबुल के II. चिड़िया के III. कोयल के IV. मैना के

16 .'नीड़' का अर्थ है-

I. जल II. कमल III. तालाब IV. घोंसला

17 . घर जाते हुए कवि के पग शिथिल क्यों हो जाते हैं?

I. घर पर उसका कोई इंतजार नहीं कर रहा II. घर जाकर वह क्या करेगा?

III. उसे अपने घर जाने की जल्दी नहीं IV. उसे अपना घर अच्छा नहीं लगता

18 . बच्चों की याद आते ही चिड़िया क्या करती है?

I. चीं-चीं करती है II. तेज़ी से उड़ती है III. दाना चुगती है IV. पंख फैलाती है

उत्तरमाला -

1.	II	4.	IV	7.	III	10.	II	13.	I	16.	IV
2.	IV	5.	II	8.	II	11.	I	14.	IV	17.	I
3.	III	6.	III	9.	III	12.	II	15.	II	18.	II

2. कविता के बहाने - कुँवर नारायण

कविता का सार - 'कविता के बहाने' कविता में कवि ने कविता के अस्तित्व को लेकर बहुत सारी आशंकाएँ व्यक्त की है | कविता के बहाने यह एक यात्रा है जो चिड़िया .फूल से लेकर बच्चे तक की है | एक ओर प्रकृति है दूसरी ओर भविष्य की ओर कदम बढ़ाता बच्चा | कहने की आवश्यकता नहीं कि चिड़िया की उड़ान की सीमा है, फूल के खिलने के साथ उसकी परिणति निश्चित है,लेकिन बच्चे के सपने असीम है | बच्चों के खेल में किसी प्रकार की सीमा का कोई स्थान नहीं होता | कविता भी शब्दों का खेल है और शब्दों के इस खेल में जड़ , चेतन, अतीत, वर्तमान, और भविष्य सभी उपकरण मात्र हैं | कविता जनमानस के आपसी भेदभाव को भुलाकर सबको एक कर देने की क्षमता रखती है |

पठित काव्यांश - 1

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने ?
कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने !
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने ?

1. 'बिना मुरझाए महकने के माने 'पंक्ति कवि ने किसके संदर्भ में कही है ?

(क) चिड़िया के (ख) बच्चों के (ग) कविता के (घ) फूलों के

2. चिड़िया क्या जाने ? पंक्ति में अलंकार है –

(क) विभावना (ख) प्रश्न अलंकार (ग) रूपक (घ) पुनरुक्ति प्रकाश

3. निम्न में से चिड़िया की उड़ान और कविता की उड़ान में अंतर का कारण है –

(क) व्यापकता (ख) खिलना (ग) खेलना (घ)चिड़िया के पंख

4. कवि के अनुसार कविता की उड़ान कौन नही जानता ?

(क) चिड़िया (ख) बच्चे (ग) दोनों (घ) इनमे से कोई नहीं

5. उपर्युक्त पंक्तियों के रचनाकार है –

(क) हरिवंशराय बच्चन (ख) कुंवर नारायण (ग) रघुवीर सहाय (घ)जैनेन्द्र कुमार

उत्तर	1. ग	2. ख	3. क	4. क	5. ख

पठित काव्यांश - 2

कविता एक खिलना हैं फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने?
कविता एक खेल हैं बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।

1. कविता किसका खेल है ?

क. चिड़िया का ख. फल का ग. फूल का घ. शब्दों का

2. बिना मुरझाए कौन महकता है ?

क. कवि ख. कविता ग. फूल घ. चिड़िया

3. फूल की तरह कविता ---

क. खिलती है ख. महकती है ग. लोगों को अपनी और आकर्षित करती है घ. ये सभी

4. कवि को फूलों से क्या प्राप्त होता है ?

क. रंग और भाव ख. गति ग. स्थायित्व घ. इनमे से कोई नहीं

5. कविता में कवि को किस बात की शंका है ?

क. यांत्रिकता के दबाव में कविता के अस्तित्व पर ख. चिड़िया की उड़ान पर
ग. फूलों के खिलने पर घ. इनमे से कोई नहीं

उत्तर	1. घ	2. ख	3. घ	4. क	5. क

बहुविकल्पीय प्रश्न -

1. 'कविता के बहाने' कविता के रचनाकार हैं-

I. कुँवर सिंह II. कुँवर प्रसाद III. कुँवर प्रकाश IV. कुँवर नारायण

2. कविता किस के बहाने एक उड़ान है?

I. अतीत II. बालक III. चिड़िया IV. प्रेमिका

3. कविता फूलों के बहाने क्या है?

I. गिनना II. खिलना III. मुरझाना IV. बहकना

4. कविता किस के बहाने खेल रही थी?

I. बच्चे के II. खिलौने के III. पेंच के IV. भाषा के

5. 'सब घर एक कर देने' का आशय है-

I. भेदभाव नहीं रखना II. तोड़-फोड़ करना
III. सीमा में रहना IV. शोर मचाना

6. कविता किस का खेल है?

I. बच्चों का II. चिड़िया का III. शब्दों का IV. फूलों का

7. कविता की उड़ान को कौन नहीं जान सकता?

I. रसिक व्यक्त II. चिड़िया III. कवि IV. समीक्षक

8. 'कविता के पंख लगा उड़ने' से तात्पर्य है-

I. व्यर्थ लिखना II. शब्द-अर्थ में विसंगत III. कल्पना करना IV. स्पष्ट करना

उत्तरमाला -

1.	IV	2.	III	3.	II	4.	I
5.	I	6.	III	7.	II	8.	III

3. कैमरे में बंद अपाहिज : रघुवीर सहाय

'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता '**लोग भूल गए हैं**' काव्य-संग्रह से लिया गया है। इस कविता में कवि ने शारीरिक चुनौती को झेल रहे व्यक्ति की पीड़ा के साथ-साथ दूर-संचार माध्यमों के चरित्र को भी रेखांकित किया है। किसी की पीड़ा को दर्शक वर्ग तक पहुँचाने वाले व्यक्ति को उस पीड़ा के प्रति स्वयं संवेदनशील होने और दूसरों को संवेदनशील बनाने का दावेदार होना चाहिए। आज विडंबना यह है कि जब पीड़ा को परदे पर उभारने का प्रयास किया जाता है तो कारोबारी दबाव के तहत प्रस्तुतकर्ता का रवैया संवेदनहीन हो जाता है। यह कविता टेलीविजन स्टूडियो के भीतर की दुनिया को समाज के सामने प्रकट करती है। साथ ही उन सभी व्यक्तियों की तरफ इशारा करती है जो दुख-दर्द, यातना-वेदना आदि को बेचना चाहते हैं।

इस कविता में दूरदर्शन के संचालक स्वयं को शक्तिशाली बताते हैं तथा दूसरे को कमजोर मानते हैं। वे विकलांग से पूछते हैं कि क्या आप अपाहिज हैं ? आप अपाहिज क्यों हैं ? आपको इससे क्या दुख होता है ? ऊपर से वह दुख भी जल्दी बताइए क्योंकि समय नहीं है । प्रश्नकर्ता इन सभी प्रश्नों के उत्तर अपने हिसाब से चाहता है । इतने प्रश्नों से विकलांग घबरा जाता है। प्रश्नकर्ता अपने कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए उसे रुलाने की कोशिश करता है ताकि दर्शकों में करुणा का भाव जाग सके। इसी से उसका उद्देश्य पूरा होगा। वह इसे सामाजिक उद्देश्य कहता है, परन्तु 'परदे पर वक्त की कीमत है' वाक्य से उसके व्यापार की पोल खुल जाती है ।

पठित काव्यांश - 1

हम दूरदर्शन पर बोलेंगे
हम समर्थ शक्तिवान
हम एक दुर्बल को लाएंगे
एक बंद कमरे में
उससे पूछेंगे तो आप क्या अपाहिज हैं ?
तो आप क्यों अपाहिज हैं ?
आपका अपाहिजपन तो दुःख देता होगा
देता है ?

1. ' हम दूरदर्शन पर बोलेंगे, 'हम समर्थ शक्तिवान' पंक्ति में भाव है –

(क) दया का (ख) करुणा का (ग) ईर्ष्या का (घ) अहं का

2. 'आपका अपाहिजपन तो दुःख देता होगा' पंक्ति में अलंकार है –

(क) अनुप्रास (ख) उपमा (ग) रूपक (घ) पुनरुक्ति प्रकाश

3. 'हम एक दुर्बल को लाएंगे' में हम प्रयुक्त हुआ है –

(क) कवि के लिए (ख) अपाहिज के लिए (ग) दर्शकों के लिए (घ) दूरदर्शन वाले व्यक्तियों के लिए

4. अपाहिज से क्या प्रश्न पूछे जाएंगे ?

(क) क्या आप अपाहिज है ? (ख) आप क्यों अपाहिज है ?

(ग) क्या आपका अपाहिज पन दुःख देता है ? (घ) ये सभी |

5. उपर्युक्त पंक्तियों के रचनाकार है –

(क) हरिवंशराय बच्चन (ख) कुंवर नारायण (ग) रघुवीर सहाय (घ)जैनेन्द्र कुमार

उत्तर	1. घ	2. क	3. घ	4. घ	5. ग

पठित काव्यांश - 2

फिर हम परदे पर दिखलाएंगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तसवीर
बहुत बड़ी तसवीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिये
हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा बस करो नही हुआ
रहने दो परदे पर वक्त की कीमत है)

1. उपर्युक्त कविता में दिखाया गया है –

(क) संवेदनहीन होता समाज (ख) संवेदनहीन होता मिडिया

(ग) संवेदनशील होता समाज (घ) संवेदनशील होता मिडिया

2. दूरदर्शन वालों के अनुसार कार्यक्रम में क्या कमी रह गई ?

(क) दर्शक रोने लगते है (ख) वे दर्शक और अपाहिज को एक साथ रुलाने में सफल हो गए

(ग) वे दर्शक और अपाहिज को एक साथ रुलाने में असफल हो गए (घ) इनमे से कोई नहीं

3. कार्यक्रम संचालक एक साथ किन दोनों को रुलाना चाहता है ?

(क) कवि और अपाहिज को (ख) अपाहिज और दर्शकों को

(ग) दर्शकों और अपाहिज की माँ को (घ) इनमे से कोई नहीं |

4.'परदे पर वक्त की कीमत है' पंक्ति कार्यक्रम संचालक की किस प्रवृति को दर्शाती है ?

(क) वक्त की पाबंदी (ख) परदे की कीमत (ग) मनोरंजन की प्रवृति (घ) व्यावसायिक प्रवृति

5. कार्यक्रम संचालक का व्यवहार कैसा है ?

(क) कारोबारी (ख) संवेदनशील (ग) आत्मीय (घ) मित्रतापूर्ण

उत्तर	1. ख	2. ग	3. ख	4. घ	5. क

बहुविकल्पीय प्रश्न -

1. 'हम दूरदर्शन पर बोलेंगे हम समर्थ शक्तिवान'-का निहित अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(क) इन पंक्तियों में संवेदना की ध्वनित अभिव्यक्ति है, पत्रकारिता के सामाजिक सरोकारों को दर्शाया गया है।

(ख) इन पंक्तियों में अहं की ध्वनित अभिव्यक्ति है , पत्रकारिता का बढ़ता वर्चस्व दर्शाया गया है।

(ग) इन पंक्तियों में अहं की ध्वनित अभिव्यक्ति है , पत्रकारिता की संवेदनशीलता को दर्शाया गया है।

(घ) इन पंक्तियों में दिव्यांग की सहज और पत्रकारिता की क्रूर अभिव्यक्ति है।

2. हम एक दुर्बल को लाएँगे- पंक्ति का व्यंग्यार्थ स्पष्ट कीजिए।

(क) पत्रकारिता के क्षेत्र में क्रूरता का खोखला प्रदर्शन एक परिपाटी बन गई है।

(ख) पत्रकारिता के क्षेत्र में ममता का खोखला प्रदर्शन एक परिपाटी बन गई है।

(ग) पत्रकारिता के क्षेत्र में करुणा का खोखला प्रदर्शन एक परिपाटी बन गई है।

(घ) पत्रकारिता के क्षेत्र में साम्प्रदायिकता का खोखला प्रदर्शन एक परिपाटी बन गई है।

3. आप क्या अपाहिज हैं? तो आप क्यों अपाहिज हैं? - पंक्ति द्वारा कवि किस विशिष्ट अर्थ की अभिव्यक्ति करने में सफल हुआ है?

(क) पत्रकारिता में व्यावसायिकता के चलते संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है। यहाँ अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने का अधैर्य व्यक्त हुआ है।

(ख) पत्रकारिता में व्यावसायिकता के चलते संवेदनशीलता बढ़ती जा रही है। यहाँ अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने का अधैर्य व्यक्त हुआ है।

(ग) पत्रकारिता में व्यावसायिकता के चलते करुणा बढ़ती जा रही है। यहाँ अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने का अधैर्य व्यक्त हुआ है।

(घ) पत्रकारिता में व्यावसायिकता के चलते संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है। यहाँ अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने का धैर्य व्यक्त हुआ है।

4. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता किस काव्य संग्रह से ली गई है -

(क) लोग भूल गए है (ख) लोग याद रकहते है (ग) अपनों की याद (घ) भूल गए

5. 'इस कविता में किस प्रवृति पर व्यंग्य किया गया है -

(क) दर्शकों पर (ख) कैमरामैन पर

(ग) मीडिया की व्यावसायिकता पर (घ) समाज पर

6. दूरदर्शन पर किस उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम दिखाया जा रहा है ?

(क) धार्मिक (ख) सामाजिक (ग) राजनैतिक (घ) वैज्ञानिक

7. 'दोनों को एक साथ रुलाने से ' किसकी ओर संकेत किया जा रहा है ?

(क) अपाहिज व्यक्ति और उसका परिवार (ख) अपाहिज व्यक्ति और दर्शक

(ग) मिडियाकर्मी और दर्शक (घ) उपर्युक्त सभी

8. कार्यक्रम के आयोजक अपाहिज व्यक्ति क्या प्रश्न पूछते है ?

(क) क्या आप अपाहिज है ? (ख) आप अपाहिज क्यों है ?

(ग) आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा ? (घ) उपर्युक्त सभी

9. अभिकथन और कारण को ध्यान पूर्वक पढ़कर सही विकल्प चयन कीजिए –

अभिकथन – हमें दिव्यांग (अपाहिज) लोगों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए |

कारण- दिव्यांग (अपाहिज) व्यक्ति भी हमारे ही समाज एवं देश के नागरिक है |

(क) अभिकथन और कारण सही है (ख) अभिकथन सही और कारण गलत है

(ग) अभिकथन गलत और कारण सही है (घ) अभिकथन और कारण दोनों गलत है

10. दिए गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए –

(अ) कथन – अतिशय व्यावसायिकता की प्रवृति का होना अच्छी बात है |

(ब) कथन – व्यावसायिकता के साथ मानवता का होना भी आदर्श समाज के लिए आवश्यक है |

(क) दोनों कथन सही है (ख) दोनों कथन गलत है

(ग) केवल कथन 'अ' सही है (घ) केवल कथन 'ब' सही है

11. कथन – 'कैमरे में बंद अपाहिज कविता' एक बेहतरीन कविता है |

कारण – 1. वह अपाहिज व्यक्ति की पीड़ा को भलीभाँति प्रकट करती है |

कारण – 2. इस कविता के माध्यम से कवि ने मिडियाकर्मियों के साथ – साथ समाज को भी संवेदनशील बनाने का संदेश दिया है |

(क) केवल 1 कारण सही है (ख) केवल कारण 2 सही है

(ग) 1 और 2 दोनों कारण सही है (घ) 1 और 2 दोनों ही कारण गलत है

प्रश्न	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
उत्तर	ख	क	क	क	ग	ख	ख	घ	क	घ	ग

4. सहर्ष स्वीकारा है : गजानन माधव 'मुक्तिबोध'

मुक्तिबोध ने जो भी छोटी कविताएँ लिखी हैं उनमें एक है 'सहर्ष स्वीकारा है' जो 'भूरी-भूरी खाक-धूल' काव्य-संग्रह से ली गई है। एक होता है-**'स्वीकारना'** और दूसरा होता है-**'सहर्ष स्वीकारना'** यानी खुशी-खुशी स्वीकार करना। यह कविता जीवन के सब सुख-दुख, संघर्ष-अवसाद, उठा-पटक को सम्यक भाव से अंगीकार करने की प्रेरणा देती है। कवि को जहाँ से यह प्रेरणा मिली, कविता प्रेरणा के उस उत्स तक भी हमको ले जाती है । उस विशिष्ट व्यक्ति या सत्ता के इसी 'सहजता' के चलते उसको स्वीकार किया था-कुछ इस तरह स्वीकार किया था कि आज तक सामने नहीं भी है तो भी आस-पास उसके होने का एहसास है-

मुस्काता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है!

कवि कहता है कि मेरे जीवन में जो कुछ भी है, वह मुझे सहर्ष स्वीकार है। मुझे जो कुछ भी मिला है, वह तुम्हारा दिया हुआ है तथा तुम्हें प्यारा है। मेरी गरबीली गरीबी, विचार-वैभव, गंभीर अनुभव, दृढ़ता, भावनाएँ आदि सब पर तुम्हारा प्रभाव है। तुम्हारे साथ मेरा न जाने कौन-सा नाता है कि मैं जितनी भी भावनाएँ बाहर निकालने का प्रयास करता हूँ, वे भावनाएँ उतनी ही अधिक उमड़ती रहती हैं। तुम्हारा चेहरा मेरी ऊपरी धरती पर चाँद के समान अपनी कांति बिखेरता रहता है।

कवि कहता है कि "मैं तुम्हारे प्रभाव से दूर जाना चाहता हूँ क्योंकि मैं भीतर से दुर्बल पड़ने लगा हूँ । तुम्हीं मुझे दंड दो ताकि मैं दक्षिण ध्रुव की अंधकारमयी अमावस्या की रात्रि के अँधेरों में लुप्त हो जाऊँ। मैं तुम्हारे उजालेपन को अधिक सहन नहीं कर पा रहा हूँ। तुम्हारी ममता की कोमलता भीतर से चुभने-सी लगी है। मेरी आत्मा कमजोर पड़ने लगी है।" वह स्वयं को पाताली अँधेरों की गुफाओं में लापता होने की बात कहता है, किन्तु वहाँ भी उसे प्रियतम का सहारा है।

पठित काव्यांश - 1

जाने क्या रिश्ता है ,जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ ,भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है ?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह , ऊपर तुम
मुसकाता चांद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है !

1. कवि के हृदय में कौनसा स्रोत है ?

(क) प्रेम (ख) जलन (ग) दया (घ) करुणा

2. कविता में तुम संबोधन किसके लिए प्रयुक्त किया गया है ?

(क) भाई के लिए (ख) पिता के लिए (ग) सहकर्मी के लिए (घ) प्रेयसी के लिए

3. 'जितना भी उडेलता हूँ भर- भर फिर आता है ' पंक्ति में निहित अलंकार है –

(क) विभावना (ख) पुनरुक्ति प्रकाश (ग) विरोधाभास (घ) ख और ग दोनों

4. 'मीठे पानी का सोता है ' पंक्ति में निहित अलंकार है -

(क) रूपक (ख) पुनरुक्ति प्रकाश (ग) विरोधाभास (घ) उपमा

5. उपर्युक्त पंक्तियों में निम्न में से कौनसा अलंकार प्रयुक्त नही हुआ है ?

(क) विभावना (ख) पुनरुक्ति प्रकाश (ग) विरोधाभास (घ) प्रश्न अलंकार

उत्तर	1. क	2. घ	3. घ	4. क	5. क

पठित काव्यांश - 2

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं,
भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर मे पा लूँ मैं
झेलूँ मैं उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है |

1. कविता में कवि कौनसा दंड प्राप्त करना चाहता है ?

(क) जेल जाने का (ख) प्रिय को भूलने का (ग) अपनों से दूर होने का (घ) इनमे से कोई नहीं

2. कविता में कवि ने प्रेयसी के वियोग को क्या कहा है ?

(क) अमावस्या (ख) उजेला (ग) रमणीय (घ) इनमे से कोई नहीं

3. कवि अपनी प्रिय को भूलना क्यों चाहता है ?

(क) अतिशय प्रेम उसकी कमजोरी बन गया है (ख) अति कोमलता से तंग आगया है

(ग) प्रिय के उज्ज्वल प्रेम के प्रकाश को सहन नहीं कर पाने से (घ) ये सभी

4. 'दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या' में कौन सा अलंकार है ?

(क) रूपक (ख) विभावना (ग) यमक (घ) इनमे से कोई नहीं

5. उपर्युक्त पद्यांश के रचनाकार है –

(क) हरिवंशराय (ख)कुँवर नारायण सिंह (ग) मुक्तिबोध (घ) इनमे से कोई नहीं

उत्तर	1. ख	2. क	3. घ	4. क	5. ग

पठित काव्यांश - 3

जिंदगी में जो कुछ हैं, जो भी है
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा हैं
वह तुम्हें प्यारा हैं।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार-वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत हैं अपलक हैं-
संवेदन तुम्हारा हैं! !

1. कवि द्वारा सब कुछ सहर्ष स्वीकारने की बात क्यों की गयी है?

(क) कवि सुख-दुख सभी को समान मानतेहैं।

(ख) उसके जीवन में सब कुछ उसकी प्रियतमा का संवेदन है

(ग) कवि जीवन के प्रति उदासीन है। (घ) कवि निराशा से ग्रस्त है।

2. कवि ने गरीबी को गरबीली क्यों कहा है?

(क) उसकी गरीबी अनुभवों से भरी होती है। (ख) उसकी गरीबी स्वाभिमान युक्त है।

(ग) उसे गरीबी अच्छी लगती है। (घ) गरीबी में व्यक्ति स्वाभिमानी बन जाता है।

3. 'भीतर की सरिता यह' पंक्ति में भीतर की सरिता से कवि का आशय है -

(क) मनोदशा से (ख) नदी से (ग) अंत: करण में बहने वाली भावनाओं से (घ) ये सभी

4. 'पल-पल में जो कुछ भी जाग्रत है. अपलक है-संवेदन तुम्हारा है।' पंक्ति का सटीक भावार्थ है -

(क) कवि हर पल जाग्रत है। (ख) कवि को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र मे जाग्रत रहना पड़ता है।

(ग) कवि की उपलब्धियों का स्रोत प्रिया की संवेदना है। (घ) कवि हर पल मौलिक जीवन जीता है।

5. कवि किसे मौलिक मानता है?

(क) विचार वैभव (ख) भीतर की सरिता (ग) गंभीर अनुभव (घ) उपर्युक्त सभी

उत्तर	1. ख	2. ख	3. ग	4. ग	5. घ

बहुविकल्पीय प्रश्न -

1. कवि और कविता का नाम है –

(क) रघुवीर सहाय - 'कैमरे में बंद अपाहिज' (ख) गजानन माधव 'मुक्तिबोध' - 'सहर्ष स्वीकारा है'

(ग) हरिवंश राय 'बच्चन' - 'एक गीत' (घ) कुंवर नारायण - 'कविता के बहाने'

2. 'गरबीली गरीबी'- का अर्थ है –

(क) निर्धनता का स्वाभिमानी रूप (ख) निर्धनता का विद्रूप रूप

(ग) निर्धनता का कारुणिक रूप (घ) निर्धनता से उत्पन्न विवशता

3. 'भीतर की सरिता' - का अर्थ है –

(क)कवि के विचारों की कृत्रिमता,अनुभवों की गहराई, दृढ़ता, हृदय का प्रेम उसके गर्व करने का कारण है।

(ख)कवि के विचारों की मौलिकता, अनुभवों की गहराई, पलायन, हृदय का द्वेष उसके गर्व करने का कारण है।

(ग)कवि के विचारों की मौलिकता, कायरता, भय और हृदय की संवेदनहीनता उसके गर्व करने का कारण है।

(घ)कवि के विचारों की मौलिकता,अनुभवों की गहराई, दृढ़ता,हृदय का प्रेम उसके गर्व करने का कारण है।

4. कवि अपने प्रिय को किस बात का श्रेय दे रहा है?

(क) सांसारिक जीवन के प्रेम का संबंल कवि को विश्व व्यापी प्रेम से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

(ख) निजी जीवन के प्रेम का संबंल कवि को भौतिक प्रेम से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

(ग) निजी जीवन के प्रेम का संबंल कवि को विश्व व्यापी प्रेम से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

(घ) सांसारिक जीवन के प्रेम का संबंल कवि को भौतिक प्रेम से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

5. दिए गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए -

(अ) अभिकथन -प्रियजन पर भावपूर्ण निर्भरता कवि के मनमें विस्मृति की चाह उत्पन्न करती है।

(ब) कारण - स्नेह में थोड़ी-सी निस्संगता भी जरूरी है।

(क) अभिकथन सही है,लेकिन कारण गलत है। (ख) कारण सही है, लेकिन अभिकथन लगत है।

(ग) अभिकथन और कारण दोनों ही सही हैं (घ) दोनों ही गलत हैं।

6. निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकलप का चयन कीजिए

कथन (1) कवि को जीवनपर्यत संघर्ष करना पड़ा।

कथन (2) संघर्षशीलता ने इन्हें चिंतनशील एवं जीवन को नए दृष्टिकोण से देखने को प्रेरित किया।

(क) कथन1 सही है,लेकिन कथन 2 गलत है। (ख) कथन 2 सही है, लेकिन कथन 1 गलत है।

(ग) दोनों सही हैं। (घ) दोनों गलत हैं।

7. निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए

कथन (1) कवि का जीवन प्रिय के प्रेम से परिवेष्टित है।

कथन (2) कवि से अब वह सहा नहीं जाता है।

(क) कथन सही है, लेकिन कथन 2 गलत है। (ख) कथन 2 सही है, लेकिन कथन गलत है।

(ग) दोनों कथन सही हैं। (घ) दोनों कथन गलत हैं।

8. निम्नलिखित प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए

"जितना भी उड़ेलता हूं, भर-भर फिर आता है' पंक्ति में अलंकार है-

(क) रूपक (ख) उपमा (ग) विरोधाभास (घ) यमक

9. निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकलप का चयन कीजिए

कथन (1) भीतर वह (प्रिया के प्रति कवि का प्रेम / संवेदनाएं) ।

कथन (2) ऊपर तुम (प्रिया का अनुपम सौंदर्य समन्वित स्नेह) ।

(क) कथन 1 गलत है, लेकिन कथन 2 सही है। (ख) कथन 2 गलत है, लेकिन कथन सही है।

(ग) दोनों ही कथन गलत हैं। (घ) दोनों ही कथन सही हैं।

10. निम्नलिखित अभिकथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकलप का चयन कीजिए

अभिकथन- कवि दंड प्राप्त करना चाहता है।

कारण - प्रिय को भूल जाने के अपराध के कारण

(क) अभिकथन और कारण दोनों ही गलत हैं। (ख) कारण और अभिकथन दोनों ही सही है।

(ग) अभिकथन सही है, लेकिन कारण गलत है। (घ) कारण सही है, लेकिन अभिकथन गलत है।

11. सहर्ष स्वीकारा है कविता

(क) सुख-दुख की सहज स्वीकृति है। (ख)जीवन में प्रियजन के महत्व का प्रतिपादन किया गया

(ग) अति सर्वत्र वर्जयेत का संदेश दिया गया है (घ) सभी सही है।

प्रश्न	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
उत्तर	ख	क	घ	ग	ग	ग	ग	ग	घ	ख	घ

(गद्य भाग)

1. भक्तिन - महादेवी वर्मा

पाठ का सारांश - लेखिका महादेवी वर्मा ने एक सेविका रखी भक्तिन जिसका वास्तविक नाम था लक्ष्मी| बचपन में ही भक्तिन की माँ की मृत्यु हो गई| सौतेली माँ ने 5 वर्ष की आयु में ही विवाह कर दिया तथा 9 वर्ष की आयु में गौना कर दिया | भक्तिन को ससुराल भेज दिया गया | ससुराल में भक्तिन ने तीन बेटियों को जन्म दिया| जिस कारण से सास ,जेठ और जेठानियां उसकी उपेक्षा करती थीं | सास और जेठानियां आराम से रहती थीं और भक्तिन तथा उसकी तीनों बेटियों को घर और खेतों का सारा काम करना पड़ता था | भक्तिन का पति उसे बहुत चाहता था | अपने पति के स्नेह के बल पर वह ससुराल वालों से अलगोझा यानी बंटवारा कर लिया और अपना घर बसा लिया | इसके बाद सुख से रहने लगी लेकिन दुर्भाग्य से अल्पायु में ही उसके पति का देहांत हो गया | ससुराल वाले भक्तिन की दूसरी शादी कर उसे घर से निकाल कर उसकी संपत्ति हड़पने की कोशिश करने लगे | ऐसी परिस्थिति में भक्तिन ने अपने केस मुड़ा लिए और सन्यासिन बन गई |

भक्तिन स्वाभिमानी, कर्मठ, संघर्षशील और दृढ़ संकल्प वाली स्त्री थी, जो पितृसत्तात्मक मान्यताओं और छल - कपट से भरे समाज में अपने और अपनी बेटियों पर अधिकार की लड़ाई लड़ती रही | गृहस्थी संभालने के लिए अपनी बड़ी बेटी दामाद को बुला लिया पर दुर्भाग्य यहाँ भी भक्तिन का पीछा करता हुआ आ पहुंचा | अचानक उसके दामाद की भी मृत्यु हो गई | भक्तिन के जेठ और जिठौतों ने साजिश रचकर भक्तिन की विधवा बेटी का विवाह जबरदस्ती अपने तीतरबाज साले से करा दिया | पंचायत द्वारा कराया गया यह संबंध बहुत दुखदाई था | दोनों मां बेटी का मन घर गृहस्थी से उचट गया | गरीबी आ गई , लगान न चुका पाने के कारण जमींदार ने भक्तिन को दिनभर

धूप में खड़ा रखा | अपमानित भक्तिन पैसा कमाने के लिए गांव छोड़कर शहर आ गई है और महादेवी की सेविका बन गई |

भक्तिन के मन में महादेवी के प्रति बहुत आदर समर्पण और अभिभावक के समान अधिकार भाव था | वह छाया के समान महादेवी वर्मा के साथ रहती थी | वह रात- रात भर जाग कर चित्रकारी, आलेखन जैसे कार्यों में व्यस्त अपनी मालकिन की सेवा करती थी | साथ रहकर महादेवी वर्मा भक्तिन को नहीं बदल पाईं पर भक्तिन ने महादेवी वर्मा को बदल दिया| उसके हाथ का मोटा देहाती खाना खाते-खाते महादेवी का स्वाद बदल गया | भक्तिन ने महादेवी को देहात के किस्से, कहानियां और किंवदंतियां कंठस्थ करा दीं | स्वभाव से महाकंजूस होने पर भी भक्तिन ने पाई-पाई जोड़ी हुई ☐105 की राशि को सहर्ष महादेवी वर्मा को समर्पित कर दिया | जेल के नाम से थरथर कांपने वाली भक्तिन अपनी मालकिन के साथ जेल जाने के लिए बड़े लाट साहब तक से लड़ने को तैयार हो जाती है| भक्तिन महादेवी वर्मा के जीवन पर छा जाने वाली एक ऐसी सेविका है जिसे लेखिका कभी खोना नहीं चाहती थी|

पठित गद्यांश -1

परिवार और परिस्थितियों के कारण स्वभाव में जो विषमताएं उत्पन्न हो गई है उनके भीतर से एक स्नेह और सहानुभूति की आशा फूटती रहती है, इसी से उसके संपर्क में आने वाले व्यक्ति उसमें जीवन की सहज मार्मिकता ही पाते हैं| छात्रावास की बालिकाओं में से कोई अपनी चाय बनवाने के लिए देहली पर बैठी रहती है, कोई बाहर खड़ी मेरे लिए बने नाश्ते को चखकर उसके स्वाद की विवेचना करती रहती है | मेरे बाहर निकलते ही सब चिड़ियों के समान उड़ जाती हैं और भीतर आते ही यथास्थान विराजमान हो जाती हैं | इन्हें आने में रुकावट ना हो, संभवत: इसी से भक्तिन अपना दोनों जून का भोजन सवेरे ही बनाकर ऊपर के आले में रख देती है और खाते समय चौके का एक कोना धोकर पाक-छूत के सनातन नियम से समझौता कर लेती है|

मेरे परिचितों और साहित्यिक बंधुओं से भी भक्तिन विशेष परिचित है ; पर उनके प्रति भक्तिन के सम्मान की मात्रा, मेरे प्रति उनके सम्मान की मात्रा पर निर्भर है और सद्भाव उनके प्रति मेरे सद्भाव से निश्चित होता है | इस संबंध में भक्तिन की सहज बुद्धि विस्मित कर देने वाली है |

1. भक्तिन का स्वभाव लेखिका के परिवार में रहकर कैसा हो गया है –

क. कटुता पूर्ण ख. स्नेहिल ग. उपेक्षा पूर्ण का घ. विरोधी का

2. भक्तिन के पास छात्रावास की छात्राएं क्यों आती थीं-

क. चाय बनाने ख. कपड़े धोने ग. गिलहरी से खेलने घ. पैसे देने

3. छात्राओं के आने में रुकावट न डालने के लिए भक्तिन ने क्या उपाय किया –

क. सभी छात्राओं से शाम को आने को कहती थी ख. उनके साथ भोजन करती थी

ग. अपने पाक- छूत के नियम से समझौता कर लिया घ. छात्रों को बाहर से ही रोक कर बात करती थी

4. साहित्यकारों के प्रति भक्तिन के मान-सम्मान का क्या मापदंड है-

क. अपने स्वभाव के अनुसार ख. मित्रों के सद्भाव के अनुसार

ग. साहित्यकारों के सम्मान के अनुसार घ. महादेवी के सद्भाव के अनुसार

5. भक्तिन की सहज बुद्धि क्या कर देने वाली है –

क. दुखित ख. विस्मित ग. मुखरित घ. कल्पित

उत्तरमाला:-	1. ख	2. क	3. ग	4. घ	5. ख

पठित गद्यांश - 2

सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है -नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बंध सकी। वैसे तो जीवन में प्राय :सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है, पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं । केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत के साथ यह भी बता दिया, पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी इस नाम का उपयोग ना करूँ। उपनाम रखने की प्रतिभा होती तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देख कर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गदगद हो उठी ।

1. लेखिका ने भक्तिन नाम को कवित्वहीन क्यों कहा है ?

अ. भक्तिन नाम कविता का प्रतीक है ब. सादगी व सरलता का बोध करता है

स. भक्तिन आपसी प्रेम का प्रतीक है द. इनमे से कोई नहीं |

2. भक्तिन की सेवा भाव में तुलना की है -

अ. हनुमान से ब. अंजना से स. लक्ष्मी से द. इनमे से कोई नहीं

3. लेखिका ने अपने नाम को दुर्वह क्यों कहा है ?

अ. लेखिका के पास धन संपत्ति नहीं है ब. लेखिका अपने को नाम से भी बढ़ा मानती है

स. लेखिका अपने को इस भारी भरकम नाम के योग्य नहीं मानती द. इनमे से कोई नहीं

4. लेखिका ने अनाम धन्यागोपलिका की कन्या किसे कहा है -

अ. अंजना को ब. भक्तिन को स. स्वयं को द. लेखिका को

5. लक्ष्मी को भक्तिन नाम देने का आधार रहा है -

अ. भक्तिन ईमानदार है ब. भक्तिन के पास धन था स. गले में कंठी माला देख कर द. ये सभी

उत्तरमाला	1. ब	2. अ	3. स	4. ब	5. स

पठित गद्यांश - 3

भक्तिन और मेरे बीच सेवक स्वामी का संबंध है , यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी हीं हो सकता , जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया , जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे । भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है जितना अपने घर में बारी –बारी से आने –जाने वाले अंधेरे –उजाले और आँगन मे फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं,जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमे सुख –दुख देते हैं,उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र अस्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है ।

1. लेखिका को भक्तिन और अपने बीच सेवक –स्वामी का संबंध मानने में क्या कठिनाई है ?

अ. लेखिका भक्तिन को चाह कर भी सेवा से हटा नहीं सकती

ब. भक्तिन लेखिका के आदेश को पाकर भी स्वीकार नही करती

स. अ और ब दोनों सही है

द. इनमे से कोई नही

2. भक्तिन पाठ गद्य की विधा है -

अ. यात्रावृतांत ब. संस्मरणात्मक रेखाचित्र स. निबंध द. आलोचना

3. 'जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे ' आशय है -

अ. जानबूझकर हँसना ब. स्वामी को रो-रोकर मना लेना

स. भक्तिन कठोर बात को भी हँसकर टाल देती है द. इनमे से कोई नहीं

4. लेखिका ने भक्तिन के अस्तित्व को किस तरह स्वीकारा है -

अ. लेखिका भक्तिन के व्यक्तित्व से स्वयं को घीरा हुआ अनुभव करती है

ब. भक्तिन लेखिका के जीवन का अभिन्न अंग है

स. अ और ब दोनों सही है

द. इनमे से कोई नहीं

5. भक्तिन को नौकर कहना लेखिका ने असंगत क्यों माना है ?

अ. भक्तिन चोरी करती थी ब. भक्तिन अनपढ़ है

स. भक्तिन लेखिका के जीवन का अभिन्न अंग है द. इनमे से कोई नहीं

उत्तरमाला	1. स	2. ब	3. स	4. स	5. स

पठित गद्यांश - 4

जीवन के दूसरे परिच्छेद में भी सुख की अपेक्षा दुःख ही अधिक है |जब उसने गेहुँए रंग और बटिया जैसी मुख वाली कन्या के दो संस्करण और कर डाले तब सास और जिठानियों ने ओंठ बिचकाकर उपेक्षा प्रकट की | उचित भी था,क्योंकि सास तीन-तीन कमाऊ वीरों की विधात्री बनकर मचिया के ऊपर विराजमान पुरखिन के पद पर अभिषिक्त हो चुकी थी और दोनों जिठानियां काक-भुशुंडी जैसे काले लालों की सृष्टि कर के इस पद के लिए उम्मीदवार थीं | छोटी बहू के लीक छोड़कर चलने के कारण उसे दंड मिलना आवश्यक हो गया |

1. कन्या के दो संस्करण और कर डाले' पंक्ति का आशय है -

अ. दो कन्याओं का विवाह करना ब. दो और कन्याओं का जन्म होना

स. कन्यादान करना द. ये सभी

2. भक्तिन की सास के कितने लड़के थे ?

अ. तीन ब. दो स. पाँच द. छह

3. छोटी बहू किस तरह लीक को छोडकर चली ?

अ. पढ़कर ब. लड़की की शादी करके स. लड़कियों को जन्म देकर द. इनमे से कोई नहीं

4. भक्तिन के जीवन के दूसरे परिच्छेद में दुख का मुख्य कारण क्या था ?

अ. कोई संतान न होना ब. भक्तिन के काक भुशुंडी जैसे बच्चों को जन्म देना

स. तीन लड़कियों को जन्म देना द. ये सभी

5. गद्यांश के पाठ और लेखिका का नाम क्या है ?

अ. भक्तिन - कृष्णा सोबती ब. भक्तिन- महादेवी स. भक्तिन –लक्ष्मी द. इनमे से कोई नहीं

उत्तरमाला	1. ब	2. अ	3. स	4. स	5. ब

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए-

I. अपने पति के स्नेह के बल पर भक्तिन ने ससुराल वालों से अलगौझा कर अपना अलग घर बसा लिया |

II. भक्तिन ने अपने केस मुड़ा लिए और सन्यासी बन गई |

(क) दोनों कथन गलत हैं (ख) दोनों कथन सही है

(ग) केवल कथन एक सही है (घ) केवल कथन दो सही है

2. भक्तिन सत्यवादी हरिश्चंद्र क्यों नहीं बन सकी -

(क) वह असत्य नहीं बोलती थी (ख) वह सत्य बोलती थी

(ग) वह ईमानदार नहीं थी (घ) इनमें से कोई नहीं

3. निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए

I. भक्तिन को शहर की हवा नहीं लग पाई बल्कि लेखिका अधिक देहाती हो गई |

II. भक्ति अपने परिवार के खर्चों के लिए मटके में पैसे छिपा देती थी |

(क) केवल अ सत्य है (ख) केवल ब सत्य है

(ग) दोनों सत्य नहीं हैं (घ) दोनों सत्य हैं

4. दिए गए कथनो को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए –

अभिकथन - भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा,क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नही था

कारण - अवसरानुसार थोड़ा झूठ बोलना और इधर उधर पड़े पैसे भंडार घर में रख देना |

(क) अभिकथन और कारण दोनों सही है (ख) अभिकथन सही है पर कारण गलत है

(ग) अभिकथन गलत है पर कारण सही है (घ) अभिकथन और कारण दोनों गलत है

5. भक्तिन पाठ का अध्ययन कर किन सामाजिक समस्याओं का बोध होता है –

(क) अनमेल विवाह (ख) स्त्री के मानवाधिकारों का हनन

(ग) बाल विवाह (घ) उपरोक्त सभी

6. भक्तिन पाठ के आधार पर बताइए पंचायतों का क्या स्वरूप स्पष्ट होता है-

(क) पंचायतें निष्पक्ष न्याय करती हैं (ख) दूध का दूध पानी का पानी कर देती हैं

(ग) गांव पंचायत अच्छी होती हैं | (घ) पंचायतें स्वार्थी, लाचार और अयोग्य होती है

7. भक्तिन के असली नाम का नामकरण किसके द्वारा किया गया होगा –

(क) हॉस्टल की छात्राओं के द्वारा (ख) गाँव की बूढ़ी काकी के द्वारा

(ग) महादेवी वर्मा द्वारा (घ) उसके माता-पिता द्वारा

8.भक्तिन के जीवन के दूसरे परिच्छेद में दुख का मुख्य कारण क्या था ?

(क) कोई संतान न होना (ख) भक्तिन के काक भुशुंडी जैसे बच्चों को जन्म देना

(ग) तीन लड़कियों को जन्म देना (घ) उपरोक्त सभी

9. आलो आँधारि की नायिका बेबी हालदार और भक्तिन में क्या समानता थी-

(क) संघर्षशीलता की (ख) आत्मसम्मान की

(ग) गरीबी का सामना (घ) उपरोक्त सभी

10. भक्तिन के स्वभाव कीविशेषताएँ है –

1. संघर्षशील 2. स्वाभिमानी 3. अभिमानी 4. कर्मठ

कौनसा विकल्प सही है –

(क) 1,2,3 (ख) 1,2,4 (ग) 3,4,1 (घ) 1,2,3

11. सेवक धर्म में भक्तिन किससे स्पर्धा रखती थी-

(क) जेठानी से (ख) बेबी हालदार (ग) महादेवी वर्मा से (घ) हनुमान जी से

12. भक्तिन लेखिका के पैसे कहां छिपा देती थी –

(क) कमरे में (ख) अलमारी में (ग) तकिया में (घ) मटके में

13. भक्तिन का मूल नाम क्या था –

(क) शांति (ख) भूदेवी (ग) लक्ष्मी (घ) पार्वती

14. भक्तिन की शादी कौन सी वय में कर दी गई थी –

(क) 13 वर्ष में (ख) 20 वर्ष में (ग) 9 वर्ष में (घ) 5 वर्ष में

15. अनाम धन्य गोपालिका की कन्या संबोधन किसके लिए प्रयुक्त हुआ है –

(क) धन की देवी के लिए (ख) महादेवी देवी के लिए

(ग) भक्तिन देवी के लिए (घ) लेखिका देवी के लिए

16. सही कथनों को पहचान कर उचित विकल्प का चयन कीजिए -

I. भक्तिन के साथ रहकर महादेवी की जीवन-शैली सरल हो गयी।

II. वे अपनी असुविधाओं को छिपाने लगी।

III. भक्तिन ने उन्हें देहाती भोजन खिलाकर उनका स्वाद बदल दिया।

IV.लेखिका को लगाने लगा कि भक्तिन के सानिध्य वह और अधिक देहाती हो गई।

(क) कथन i ,ii,iii और iv सही है (ख) कथन i ,ii, और iv सही है

(ग) कथन iii और iv सही है (घ) कथन i और iv सही है

17. जीवन के दूसरे अनुच्छेद से क्या आशय है-

(क) वैवाहिक जीवन का (ख) अवैवाहिक जीवन का

(ग) सन्यासी जीवन का (घ) मिश्रित जीवन

18. भक्तिन के पुत्र न होने पर उसकी सास द्वारा उपेक्षा प्रकट करने का उचित कारण क्या था –

(क) क्योंकि वह लड़कियों को पसंद नहीं करती थी |

(ख) क्योंकि वह स्वयं तीन पुत्रों को जन्म दे चुकी थी |

(ग) क्योंकि वह भक्ति से घृणा करती थी |

(घ) क्योंकि वह और अधिक लड़कियां चाहती थी |

19. लीक छोड़कर चलने से क्या अभिप्राय है –

(क) पुरानी परंपरा पर चलना (ख) नए तरीकों को छोड़कर पुरानों पर चलना

(ग) पुराने तरीके से अलग हटकर नए तरीके से चलना (घ) सभी के साथ मिलकर चलना

20. भक्तिन ने अपने जीवन का परम कर्तव्य किसे माना है-

(क) अपना जीवन सुधारना (ख) लेखिका को प्रसन्न रखना

(ग) चोरी करना (घ) लेखिका का विरोध करना

उत्तरमाला:-

1. ख	2. घ	3. क	4. क	5. घ
6. घ	7. घ	8. ग	9. घ	10. ख

11. घ	12. घ	13. ग	14. घ	15 ग
16. क	17. क	18. ग	19. ग	20. ख

2. बाजार दर्शन - लेखक जैनेंद्र कुमार

पाठ का सारांश - बाजार दर्शन पाठ में बाजारवाद और उपभोक्तावाद के साथ-साथ अर्थनीति तथा दर्शन से संबंधित प्रश्नों को समझाने का प्रयास किया गया है | बाजार का जादू तभी असर करता है जब मन खाली हो| बाजार के जादू को रोकने का उपाय यह है कि बाजार जाते समय मन खाली ना हो | मन में लक्ष्य भरा हो | बाजार की असली कृतार्थता है जरूरत के वक्त काम आना | बाजार को वही मनुष्य लाभ दे सकता है जो वास्तव में अपनी आवश्यकता के अनुसार खरीदना चाहता है | लेखक ने पैसे की पावर को बहुत ख़तरनाक बताया है कार का उदाहरण देकर बताया है कि किस प्रकार चमक-दमक वाली कार देखकर व्यक्ति अपने माता –पिता से घृणा करने लगता है | क्या माता – पिता रह गए थे हमें जन्म देने के लिए , मैंने ऐसे घर में जन्म क्यों लिया | जो लोग अपने पैसों के घमंड में अपनी परचेसिंग पावर को दिखाने के लिए चीजें खरीदते हैं, वे बाजार को शैतानी व्यंग शक्ति देते हैं | ऐसे लोग बाजारूपन और कपट बढ़ाते हैं | पैसे वह शक्ति है जो व्यक्ति को अपने सगे लोगों के प्रति भी कृतज्ञन बना सकती है | साधारण जन का हृदय लालसा , ईर्ष्या और तृष्णा से जलने लगता है | दूसरी ओर ऐसा व्यक्ति जिनके मन में लेश मात्र भी लोभ और तृष्णा नहीं है , संचय की इच्छा नहीं है, वह इस व्यंग शक्ति से बचा रहता है | ऐसे आदर्श ग्राहक और बेचक है जिन पर पैसे की व्यंग शक्ति का कोई असर नहीं होता | उदाहरणों के द्वारा लेखक ने यह स्पष्ट किया है कि एक ओर बाजार का लाल चौक आज असंतोषी और खोखले मन वाले व्यक्तियों को लूटने के लिए है वहीं दूसरी ओर संतोषी मन वालों के लिए बाजार की चमक- दमक उसका आकर्षण कोई महत्व नहीं रखता|

पठित गद्यांश -1

यहां मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी पर्चेजिंग पावर के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति – शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं। न तो वह बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वह लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी। इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं। मानो दोनों एक दूसरे को ठगने की घात में हों। एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दीखता है और यह बाज़ार का बल्कि इतिहास का; सत्य माना जाता है ऐसे बाज़ार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं होता; बल्कि शोषण होने लगता है तब कपट सफल होता है, निष्कपट शिकार होता है । ऐसे बाज़ार मानवता के लिए विडम्बना हैं और जो ऐसे बाज़ार का पोषण करता है, जो उसका शास्त्र बना हुआ है; वह अर्थशास्त्र सरासर औंधा है वह मायावी शास्त्र है वह अर्थशास्त्र अनीति-शास्त्र है।

1. बाजार को सार्थकता कौन दे सकता है ?

अ. अधिक सामान खरीदने वाला
ब. बाजार नही जाने वाला
स. जो जानता है कि वह क्या चाहता है
द. इनमे से कोई नही

2. बाजार का बाजारूपन कैसे बढ़ता है ?

अ. सस्ता खरीदने से
ब. जरूरत से अधिक खरीदने से
स. बहुत कम खरीदने से
द. इनमे से कोई नही

3. परचेजिंग पावर से क्या आशय है ?

अ. बेचने की शक्ति
ब. बहुत कम खरीदने की शक्ति
स. पैसों के बल पर अधिक खरीदना और दिखावा
द. ये सभी

4. बाजारूपन से क्या होता है ?

अ. कपट की बढ़ती ,सद्भाव की घटती
ब. सद्भाव की बढ़ती,कपट की घटती
स. कपट और सद्भाव की बढ़ती
द. कपट और सद्भाव की घटती

5. जो नहीं जानते है कि वे क्या चाहते हैं | वे----

अ. बाजार को सार्थकता देते हैं
ब. बाजार से लाभ उठाते हैं
स. बाजारूपन नही बढ़ाते हैं
द. बाजारूपन बढ़ाते हैं

उत्तरमाला	1. स	2. ब	3. स	4. अ	5. द

पठित गद्यांश -2

यहाँ एक अंतर चीन्ह लेना बहुत जरूरी है । मन खाली नहीं रहना चाहिए , इसका मतलब यह नहीं कि वह मन बंद रखना चाहिए । जो बंद हो जाएगा वह शून्य हो जाएगा । शून्य होने का अधिकार बस परमात्मा का है जो सनातन भाव से संपूर्ण है । शेष सब अपूर्ण है । इससे मन बंद नहीं रह सकता । सब इच्छाओं का निरोध कर लोगे, यह झूठ है और अगर 'इच्छा निरोधस्तप : ' का ऐसा ही नकारात्मक अर्थ हो तो वह तप झूठ है । वैसे तप की राह रेगिस्तान को जाती होगी, मोक्ष की राह वह नहीं है । ठाठ देकर मन को बंद कर रखना जड़ता है लोभ का यह जीतना नही है कि जहाँ लोभ होता है, यानी मन में, वहाँ नकार हो । यह तो लोभ की जीत है और आदमी की हार । आँख अपनी फोड़ डाली , तब लोभनीय के दर्शन से बचे तो क्या हुआ ?ऐसे क्या लोभ मिट जाएगा ? और कौन कहता है कि आँख फूटने पर रूप दीखना बंद हो जाएगा |

1. मन बंद रखने से क्या हो जाएगा ?

अ. मनुष्य शून्य हो जाएगा
ब. मनुष्य अपूर्ण हो जाएगा
स. मनुष्य बहुत अधिक खरीदकर लाएगा
द. ये सभी

2. लेखक ने किसे झूठ कहा है ?

अ. मन खाली होने को
ब. लोभ न करने को
स. सब इच्छाओं की प्राप्ति करने को
द. सब इच्छाओं का निरोध करने को

3. परमात्मा और मानव की प्रकृति में क्या अंतर है ?

अ. परमात्मा अपूर्ण है, मानव पूर्ण है
ब. मानव अपूर्ण है , परमात्मा पूर्ण है
स. अ और ब दोनों सही है
द. इनमे से कोई भी नही

4. ठाठ देकर मन को बंद करने को लेखक ने माना क्या है ?

अ. विद्वता ब. जड़ता स. स्थिरता द. ये सभी

5. मन में नकार होने का परिणाम है ---

अ. लोभ की जीत ब. लोभ की हार स. आदमी की जीत द. लोभ की जीत और आदमी की हार

उत्तरमाला	1. अ	2. द	3. ब	4. ब	5. द

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. बाजार दर्शन ' पाठ लेखक का नाम बताइए –

क. धर्मवीर भारती ख. जैनेन्द्र कुमार ग. महादेवी वर्मा घ. महावीर प्रसाद द्विवेदी

2. बाजार की चमक दमक में फंसे व्यक्ति में कौनसे भाव उसे बेकार कर देते है ?

क. असंतोष ,तृष्णा और ईर्ष्या के ख. घृणा , क्रोध और हिंसा के

ग. जलन,ग्लानि और लालसा के घ. ये सभी

4. भगत जी के स्वभाव की विशेषताए है –

1. समर्पण भी भावना 2. संतोषी स्वभाव 3. मन की रिक्तता 4. सर्व कल्याण की कामना

क . 1,2,4 ख . 2,3,4 ग . 3,4,1 घ .1,2,3,

5. लेखक किसे व्यक्ति की दुर्बलता का प्रमाण मानता है ?

क. संचय की प्रवृति ख. तृष्णा ग. वैभव की चाह घ. उपर्युक्त सभी

6. भगत जी किस प्रकार अपना चूर्ण बेचते थे –

क. पेशगी आर्डर लेकर ख. थोक व्यापारियों को

ग. बहुत महंगा घ. कम कीमत में

7. हम स्वयं को बाजार की जादुई ताकत का गुलाम बनने से कैसे रोक सकते है -

क. आवश्यकताओं को समझ कर ख. आंखे बंद करके

ग. बाजार नहीं जाकर घ. मन पसंद चीजों को खरीदकर

8. भगत जी कितने शिक्षित थे –

क. इंटरमीडिएट ख. हाई स्कूल ग. बी. ए. घ. अशिक्षित

9. 'बाजार का जादू कब सबसे अधिक होता है ?

क. जब जेब भरी मन खाली हो ख. जब जेब खाली पर मन भरा हो

ग. जब मन भरा हो घ. जब जेब खाली हो

10. भगत जी छः आने का चूर्ण बेचने के पश्चात बचा हुआ चूर्ण किसे बांट देते थे –

क. भिखारियों को ख. दुकानदारों को ग. गरीबों को घ. बच्चों को

11. बाजार दर्शन पाठ किस प्रकार का पाठ है-

क. मनोवैज्ञानिक ख. सामाजिक ग. दार्शनिक घ. राजनीतिक

12. इच्छा और अभाव मनुष्य को कैसा बना देते हैं –

क. बुद्धिमान ख. संतोषी ग. विकल घ. उपरोक्त सभी

13. बाजार की असली कृतार्थता किस में है –

क. आवश्यकता के समय काम आना ख. आवश्यकता के समय काम न आना

ग. दोनों स्थितियों का होना घ. कोई भी स्थिति नहीं

14. बाजार जाते समय मन कैसा होना चाहिए –

क. खाली ख. भरा ग. शांत घ. अशांत

15. लेखक के मित्र ने बाजार के जाल को कैसा बताया है –

क. मकड़ी का जाल ख. शैतान का जाल ग. बहेलिया का जाल घ. शिकारी का जाल

16. बाजार का आमंत्रण कैसा होता है –

क. मूक ख. अमूक ग. परिवर्तित घ. इनमें से कोई नहीं

17. मन को जबरदस्ती बंद करना क्या होता है –

क. राजयोग ख. धर्म योग ग. हठयोग घ. यह सभी

18. शून्य होने का अधिकार किसे है –

क. परमात्मा को ख. मनुष्य को ग. शैतान घ. सभी को

19. बाज़ार आनंद कब देता है –

क. जब मन खाली हो ख. जब मन में कोई लक्ष्य हो

ग. जब दुखी हो घ. इनमें से कोई नहीं

20. बाजार का जादू चढ़ने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है?

1. बाजार में आकर्षक वस्तुएँ देखकर मनुष्य उनके जादू में बँध जाता है।

2. वह उन वस्तुओं को जरूरत न होने पर भी खरीदने के लिए विवश होता है।

3. उसे उन वस्तुओं की कमी खलने लगती है।

4. उसका मन वस्तुओ से ऊब जाता है ।

सही विकल्प है -

क. 1,2,4 ख. 2,3,4 ग. 3,4,1 घ. 1,2,3,

21. असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या से मनुष्य की कैसी स्थिति हो जाती है –

क. कोई अंतर नहीं होता ख. मनुष्य परेशान हो जाता

ग. आलस करने लगता घ. इनमें से कोइ नहीं

उत्तरमाला:-

1.ख	2.क	3.ग	4.क	5.घ	6.घ	7.क
8.घ	9.क	10.घ	11.क	12.ग	13.क	14.ख
15.घ	16.ख	17.क	18.क	19.ख	20.घ	21.ग

3. काले मेघा पानी दे - धर्मवीर भारती

'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में लोक-प्रचलित विश्वास और विज्ञान के द्वंद्व का चित्रण किया गया है। विज्ञान का अपना तर्क है और विश्वास का अपना सामर्थ्य। इनकी सार्थकता के विषय में शिक्षित वर्ग असमंजस में है। लेखक ने इसी दुविधा को लेकर पानी के संदर्भ में प्रसंग रचा है। आषाढ़ का पहला पखवाड़ा बीत चुका है। ऐसे में खेती व अन्य कार्यों के लिए पानी न हो तो जीवन चुनौतियों का घर बन जाता है। यदि विज्ञान इन चुनौतियों का निराकरण नहीं कर पाता तो उत्सवधर्मी भारतीय समाज किसी-न-किसी जुगाड़ में लग जाता है, प्रपंच रचता है और हर कीमत पर जीवित रहने के लिए अशिक्षा तथा बेबसी के भीतर से उपाय और काट की खोज करता है।

आषाढ़ का पहला पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी जब खेती और अन्य कार्यों के लिए पानी नहीं हो तो जीवन संघर्ष पूर्ण चुनौतियों का घर बन जाता है और जब उन समस्याओं का समाधान यदि विज्ञान भी ना कर पाए तो उत्साहित भारतीय आस्थावान समाज चुपचाप (शांत) नहीं बैठता। वह किसी न किसी विकल्प (समाधान) की खोज में लग जाता है,योजना बनाता है और हर मूल्य (कीमत) पर जीवित रहने के लिए अशिक्षा और मजबूरी के बीच से समाधान (उपाय) और काट खोजने का प्रयास करता है। लेखक ने इस संस्मरण में स्पष्ट किया है कि अनावृष्टि (सूखा) दूर करने के लिए गाँव के बच्चों की टोली (इंद्रसेना) जब घर-घर पानी मांगती फिरती है, तो लेखक का तर्कवादी किशोर मन इंद्रसेना पर इस तरह पानी डाले जाने को जल की निर्मम बर्बादी के रूप में देखता है। इसके पीछे लेखक द्वारा विज्ञान विषय पढ़े जाने एवं विज्ञान की उपलब्धियों का ही प्रभाव कहा जा सकता है ।

लेखक समाज में वैज्ञानिक सोच के अभाव को भी चिन्ता का विषय समझते हुए अफसोस प्रकट करते हैं, लेकिन जनता के चित्त में स्थायी जगह बना चुके विश्वास और संस्कृति की प्रतिच्छाया के रूप में प्रचलित लौकिक कर्मकांडो का क्या किया जाए यह दुविधा का विषय है।

लेकिन विश्वास यदि जानलेवा खतरनाक या नस्ल जाति (भेदभाव पूर्ण) मजहब (धर्म) और लिंग के आधार पर किसी समुदाय के लिए अपमानजनक हो तब तो उन्हें हानिकारक अंधविश्वास समझ कर जल्द से जल्द त्याग देना ही एकमात्र उपाय है, पर यदि कुछ विश्वास यदि विज्ञान सम्मत न होने के बावजूद भी उक्त प्रकार से हानिकारक न हो तो उन्हें त्यागने (छोड़ने) का तो कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि ऐसे बर्ताव से हमारे सांस्कृतिक जीवन की रोचकता समाप्त हो जाने का खतरा बना रहता है और विश्वास की भी अपनी रचनात्मक भूमिका हो सकती है। संकटकाल में निराशा दूर करने या अधीरता को रोकने अथवा विभक्त जन चेतना को जोड़ने के लिए विश्वास की अति आवश्यकता होती है। इन सब वैचारिक द्वंद्व के उपरांत बरसात के लिए किए जाने वाले इन भोले सरल प्रयासों को किस श्रेणी में रखा जाए, यह बहुत बड़ी दुविधा है। इस पाठ में लेखक जीजी की संतुष्टि और उनके लेखक के प्रति अपनेपन के वशीभूत हो इन सभी रीति-रिवाजों एवं मान्यताओं को ऊपरी तौर पर ही सही पर अपनाने को विवश थे। इससे क्या समझा जाए कि विज्ञान का सत्य बड़ा है या देश प्रेम का रस या दोनों।

पठित गद्यांश - 1

ढोर– ढंगर प्यास के मारे मरने लगते लेकिन बारिश का कहीं नाम निशान नहीं ,ऐसे में पूजा पाठ कथा-विधान सब करके लोग जब हार जाते तब अंतिम उपाय के रूप में निकलती यह इंदर सेना | वर्षा के बादलों के स्वामी हैं इंद्र और इंद्र की सेना टोली बाँधकर कीचड़ में लथपथ निकलती, पुकारते हुए मेघों को, पानी माँगते हुए प्यासे गलों और सूखे खेतों के लिए । पानी की आशा पर जैसे सारा जीवन आकर टिक गया हो । बस एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारों ओर पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी भर-भर कर इन पर क्यों फेंकते हैं । कैसी निर्मम बरबादी है पानी की !देश की कितनी क्षति होती है इस तरह के अंधविश्वासों से । कौन कहता है इन्हें इंद्र की सेना । अगर इंद्र महाराज से ये पानी दिलवा सकते हैं तो खुद अपने लिए पानी क्यों नहीं माँग लेते ? क्यों मुहल्ले भर का पानी नष्ट करवाते घूमते हैं, नहीं यह सब पाखंड है । अंधविश्वास है । ऐसे ही अंधविश्वासों के कारण हम अंग्रेजों से पिछड़ गए और गुलाम बन गए ।

1. लेखक का मानना है कि -

अ. अंधविश्वास से देश को फायदा है　　ब. अंधविश्वासों से इंद्र देवता पानी देते है

स. इंद्र सेना पर पानी डालने से वर्षा होती है

द. अंधविश्वासों से हम अंग्रेजों से पिछड़ गए और गुलाम बन गए

2. लेखक इंद्र सेना पर पानी फैंकने को क्या मानता है ?

अ. पानी का सदुपयोग　　ब. पानी की निर्मम बर्बादी

स. इंद्र देव को पानी चढ़ाना　　द. इनमे से कोई नहीं

3. लेखक इंद्र सेना को किस नाम से बोलता है ?

अ. पाखंडी सेना　　ब. मेंढ़क मंडली　　स. इंदर मंडली　　द. ये सभी

4. गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम क्या है ?

अ. कालेमेघा पानी दे – फणीश्वर नाथ रेणू　　ब. पहलवान की ढोलक – फणीश्वर नाथ रेणू

स. पहलवान की ढोलक – धर्मवीर भारती　　द. कालेमेघा पानी दे – धर्मवीर भारती

5. इंदर से पानी मांगने हेतु ग्रामीण क्या उपाय करते है ?

अ. पूजा पाठ　　ब. कथा विधान　　स. इंद्र सेना पर पानी फेकना　　द. ये सभी

उत्तर	1. द	2. ब	3. ब	4. द	5.द

पठित गद्यांश - 2

इन बातों को आज पचास से ज्यादा बरस होने को आए पर ज्यों की त्यों मन पर दर्ज हैं। कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं? मांगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जांचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं ? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?

1. आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ? में किस स्थिति की बात कही है ?

अ. आजादी मिलने की ब. बारिश होने की स. अंधविश्वास और पाखंड द. भ्रष्टाचार मिटने की

2. आज किस भावना का नामों निशान नहीं है ?

अ. भ्रष्टाचार करने का ब. स्वार्थ का स. त्याग का द. ये सभी

3. लेखक के अनुसार आज लोगों का एकमात्र लक्ष्य क्या रह गया है ?

अ. परोपकार ब. स्वार्थ स. त्याग द. इनमे से कोई नहीं

4. काले मेघा दल के दल उमड़ते है पानी झमाझम बरसता है का प्रतीकार्थ क्या है ?

अ. खूब बरसा होने लगी है ब. कोई प्यासा नहीं रहता है

स. योजना बनती है और सबको लाभ मिलता है

द. योजना बनती है ,क्रियान्वयन होता है पर वास्तविक लोगों को लाभ नहीं मिलता |

5. लेखक के अनुसार हमने क्या नहीं जांचा ?

अ. हम भ्रष्टाचार पर चटकारे लेते है ब. भ्रष्टाचार भारत में नहीं है

स. कही हम भी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन गए द. इनमे से कोई नहीं

उत्तर	1. द	2. स	3. ब	4. द	5. स

बहुविकल्पात्मक प्रश्न -

1. काले मेघा पानी दे - साहित्य की किस विधा में लिखा गया है ?

I. निबंध II. कहानी III. संस्मरण IV. रिपोर्ताज

2. इंदर सेना द्वारा जल का दान माँगने को लेखक क्या कहता है ?

I. लोक परंपरा II. लोक विश्वास III. अंधविश्वास IV. धार्मिक विश्वास

3. जेठ महीने का सबसे गर्म समय किस नाम से पुकारा जाता है ?

I. प्रचंडतपा II. दसतपा III. अग्नतपा IV. लूतपा

4. किशोर अपने-आप को इंदर सेना क्यों कहते हैं ?

I. वर्षा के लिए इंद्र को प्रसन्न करने के लिए II. इंद्र देवता से प्यार करने के लिए

III. लोगों से जल माँगने के लिए IV. इंद्र के समान आचरण करने के लिए

5. लोगों की परेशानी का क्या कारण था ?

I. फसल न उगना II. पैसों की किल्लत III. बारिश का न आना IV. नौकरी का अभाव

6. मेंढक-मंडलीपानी डालते समय जीजी की क्या हालत थी ?

I. फसल न उगना खुश थीं II. बुखार था

III. हाथ काँप रहे थे IV. गले में दर्द था

7. लेखक के अनुसार विश्वास की भी रचनात्मक भूमिका कैसे हो सकती है -

I. आपातकाल में निराशा दूर करने में II. अधीरता को थामने में

III. विभक्त जन चेतना को जोड़ने में IV. उपर्युक्त सभी में

8.लेखक द्वारा 'इंदर सेना' पर पानी डालने का विरोध करने का कारण था-

I. बचपन के आर्यसमाजी संस्कारों के कारण II. 'कुमार सुधार सभा' का उपमंत्री होने के कारण

III. अंधविश्वासों का विरोधी होने के कारण IV. उपर्युक्त सभी के कारण

9. 'काले मेघा पानी दे' में किसके द्वंद्व का सुंदर चित्रण किया गया है ?

I. विज्ञान और मनोवृत्ति II. लेखा-जोखा और विश्वास

III. प्रचलित विश्वास और विज्ञान IV. समाजशास्त्र और मनोविज्ञान

10. जीजी लेखक के हाथों पूजा-अनुष्ठान क्यों कराती थी ?

I. अपने कल्याण के लिए II. परिवार के कल्याण के लिए

III. समाज-कल्याण के लिए IV. लेखक के कल्याण के लिए

11. किन लोगों ने त्याग और दान की महिमा का गुणगान किया है ?

I. देवताओं ने II. ऋषि-मुनियों ने III. शिक्षकों ने IV. राजनीतिज्ञों ने

12. किस वस्तु का दान महत्त्वपूर्ण है ?

I. जो वस्तु तुम्हारे पास बहुत अधिक है II. जो वस्तु तुम्हारे पास नहीं है

III. जो वस्तु तुम्हारे पास बहुत कम है IV. जो वस्तु तुमने किसी से उधार ली है

13. 'यथा प्रजा तथा राजा' का आशय है –

I. जनता के आचरण का प्रभाव राजा पर पड़ता है II. राजा के आचरण का प्रभाव प्रजा पर पड़ता है|

III. राजा और प्रजा एक दूसरे को प्रभावित करते है IV. राजा और प्रजा में कोई समानता नहीं है

14. जीजी ने किस महान राजनेता का उदाहरण देकर लेखक को समझाया ?

I. जवाहरलाल नेहरु II. सरदार वल्लभ भाई पटेल III. ज्योति बासु IV. महात्मा गाँधी

15. जीजी ने इंदर सेना पर डाले हुए पानी को क्या कहा ?

I. बादल को अर्घ्य II. किसान को अर्घ्य III. इंद्र देवता को अर्घ्य IV. सूर्य देवता को अर्घ्य

16. 'किला पस्त' का अर्थ है-

I. प्रसन्न होना II. किला जीतना III. हार जाना IV. धन मिलना

17. हर क्षेत्र में माँगें बड़ी-बड़ी हैं, पर किस चीज़ का कहीं नाम-निशान नहीं है ?

I. समय II. सत्य III. त्याग IV. अहमियत

18. दिए गए कथनो को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए -

अभिकथन - दीदी सभी पूजा पाठ ,हवन ,अनुष्ठान आदि लेखक के हाथों से ही कराती थी |

कारण - ताकि लेखक की पूजा- पाठ और धार्मिक कार्यों में रुचि होने लगे |

I. अभिकथन और कारण दोनों सही है II. अभिकथन सही है पर कारण गलत है

III. अभिकथन गलत है पर कारण सही है IV. अभिकथन और कारण दोनों गलत है

19. गगरी फूटी बैल पियासा' का प्रतीकार्थ देश के संदर्भ में क्या है ?

I. सूखे की ओर बढ़ते समाज का सजीव एवं मार्मिक चित्रण II. देश की वर्तमान हालत का चित्रण

III. भ्रष्टाचार के कारण आम आदमी की स्थिति में कोई सुधार न होना IV. उपरोक्त सभी

20. इन्द्र देवता को प्रसन्न करने के लिए अंतिम उपाय क्या किया जाता था ?

I. हवन करना II. पैदल-यात्रा III. इन्दर सेना का आना IV. उपरोक्त में से कोई नहीं

21. आजादी के पचास वर्षों के बाद भी लेखक क्यों दुखी है, उसके मन में कौन से प्रश्न उठ रहे हैं ?

I. राष्ट्र निर्माण में हम पीछे क्यों हैं, हम देश के लिए क्या कर रहे हैं?

II. हम स्वार्थ और भ्रष्टाचार मे लिप्त रहते हैं, त्याग में विश्वास क्यों नहीं करते?

III. सरकार द्वारा चलाई जा रही सुधारवादी योजनाएँ गरीबों तक क्यों नहीं पहुँचती है?

IV. उपरोक्त सभी

22. मेंढक-मंडली से आपका क्या तात्पर्य है ?

I. होनहार बच्चे II. शोर-शराबा करते बच्चे III. सीधे-साधे बच्चे IV. फिसड्डी बच्चे

23.पाठ की अंतिम पंक्तियों में काले मेघा किसके प्रतीक है ?

I. लोक कल्याण के लिये सरकारों द्वारा किये जाने वाले कार्यों के प्रतीक

II. पानी बरसाने वाले बादलों के प्रतीक

III. दान दाताओं के प्रतीक

IV. उपरोक्त में से कुछ भी नहीं

24. जीजी की कौन सी बात लेखक के मन पर ज्यों की त्यों दर्ज है ?

I. पहले खुद ही देना पड़ता है, तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाते हैं।

II. इंदर सेना पर पानी डालने से बरसात नहीं होती है |

III. माँगे हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी नहीं है और त्याग का नाम निशान है |

IV. उपरोक्त सभी

25. खेती और किसान का उदाहरण देकर दीदी क्या समझाना चाहती है ?

I. खेती और किसानी का महत्व बताया गया है

II. खेत में किसान मेंहनत करता है तब फसल मिलती है

III. किसान के त्याग की भावना की प्रशंसा की गई है

IV. कुछ पाने की चाह रखने के लिए पहले कुछ खोना/त्याग करना पड़ता है

26. लोगों ने लड़कों की टोली को मेढक-मंडली नाम क्यों दिया ?

I. नंग-धडंग शरीर के साथ कीचड़-कांदों में लोटने के कारण II. अनावृष्टि में जल माँगने के कारण

III. शोर-शराबे द्वारा गाँव की शांति भंग करने के कारण IV. चारों ओर पानी की अधिकता के कारण

27. लेखक मेंढक मंडली पर पानी डालना क्यों व्यर्थ मानते थे ?

I. पीने के लिए बड़ी कठिनाई से बाल्टी भर पानी इकट्ठा किया हुआ होने के कारण

II. पानी को यूँ फेकना अंधविश्वास होने के कारण

III. चारों ओर पानी की अधिकता के कारण IV. I एवं II सही है

28. आज के लोगों का लक्ष्य है –

I. देश सेवा II. त्याग भावना III. स्वार्थ सिद्धि IV. आत्म बलिदान

29. काले मेघा दल के दल उमडते है पर गगरी फूटी रह जाती है-आशय स्पष्ट कीजिए ।

I. देश के लिए त्याग व समर्पण का भाव है ।

II. पानी का सदुपयोग और संरक्षण कर पाने के कारण ।

III. अरबों रुपयों की योजनाएँ बनती हैं , परंतु भ्रष्टाचार के कारण वह आम आदमी तक नहीं पहुँचता ।

IV. उपरोक्त में से कोई नहीं ।

30. लेखक अनुसार हमें किस तरह के अंधविश्वास का शीघ्र ही निराकरण कर लेना चाहिए –

I. जो प्रत्यक्षत: जान लेवा हो II. जो नस्ल- जाति के आधार भेदभाव करें

III. जो मजहब और लिंग के आधार पर अपमानजनक हो IV. उपर्युक्त सभी का

उत्तरमाला -

1. III	2. III	3. II	4. I	5. III	6. III	7. IV	8. IV
9. III	10. IV	11. II	12. III	13. I	14. IV	15. III	16. III
17. III	18. II	19. IV	20. III	21. IV	22. I	23. I	24. I
25. IV	26. I	27. IV	28. III	29. III	30. IV		

वितान भाग - 2

1. 'सिल्वर वैडिंग' - मनोहर श्याम जोशी

पाठ का सार- 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की रचना मनोहर श्याम जोशी ने की है। इस पाठ के माध्यम से पीढ़ी के अंतराल का मार्मिक चित्रण किया गया है। आधुनिकता के दौर में, यशोधर बाबू परंपरागत मूल्यों को हर हाल में जीवित रखना चाहते हैं। उनका उसूल पसंद होना दफ्तर एवं घर के लोगों के लिए सरदर्द बन गया था। यशोधर बाबू को दिल्ली में अपने पाँव जमाने में किशनदा ने मदद की थी, अतः वे उनके आदर्श बन गए।

दफ्तर में विवाह की पच्चीसवीं सालगिरह के दिन दफ्तर के कर्मचारी, मेनन और चड्ढा उनसे जलपान के लिए पैसे माँगते हैं। जो वे बड़े अनमने ढंग से देते हैं क्योंकि उन्हें फिजूलखर्ची पसंद नहीं। यशोधर बाबू के तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा भूषण, विज्ञापन कम्पनी में काम करता है। दूसरा बेटा आई. ए. एस. की तैयारी कर रहा है और तीसरा छात्रवृति के साथ अमेरिका जा चुका है। बेटी भी डॉक्टरी की पढ़ाई के लिए अमेरिका जाना चाहती है। वह विवाह हेतु किसी भी वर को पसंद नहीं करती। यशोधर बाबू बच्चों की तरक्की से खुश हैं,किंतु परंपरागत संस्कारों के कारण वे दुविधा में हैं। उनकी पत्नी ने स्वयं को बच्चों की सोच के साथ ढाल लिया है। आधुनिक न होते हुए भी, बच्चों के ज़ोर देने पर वे अधिक मार्डन बन गई है।

बच्चे घर पर सिल्वर वैडिंग की पार्टी रखते हैं, जो यशोधर बाबू के उसूलों के खिलाफ था। उनका बेटा उन्हें ड्रेसिंग गाउन भेंट करता है तथा सुबह दूध लेने जाते समय उसे ही पहन कर जाने को कहता है, जो उन्हें अच्छा नहीं लगता। बेटे का ज़रूरत से ज़्यादा तनख्वाह पाना, तनख्वाह की रकम स्वयं खर्च करना, उनसे किसी भी बात पर सलाह न माँगना और दूध लाने का जिम्मा स्वयं न लेकर उन्हें ड्रेसिंग गाउन पहनकर दूध लेने जाने की बात कहना जैसी बातें, यशोधर बाबू को बुरी लगती है। जीवन के इस मोड़ पर वे स्वयं को अपने उसूलों के साथ अकेले पाते हैं।

मुख्य पात्र एवं उनका परिचय

यशोधर पंत (वाई.डी. पंत) -: कहानी के मुख्य पात्र। सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत। यशोधर बाबू परंपरागत मूल्यों का अनुकरण करने वाले है। अपने बच्चों की प्रगति से खुश होते है लेकिन बच्चों का रिश्तेदारों के प्रति उदासीन रवैया उन्हें कष्ट देता है। पारंपरिक मूल्यों से जकड़े होने एवं आधुनिकता को जल्दी स्वीकार न करने के कारण हमेशा अपने आप को अनिर्णय की स्थिति में पाते हैं।

यशोधर पंत की पत्नी -: बच्चों की खुशी के अपने आप को समय के अनुसार बदलने में सक्षम होती है। अधिक फैशन में रहने के कारण यशोधर बाबू उन्हें 'शानयल बुढ़िया' 'बूढी मुँह मुहासे , लोग करे तमाशे' कहकर उनका मजाक उड़ाते हैं।

कृष्णानंद पाण्डे (किशनदा) -: दिल्ली में सरकारी नौकरी करते हैं। यशोधर पंत की तरह पहाड़ से आने वाले लोगों की मदद करने के साथ –साथ समाज सेवा में व्यस्त रहते हैं। जीवन भर अविवाहित रहे।अंतिम दिनों में अज्ञात कारणों से मृत्यु हुई जो कहानी के बीज वाक्य ' जो हुआ होगा ' को चरितार्थ करती है।

चड्ढा -: यशोधर बाबू के ऑफिस में असिस्टेंट ग्रेड पर कार्यरत।

मेनन-: यशोधर बाबू के ऑफिस का कर्मचारी जो यशोधर बाबू को सबसे पहले सिल्वर वैडिंग की बधाई देता है।

भगवानदास -: यशोधर बाबू के ऑफिस में कार्यरत एक चपरासी।

भूषण -: यशोधर बाबू का सबसे बड़ा बेटा जो एक विज्ञापन कंपनी में कार्यरत है।

गिरीश -: यशोधर बाबू की पत्नी का चचेरा भाई।

चन्द्रदत्त तिवारी-: यशोधर बाबू का भांजा। **जनार्दन जोशी -:** यशोधर बाबूके जीजा , जो अहमदाबाद में रहते हैं।

बहुविकल्पात्मक प्रश्न -

1. 'सिल्वर वैडिंग' के लेखक कौन है ?

(क) आनंद यादव (ख) मनोहर श्याम जोशी (ग) ओम थानवी (घ) ऍन फ्रैंक

2. यशोधर बाबू ने किस स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा पास की थी ?

(क) सरस्वती विद्यालय (ख) रेम्जे स्कूल,अल्मोड़ा (ग) शिष्यगण विद्यालय (घ) अन्य

3. यशोधर पंत जब दिल्ली आए थे तब उन्हें नौकरी किसने दिलवाई ?

(क) किशनदा ने (ख) शर्मा ने (ग) किसी ने नहीं (घ) अन्य

4. यशोधर बाबू का विवाह कब हुआ था ?

(क) 6 फरवरी, 1947 (ख) 6 फरवरी, 1946 (ग) 5 फरवरी, 1947 (घ) 6 फरवरी, 1945

5. किशन दा का पूरा नाम क्या था ?

(क) कृष्ण पांडे (ख) कृष्णानंद पांडे (ग) किशन पांडे (घ) उक्त में से कोई भी नहीं

6. यशोधर बाबू की बेटी क्या करना चाहती थी ?

(क) अमेरिका जाकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई (ख) अमेरिका जाकर डॉक्टरी की पढ़ाई

(ग) इंग्लैंड जाकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई (घ) इंग्लैंड जाकर डॉक्टरी की पढ़ाई

7. यशोधर बाबू के विवाह के पश्चात् उनके क्वार्टर में उनके साथ और कौन रहता था ?

(क) यशोधर बाबू के ताऊ जी (ख) यशोधर बाबू के पिताजी

(ग) यशोधर बाबू के चाचा जी (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

8. यशोधर बाबू का व्यक्तित्व किससे प्रभावित था ?

(क) किशनदा से (ख) अपने ताऊ जी से (ग) अपने पिताजी से (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

9. यशोधर बाबू की पत्नी उनसे नाराज क्यों रहती थी ?

(क) विवाह के पश्चात् संयुक्त परिवार में रहने के कारण (ख) विवाह के पश्चात् बंदिशों के कारण

(ग) नवविवाहिता पर पुराने नियम लागू होने के कारण (घ) उपरोक्त सभी

10. आप 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मूल संवेदना किसे कहेंगे ?

(क) हाशिए पर धकेले जाते मानवीय मूल्य (ख) पीढ़ी का अंतराल

(ग) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

11. यशोधर बाबू स्वयं को डेमोक्रेटिक कैसे समझते हैं ?

(क) वह अपने नियम परिवार में लागू नहीं करते। (ख) सभी को पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की है।

(ग) बेटा बेटी सभी को समान मानते हैं (घ) उपरोक्त सभी

12. कहानी में "जो हुआ होगा" इस जुमले में कौनसा भाव निहित है ?

(क) यथास्थितिवाद यानि ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव (ख) अनिर्णय की स्थिति

(ग) द्वंद्व का भाव (घ) उपरोक्त सभी

13. कहानी में "समहाउ इम्प्रापर" इस जुमले में कौनसा भाव निहित है ?

(क) यथास्थितिवाद यानी ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव (ख) अनिर्णय की स्थिति

(ग) द्वंद्व का भाव (घ) उपरोक्त सभी

14. कहानी में "जो हुआ होगा" और "समहाउ इम्प्रापर" ये दो जुमले , जो कहानी के बीजवाक्य हैं , कहानी के किस पात्र में बदलाव को असंभव बना देते हैं ?

(क) यशोधर (ख) किशनदा (ग) यशोधर की पत्नी (घ) उपरोक्त सभी

15. यशोधर बाबू बच्चों की तरक्की से खुश होते हुए "समहाउ इम्प्रापर" क्या अनुभव करते हैं ?

(क) वह खुशहाली भी कैसी जो अपनों में परायापन पैदा करे |

(ख) अपने बच्चों द्वारा गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा उन्हें नहीं जँचती |

(ग) साधारण पुत्र को असाधारण वेतन देने वाली नौकरी समझ नहीं आती |

(घ) उपरोक्त सभी |

16. यशोधर बाबू की पत्नी मूल संस्कारों से आधुनिक न होते हुए भी आधुनिकता में कैसे ढल गई ?

(क) बच्चों की तरफदारी करने की मातृसुलभ मजबूरी के कारण (ख) वक़्त को देखते हुए

(ग) मन की इच्छा से (घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

17. यशोधर बाबू अपने बीमार बहनोई को देखने कहाँ जाना चाहते थे ?

(क) राजस्थान (ख) इलाहाबाद (ग) अहमदाबाद (घ) पटना

18. यशोधर को जीवन जीने की कला किसने सिखाई ?

(क) किशन दा (ख) श्री टी एन शर्मा (ग) भूषण (घ) वाई. डी. पन्त

19. किशन दा की किस परंपरा को यशोधर ने जीवंत रखा ?

(क) घर में होली गवाना (ख) जन्मदिन मनाना

(ग) शादी की वर्षगाँठ बनाना (घ) भोज का आयोजन करना

20. किशन दा के मानस पुत्र कौन हैं ?

(क) जनार्दन जोशी (ख) भगवान दास (ग) यशोधर पंत (घ) वाई डी पंत

21. 'जनार्दन' शब्द सुनकर यशोधर पंत को किसकी याद आई ?

(क) किशनदा की (ख) भूषण की (ग) अपने बहनोई जनार्दन जोशी की (घ) चड्ढा की

22. दिल्ली में यशोधर पंत को किसने आश्रय दिया ?

(क) किशन दा (ख) जनार्दन जोशी (ग) वाई. डी. पंत (घ) चड्ढा

23. यशोधर बाबू बार-बार कहा करते थे -

(क) ओके (ख) गुड बाय (ग) समहाउ इमप्रॉपर (घ) यू कैन गो

24. यशोधर बाबू अपनी पत्नी को क्या कहकर उनका मज़ाक उड़ाते थे ?

(क) शानयल बुढ़िया (ख) चटाई का लँहगा (ग) बूढ़ी मुँह मुँहासे,लोग करें तमासे (घ) सभी

25. यशोधर बाबू के मन में किशनदा की क्या छवि थी ?

(क) घर के विभिन्न रूपों में (ख) दफ़्तर में विभिन्न रूपों में

(ग) सुबह की सैर को निकले किशनदा की (घ) इनमें से कोई भी नहीं

26. किशनदा की परंपराओं को जीवित रखने की कोशिश में यशोधर बाबू ने किसको नाराज़ किया |

(क) किशनदा को (ख) अपनी पत्नी को (ग) अपने बच्चों को (घ) *(ख)* और *(ग)* दोनों

27. यशोधर बाबू की पत्नी और बच्चों को उनके घर में किए जाने वाले आयोजनों पर कौन-सी चीज़ें सख्त नापसंद थी ?

(क) वक्त की बर्बादी (ख) खर्च और होने वाला शोर

(ग) विभिन्न लोगो का घर में आना (घ) . इनमें से कोई नहीं

28. मकान के विषय में किशन दा की कौनसी उक्ति यशोधर बाबू को जँचती थी ?

(क) अपना मकान होना ही चाहिए (ख) मूरख लोग मकान बनाते हैं,सयाने उनमें रहते हैं

(ग) सरकारी क्वार्टर सरकारी ही होता है (घ) इनमें से कोई नहीं

29. कहानी में किशन दा की मृत्यु के संदर्भ में 'जो हुआ होगा' से कहानीकार का क्या तात्पर्य रहा है ?

(क) लेखक मृत्यु से बहुत दुखी है (ख) लेखक को मृत्यु का कारण पता है

(ग) लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है (घ) लेखक को मृत्यु से कोई अंतर नहीं पड़ता है।

30. किशन दा के रिटायर होने पर यशोधर बाबू उनकी सहायता क्यों नहीं कर पाए थे ?

(क) यशोधर बाबू की पत्नी किशन दा से नाराज थी।

(ख) यशोधर बाबू के घर में किशन दा के लिए स्थान का अभाव था।

(ग) यशोधर बाबू का अपना परिवार था जिसे वे नाराज नहीं करना चाहते थे।

(घ) किशन दा को यशोधर बाबू ने अपने घर में स्थान देना चाहा था जिसे किशन दा ने स्वीकार नहीं किया।

उत्तरमाला -

1. ख	2. ख	3. क	4. क	5. ख	6. ख
7. क	8. क	9. घ	10. ख	11. घ	12. क
13. घ	14. क	15. घ	16. क	17. ग	18. क
19. क	20. ग	21. ग	22. क	23.ग	24. घ
25. ग	26. घ	27. ग	28. ख	29. ग	30.घ

1. जूझ – आनंद यादव

पाठ का सारांश - प्रस्तुत पाठ लेखक आनंद यादव के बहुचर्चित आत्मकथात्मक उपन्यास 'जूझ' से लिया गया है। इस अंश में हर स्थिति में पढ़ने की लालसा लिए धीरे - धीरे साहित्य, संगीत और अन्य विषयों की ओर बढ़ते किशोर के कदमों की आकुल आहट सुनी जा सकती है।

लेखक आनंद यादव के पिता ने उसे पाठशाला जाने से रोक दिया तथा खेती के काम में लगा दिया। उसका मन पाठशाला जाने के लिए तड़पता था, परंतु वह पिता से कुछ कहने की हिम्मत नहीं रखता था। उसे पिटाई का डर था। उसे विश्वास था कि खेती से कुछ नहीं मिलने वाला,क्योंकि क्रमश: इससे मिलनेवाला लाभ घट रहा है। पढ़ने के बाद नौकरी लगने पर उसके पास कुछ पैसे आ जाएँगे। दीवाली के बाद ईख पेरने के लिए कोल्हू चलाया जाता था क्योंकि उसके पिता को सबसे पहले गुड़ बेचना होता था ताकि अधिक कीमत मिल सके। हालाँकि पहले ईख काटने से उसमें रस कम निकलता था। इस वर्ष भी लेखक के पिता ने जल्दी कार्य शुरू किया।

अत: ईख पेरने का काम सबसे पहले संपन्न हो गया। एक दिन लेखक की माँ धूप में कंडे थाप रही थी और वह बाल्टी में पानी भर-भरकर उसे दे रहा था। अच्छा मौका देखकर लेखक ने माँ से पढ़ाई की बात की । माँ ने अपनी लाचारी प्रकट करते हुए कहा कि तेरी पढ़ाई-लिखाई की बात करने पर वह बरहेला सुअर की तरह गुर्राता है। लेखक ने सुझाव दिया कि वह दत्ता जी राव सरकार से उसकी पढ़ाई के बारे में बात करे। माँ तैयार हो गई। वह बच्चे की तड़प समझती थी। अत: रात को लेखक की पढ़ाई के संबंध में बात करने के लिए दत्ता जी राव देसाई के पास गई और उनसे सारी बात बताई। उसने यह भी बताया कि दादा सारा दिन बाजार में रखमाबाई के पास गुजार देता है। वह खेती का काम नहीं करता। उसने बच्चे की पढ़ाई इसलिए बंद कर दी ताकि वह सारे गाँव भर में आजादी के साथ घूमता रहे। यह बात सुनकर देसाई चिढ़ गए। चलते-चलते लेखक ने यह भी कहा कि यदि वह अब भी कक्षा में पढ़ने लगे तो दो महीने में पाँचवीं पास कर लेगा और इस तरह उसका साल बच जाएगा। पहले ही उसका एक साल खराब हो चुका था। राव ने लेखक से कहा कि घर आने पर दादा को मेरे पास भेज देना और घड़ी भर बाद तुम भी आ जाना। माँ-बेटा ने राव को सचेत किया कि हमारे आने की बात उसे मत बताना। राव ने उन्हें निर्भय होकर जाने को कहा। खेत से आ जाने पर रात को मेरे पास भेजना।

यह सुनकर दादा सम्मान की बात समझकर तुरंत चला गया। आधे घंटे बाद लेखक उन्हें खाने के लिए बुलाने चला गया। राव ने लेखक से पूछा कि कौन-सी कक्षा में पढ़ता है रे तू ? लेखक ने बताया कि वह पाँचवीं में था, पर अब स्कूल नहीं जाता क्योंकि दादा ने मना कर दिया। उन्हें खेतों में पानी लगाने वाला चाहिए था। राव ने दादा से पूछा तो उसने लेखक के कथन को स्वीकार कर लिया। देसाई ने दादा को खूब फटकार लगाई और कहा कि तुम्हारा ध्यान खेती में नहीं है। बीवी-बच्चों को खेत में जोतकर खुले साँड़ की तरह घूमता है तथा अपनी मस्ती के लिए लड़के के जीवन की की बलि चढ़ा रहा है। उसने लेखक को कहा कि तू सवेरे पाठशाला जा तथा मन लगाकर पढ़। यदि यह मना करे तो मेरे पास आना। मैं तुझे पढ़ाऊँगा। लेखक के पिता ने उस पर गलत आदतों का आरोप लगाया-कंडे बेचना, चारा बेचना,

सिनेमा देखना अथवा जुआ खेलना, खेती व घर के काम पर ध्यान न देना आदि। लेखक ने अपने उत्तर से उन्हें संतुष्ट कर दिया।

देसाई ने पूछा कि कभी ना पास तो नहीं हुआ। लेखक के मना करने पर उसे पाठशाला जाने का आदेश देकर घर भेज दिया। बाद में उसने रतनाप्पा को समझाया। दादा ने भी पाठशाला भेजने की हामी भर दी। घर आकर दादा ने लेखक से यह वचन ले लिया कि दिन निकलते ही खेत पर जाना और वहीं से पाठशाला पहुँचना। । पाठशाला से छुट्टी होते ही घर में बस्ता रखकर सीधे खेत पर आकर घंटा भर ढोर चराना और खेतों में ज्यादा काम होने पर पाठशाला से गैर-हाजिर रहना होगा। लेखक ने सभी शर्तें स्वीकार कर लीं। लेखक पाँचवीं कक्षा में जाकर बैठने लगा। कक्षा के दो लड़कों को छोड़कर सभी नए बच्चे थे। वह बाहरी-अपरिचित जैसा एक बेंच के एक सिरे पर कोने में जा बैठा। वह पुरानी किताबों को ही थैले में भर लाया। कक्षा के शरारती लड़के ने उसका मजाक उड़ाया और उसका गमछा छीनकर मास्टर की मेज पर रख दिया। फिर उसे सिर पर लपेटकर मास्टर की नकल उतारनी शुरू की। तभी मास्टर जी आ गए।

लेखक ने उसे सब कुछ बता दिया। बीच की छुट्टी में लड़कों ने उसकी धोती खोलने की कोशिश की, परंतु असफल रहे। वे उसे तरह-तरह से परेशान करते रहे। उसका मन उदास हो गया। उसने माँ से नयी टोपी व दो नाड़ी वाली चड्ढी मैलखाऊ रंग की मंगवा ली। धीरे-धीरे लड़कों से परिचय बढ़ गया। मंत्री नामक मास्टर आए। वे छड़ी का उपयोग नहीं करते थे। वे लड़के की पीठ पर घूसा लगाते थे। शरारती लड़के उनसे बहुत डरते थे। वे गणित पढ़ाते थे।

इस कक्षा में वसंत पाटील नाम का कमजोर शरीर वाला व होशियार लड़का था। वह शांत स्वभाव का था तथा हमेशा पढ़ने में लगा रहता था। मास्टर ने उसे कक्षा मॉनीटर बना दिया था। लेखक भी उसकी तरह पढ़ने में लगा रहा। वह अपनी कापी-किताबों को व्यवस्थित रखने लगा। शीघ्र ही वह गणित में होशियार हो गया। दोनों में दोस्ती हो गई। मास्टर लेखक को 'आनंदा' कहने लगे। अब उसका मन पाठशाला में लगने लगा। न०वा० सौंदलगेकर मास्टर मराठी पढ़ाते थे। पढ़ाते समय वे स्वयं रम जाते थे। सुरीले कंठ, छद व रसिकता के कारण वे कविता बहुत अच्छी पढ़ाते थे। उन्हें मराठी व अंग्रेजी की अनेक कविताएँ याद थीं। वे कविता के साथ ऐसे जुड़े थे कि अभिनय करके भावबोध कराते थे। वे स्वयं भी कविता रचते थे।

लेखक उनसे बहुत प्रभावित था। खेत पर पानी लगाते समय या ढोर चराते समय वह मास्टर के अनुसार ही कविताएँ गाता था। वह उन्हीं की तरह अभिनय करता। उसी समय उसे अनुभव हुआ कि अन्य कविताएँ भी इसी तरह पढ़ी जा सकती हैं। लेखक को महसूस हुआ कि पहले जिस काम को करते हुए उसे अकेलापन खटकता था, अब वह समाप्त हो गया। उसे एकांत अच्छा लगने लगा। एकांत के कारण वह ऊँचे स्वर में कविता गा सकता था, नृत्य कर सकता था। उसने कविता गाने की अपनी पद्धति विकसित की। वह अभिनय के साथ गाने लगा तथा अब उसके चेहरे पर कविता के भाव आने लगे। मास्टर को लेखक का गायन अच्छा लगा और उससे छठी-सातवीं कक्षा के बालकों के सामने गवाया। पाठशाला के एक समारोह में भी उससे गवाया। मास्टर स्वयं कविता रचते थे। उनके पास मराठी कवियों के काव्य-संग्रह थे। वे उन कवियों के संस्मरण भी सुनाते थे। इस कारण अब वे कवि उसे 'आदमी' लगने लगे थे। सौंदलगेकर स्वयं कवि थे। इस कारण लेखक को यह विश्वास हुआ कि कवि भी उसकी तरह ही हाड़-मांस का व क्रोध-लोभ का मनुष्य होता है। लेखक को लगा कि वह स्वयं भी कविता कर सकता है। मास्टर के दरवाजे पर छाई हुई मालती की बेल पर एक कविता लिखी। लेखक ने मालती लता व कविता दोनों ही देखी थी। इससे उसे लगा कि वह अपने आस-पास, अपने गाँव, खेतों आदि पर कविता बना सकता है।

भैंस चराते-चराते वह फसलों व जंगली फूलों पर तुकबंदी करने लगा। वह उन्हें जोर से गुनगुनाता तथा मास्टर को दिखाता। कविता लिखने के लिए वह कागज व पेंसिल रखने लगा। उनके न होने पर वह लकड़ी के छोटे टुकड़े से भैंस की पीठ पर रेखा खींचकर लिखता या पत्थर की शिला पर कंकड़ से लिख लेता। कंठस्थ हो जाने पर उसे पोंछ

देता। वह अपनी कविता मास्टर को दिखाता था। कभी-कभी वह रात को ही मास्टर के घर जाकर कविता दिखाता। वे उसे कविता के शास्त्र के बारे में समझाते। वे उसे छंद, अलंकार, शुद्ध लेखन, लय का ज्ञान कराते। वे उसे पुस्तकें व कविता-संग्रह भी देते थे। उन्होंने उसे कविता करने के अनेक ढर्रे सिखाए। इस प्रकार लेखक को मास्टर की निकटता मिलती और उसकी मराठी भाषा में सुधार आने लगा। कविता की लगन उसे ऐसी लगी कि उसके मन में कोई न कोई मधुर गीत बजता ही रहता था ।

प्रमुख पात्र -

लेखक आनंद यादव– लेखक का संघर्ष ही उसे एक दिन पढ़ा-लिखा इंसान बना देता है। इस संघर्ष में भी उसने आत्मविश्वास बनाए रखा है। परिवार, समाज, आर्थिक तथा विद्यालय आदि हर स्तर पर उसका संघर्ष दिखाई देता है। यद्यपि परिस्थितियाँ उसके विरुद्ध होती हैं तथापि वह अपने आत्मविश्वास के बल इस प्रकार की परिस्थितियों से जूझने में सफल हो जाता है।

रतनाप्पा – लेखक का पिता

दत्ता जी राव देसाई – दत्ता साहब का व्यक्तित्व प्रेरणादायक है। वे अच्छे कार्यों के लिए दूसरों को प्रोत्साहित भी करते हैं। इन्हीं की प्रेरणा से लेखक का पिता बेटे को पढ़ाने को तैयार होता है।

न. वा. सौंदलगेकर – श्री सौंदलगेकर मराठी के अध्यापक थे। पढ़ाते समय वे स्वयं में रम जाते थे। उनका कविता पढ़ाने का अंदाज बहुत अच्छा था। उनके पास सुरीला गला, छंद की लय-ताल और उसके साथ ही रसिकता थी । पुरानी-नयी मराठी कविताओं के साथ-साथ उन्हें अनेक अंग्रेजी कविताएँ भी कंठस्थ थीं।

मंत्री नामक मास्टर – कक्षाध्यापक व गणित के शिक्षक ।

वसंत पाटील – वसंत पाटील कमजोर शरीर वाला व होशियार लड़का था। वह शांत स्वभाव का , हमेशा पढ़ने में लगा रहने वाला तथा कक्षा का मॉनीटर था।

चव्हाण – कक्षा में लेखक का सहपाठी तथा शरारत करने वाला बालक |

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर –

1. 'जूझ' पाठ के लेखक का नाम है –

(अ) धर्मवीर भारती (ब) आनंद यादव (स) फणीश्वर नाथ रेणु (द) मनोहर श्याम जोशी

2. जूझ साहित्य की किस विधा में लिखा गया है ?

(अ) कहानी (ब) आत्मकथात्मक उपन्यास (स) संस्मरण (द) रेखा चित्र

3. कहानी के शीर्षक 'जूझ' का अर्थ है –

(अ) चालाकी (ब) संघर्ष (स) मेहनत (द) कठिनाई

4. 'जूझ' उपन्यास मूलतः किस भाषा में रचित है ?

(अ) गुजराती (ब) अवधी (स) मराठी (द) ब्रज

5. लेखक के कक्षा अध्यापक का नाम क्या था ?

(अ) सौंदलगेकर (ब) वसंत (स) मोहन (द) मंत्री

6. कक्षा का मॉनिटर कौन था ?

(अ) चव्हाण (ब) वसंत पाटिल (स) आनंद (द) मंत्री

7. आनंद के मराठी अध्यापक का नाम क्या था ?

(अ) मंत्री (ब) रणनवारे (स) सौंदलगेकर (द) दत्ताराव जी

8. बसंत पाटिल किस विषय में होशियार था ?

(अ) हिन्दी (ब) अंग्रेजी (स) गणित (द) विज्ञान

9. लेखक के दादा (पिता) की कैसी प्रवृत्ति थी ?

(अ) विनम्र (ब) परिश्रमी (स)अहिंसक (द) गुस्सैल और हिंसक

10. इनमें 'जूझ' कहानी के पात्र नहीं हैं ?

(अ) आनंद यादव (ब) सौन्दलगेकर (स) दत्ता जी राव (द) चड्ढा

11. 'जूझ' कहानी के नायक ने विद्यालय में पुनः किस कक्षा में बैठना शुरू किया ?

(अ) चौथी (ब) पाँचवीं (स) तीसरी (द) सातवीं

12. लेखक पढ़ना क्यों चाहता है ?

(अ) कवि बनने के लिए (ब) ज्ञान के लिए (स) विद्वान बनने के लिए (द) नौकरी के लिए

13. पाठशाला से लौटकर आनंद क्या करता था ?

(अ) खेलता था (ब) पढ़ता था (स) ढोर चराता था (द) खेत में पानी देता था

14. 'जूझ' कहानी का नायक किसके संपर्क में आकर कवि बना ?

(अ) मास्टर सौन्दलगेकर (ब) मास्टर मंत्री (स) वसंत पाटिल (द) चव्हाण

15. जिस शरारती लड़के ने लेखक के सिर से गमछा छीना था, उसका नाम क्या था ?

(अ) मनोहर (ब) वसंत (स) चह्वाण (द) सुन्दर

16. खेत का कौन-सा काम समाप्त होने के बाद लेखक ने माँ से पढ़ाई की बात की ?

(अ) कटाई का काम (ब) पानी लगाने का काम (स) कोल्हू का काम (द) बिजाई का काम

17. लेखक का दादा कोल्हू जल्दी क्यों चलाता था ?

(अ) वह बहुत मेहनती था (ब) वह अपने बनाए गुड़ के अच्छे दाम प्राप्त करना चाहता था

(स) वह अपने हर कार्य को सबसे पहले करना चाहता था (द) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

18. आनंद की मटमैली धोती का मजाक किसने बनाया ?

(अ) वसंत पाटिल (ब) चव्हाण (स) बसंत (द) मंत्री

19. गाँव के अन्य किसान ईख को ज्यादा दिन खेतों में क्यों रहने देना चाहते थे ?

(अ) गुड़ का दाम बढ़ जाता है (ब) गुड़ ज्यादा निकलता है

(स) गुड़ का भाव बढ़ जाता है (द) गुड़ सूख जाता है

20. जूझ पाठ के अनुसार लेखक के घर कोल्हू कब शुरू होता है ?

(अ) नवरात्रि में (ब) नववर्ष में (स) होली पर (द) दीवाली के बाद

21. पाठशाला जाने की बात लेखक ने सबसे पहले किससे की ?

(अ) सौंदलगेकर से (ब) दादा से (स) दत्ता जी राव से (द) माँ से

22. आनंदा भैंस की पीठ पर क्या करता था ?

(अ) बैठ कर घूमता था (ब) कहानी लिखता था (स) कविता लिखता था (द) गीत लिखता था

23. लेखक की माँ के अनुसार उसके पति ने लेखक को पाठशाला जाने से क्यों रोक दिया ?

(अ) खर्चे से बचने के लिए (ब) अनपढ़ता से बचने के लिए

(स) खुद काम से बचने के लिए (द) बीमारी से बचने के लिए

24. लेखक की माँ के अनुसार उसका पति दिनभर किसके पास रहता है ?

(अ) रखमाबाई के पास (ब) लखमा बाई के पास (स) रामाबाई के पास (द) जमवा बाई के पास

25. कविता पढ़ने-पढ़ाने का शौक किसे था ?

(अ) सौन्दलगेकर (ब) मंत्री (स) दत्ता जी राव (द) भगवान दास

26. वसंत पाटिल की नक़ल करने पर लेखक को क्या लाभ हुआ ?

(अ) वह भी गणित में होशियार हो गया (ब) वह भी मॉनीटर जैसा सम्मान पाने लगा

(स) अध्यापक उसे शाबाशी देने लगे (द) उपर्युक्त सभी

27. 'जूझ' पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया ?

(अ) अकेलापन डरावना है (ब) अकेलापन उपयोगी है

(स) अकेलापन अनावश्यक है (द) अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है

28. लेखक की माँ के अनुसार पढ़ाई की बात करने पर लेखक का पिता कैसे गुर्राता है ?

(अ) शेर के समान (ब) चीते के समान (स) कुत्ते के समान (द) जंगली सूअर के समान

29. पढ़ाई के लिए लेखक अपनी माँ के साथ किसके पास गया ?

(अ) सौंदलगेकर के पास (ब) दत्ता जी राव के पास (स) दादा के पास (द) इनमें से कोई नहीं

30. लेखक के मास्टर सौन्दलगेकर के संपर्क में आने से उस पर क्या प्रभाव पड़ा ?

(अ) उसकी मराठी भाषा सुधरने लगी (ब) वह लिखते समय सचेत रहने लगा

(स) अलंकार, छंद, लय आदि का ज्ञान हो गया (द) उपर्युक्त सभी

31. "जूझ' कहानी से लेखक की किस प्रवृत्ति का उद्घाटन हुआ है ?

(अ) खेती करने की प्रवृत्ति का (ब) संघर्षमयी प्रवृत्ति का

(स) कविता करने की प्रवृत्ति का (द) पढ़ने की प्रवृत्ति का

32. लेखक को स्कूल में पहले दिन अपनी कक्षा में दीवार से पीठ सटाकर क्यों बैठ गया ?

(अ) लेखक को संकोच हो रहा था (ब) शरारती बच्चे उसकी धोती खींच रहे थे

(स) खेती का कार्य करने के कारण उसकी पीठ में दर्द था (द) उपर्युक्त में से कोई भी

33. लेखक को अकेलेपन में आनंद क्यों आने लगा ?

(अ) वह खुलकर गा सकता था (ब) वह कविताएँ रच सकता था

(स) वह कविता गाकर उसका अभिनय कर सकता था (द) उपर्युक्त सभी

34. लेखक के पंख कब निकले ?

(अ) जब लेखक के द्वारा बनाई गयी लय को बच्चों के सामने प्रस्तुत कराया गया

(ब) उसके गीत को स्कूल के समारोह में गवाया गया

(स) जब मराठी अध्यापक उसकी प्रशंसा करने लगे

(द) उपर्युक्त सभी

35. दादा राव सरकार का नाम सुनते ही उनसे मिलने क्यों चला गया ?

(अ) राव सरकार गाँव के सम्मानित व्यक्ति थे (ब) राव सरकार विधायक थे

(स) दादा राव सरकार से डरता था (द) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

36 इस कहानी के माध्यम से किसके संघर्ष को अभिव्यक्ति प्रदान की गई है ?

(अ) गरीब माँ का संघर्ष (ब) खेतिहर मजदूर के संघर्ष

(स) अध्यापक का संघर्ष (द) आनंदा के जीवन का संघर्ष

37. आनंदा और उसकी माँ ने राव जी को किस बात के लिए सचेत कर दिया था ?

(अ) दादा को खेती के काम में लगाएं (ब) दादा का बाहर घूमना बंद कर दिया जाये

(स) उन दोनों के उनके पास आने की बात दादा को ना बताएं (द) आनंदा को खेतों में काम ना करने दिया जाए

38. राव सरकार ने दादा को किस बात के लिए डांटा ?

(अ) खेतों की तरफ ध्यान देने के लिए (ब) फसल लगाने के लिए

(स) लेखक की पढाई छुडवाने के लिए (द) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

39. राव साहब ने लेखक को क्या निर्देश दिए ?

(अ) वह कल से स्कूल जाना शुरू करे (ब) वह मन लगाकर पढाई करे

(स) यदि उसका पिता उसे स्कूल न भेजे तो वह उनके पास आ जाए (द) उपर्युक्त सभी

40. दादा ने राव साहब के सामने अपने बेटे पर क्या आरोप लगाए ?

(अ) लेखक सिनेमा देखने चला जाता है (ब) यहाँ-वहाँ नहीं घूमता है

(स) खेती और घर के काम में ध्यान देता है (द) उपर्युक्त सभी

41. आनंद ने अनंत काणेकर की कविता 'चाँद रात पसरिते' कविता को सिनेमा के एक गीत की तर्ज़ पर गाया । वह गाना किस छंद की तर्ज़ पर था ?

(अ) दोहा (ब) सोरठा (स) सवैया (द) केशव करणी जाति

42. 'जूझ' कहानी में लेखक के पिता ने उसे विद्यालय भेजने के लिए क्या शर्त रखी ?

(अ) पाठशाला जाने से पहले ग्यारह बजे तक खेत में काम करना होगा

(ब) छुट्टी होने के बाद खेत पर आकर घंटा भर ढ़ोर चराना होगा

(स) किसी दिन खेत में ज्यादा काम होगा तो उसे पाठशाला नहीं जाना होगा (द) उपर्युक्त सभी

43. आनंद का विश्वास विद्यालय में पुनः क्यों बढ़ने लगा ?

(अ) अध्यापक से वाहवाही न मिलने के कारण

(ब) अध्यापकों के अपनेपन और वसंत पाटिल से दोस्ती के कारण

(स) विद्यालय में पुरस्कार मिलने के कारण (द) खेत में काम करने के कारण

44. लेखक पढना क्यों चाहता था ?

(अ) उसके अनुसार खेती में कोई भविष्य नहीं है (ब) पढ़-लिखकर नौकरी करना चाहता था

(स) नौकरी करके या व्यापार करके धन कमाया जा सकता है (द) उपर्युक्त सभी

45. लेखक अपने दादा के सामने बोलने की हिम्मत क्यों नहीं करता था ?

(अ) वह अपने पिता से बहुत डरता था (ब) उसके पिता बहुत गुस्सैल और हिंसक थे

(स) वह बात-बात पर लेखक पर नाराज़ होते थे (द) उपर्युक्त सभी

46. "बालिस्टर होने वाला नहीं है तू" यह वाक्य किसने कहा ?

(अ) राव साहब ने (ब) लेखक के पिता ने (ग) लेखक की माता ने (द) शिक्षकों ने

47. 'जूझ' कहानी के नायक द्वारा खेती के साथ पढ़ाई करने का क्या प्रभाव पड़ा ?

(अ) उसका मन निराशा और खीझ से भर गया। (ब) वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रहा।

(स) प्रतिकूल परिस्थितियों ने उसके दृढ़ निश्चय को तोड़ दिया (द) उसकी पढ़ाई के प्रति रुचि कम हो गई ।

48. मराठी अध्यापक के अध्यापन से लेखक में क्या-क्या नए परिवर्तन आए ?

(अ) लेखक को अब अकेले रहना अच्छा लग गया

(ब) वह खेत में काम करते हुए मास्टरजी के अभिनय,यति-गति,आरोह-अवरोह की नकल करते हुए खुले कंठ से कविता गाता

(स) लेखक धीरे-धीरे मास्टर के बताए राग से अलग भी कविताओं को गाने लगा

(द) उपर्युक्त सभी

49. मराठी अध्यापक के अध्यापन के विषय में क्या असत्य है ?

(अ) वे अभिनय के साथ कविता का भाव ग्रहण कराते

(ब) वे कविता को सुरीले गले, छंद की बढ़िया चाल, रसिकता के साथ पढ़ाते थे

(स) कविता सुनाते समय अगर कोई बच्चा बोल दे तो उसकी पिटाई कर देते

(द) वे प्रसिद्ध कवियों के संस्मरण भी सुनाते

50. आनंदा के पिता द्वारा स्वयं खेती ना करके अपने बेटे से खेती का काम करवाना उनके किस चरित्र की ओर संकेत करता है ?

(अ) पिता पुत्र का भला चाहता है (ब) पिता अपने बेटे को परिश्रमी बनाना चाहता है

(स) पिता पुत्र पढ़ाना चाहता है (द) पिता के आलसी,कमजोर और कामचोर रूप को दर्शाता है

51. लेखक ने राव साहब के सामने किस प्रकार अपना पक्ष रखा ?

(अ) उसका दादा कभी उसे सिनेमा देखने के लिए पैसे नहींदेता (ब) उसने फ़सल बेचकर कपड़े सिलवाए

(स) वह यहाँ-वहाँ गन्ने बेचने के लिए घूमता है (द) उपर्युक्त सभी

52. 'जूझ' कहानी में आनंदा के उच्च स्तरीय कवि बनने तक का सफर किस बात का प्रमाण है ?

(अ) पिता की बात को महत्व ना देने का (ब) झूठ बोल कर पढ़ाई करने का

(स) उसके परिश्रम एवं लगन का (द) केवल अपने मन की करने का

उत्तरमाला -

1. ब	2.ब	3. स	4. स	5. द	6. ब	7. स	8. स	9. द	10. द
11. ब	12. द	13. स	14. अ	15. स	16. स	17. ब	18. ब	19. ब	20. द
21. द	22. स	23. स	24. स	25. अ	26. द	27. ब	28. द	29. ब	30. द
31. ब	32. ब	33. स	34. द	35. अ	36. द	37. स	38. स	39. द	40. अ
41. द	42. द	43. ब	44. द	45. द	46. ब	47. ब	48. द	49. स	50. द
51. अ	52. स								

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र- 1

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, अहमदाबाद संभाग

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र-1 कक्षा – XII, हिन्दी आधार (विषय कूट-302)

प्रथम सत्र परीक्षा –2021-22

निर्धारित अंक – 40 **अधिकतम अवधि: 2 घंटे**

निर्देश-(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रत्येक प्रश्न के हर उपखंड के लिए 1अंक निर्धारित है।
(iii) सही विकल्प का क्रमांक और साथ में दिया गया उत्तर भी लिखें।ऐसा न करने पर अंक काटे जा सकते हैं।

	अपठित बोध (गद्य एवं पद्य)	**अंक-15**
	गद्यांश से बहुविकल्पी प्रश्न	
प्रश्न-1.	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।** सामाजिक जीवन से पृथक मनुष्य जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती, मनुष्य का चहुँमुखी विकास समाज मे रह कर ही संभव है। व्यक्ति को अपनी आवश्यकताओं के लिए समाज की और समाज को अपने अस्तित्व के लिए व्यक्ति की ज़रूरत होती है। ये भी माना जाता है कि प्राचीन काल में जब मनुष्य अकेला था तो स्वयं को जीव-जंतुओं से बचाने के लिए उसने झुंडों में रहना प्रारम्भ किया धीरे-धीरे ये झुंड परिवार में बदले और परिवारों ने अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विकास करना शुरू किया तब जाकर समाज का निर्माण हुआ। पुराने समय में संयुक्त परिवार हुआ करते थे और उनमे आदर्शता थी जो एक सभ्य समाज का निर्माण करती थी, परन्तु अब परिस्थिति बिलकुल बदल गयी है। अब लोग स्वयं को समाज का हिस्सा तो मानते है, परन्तु समाज के प्रति उनके क्या कर्तव्य है भूलते जा रहे हैं, अब मनुष्य संयुक्त परिवार में रहना उचित नहीं समझता। वह स्वयं के स्वार्थ को सर्वोपरि मानते हुए आत्मकेन्द्रित होता जा रहा है। वर्तमान में व्यक्ति का दृष्टिकोण समाज को लेकर बदल गया है अब उसके लिए समाज का अर्थ सिर्फ उस क्षेत्रफल तक सीमित हो गया है। जहाँ वो रहता है लेकिन शायद लोग ये भूलते जा रहे हैं कि समाज का अस्तित्व मनुष्य जीवन की आधारशिला है। यदि कोई व्यक्ति समाज में प्रसिद्धि पाता है तो लोगो के बीच उसका आदर सम्मान बढ़ जाता है। आज के समय में मनुष्य जिस भी क्षेत्र में उन्नति कर रहा है वो समाज की ही तो देन है। समाज मनुष्य के लिये वो प्रतिबिम्ब है जिसमे प्रत्येक दिवस वो अपनी अभिलाषाओं एवं आकांक्षाओं को पूरा होते देखता है। हालांकि ये सर्वविदित है कि समाज का निर्माण मनुष्य ने किया है परन्तु वर्तमान में समाज मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। समाज मनुष्य के विचारों की अभिव्यक्ति करता है। ये समाज ही तो है जो आदिकाल से मनुष्य की सभ्यता एवं संस्कृति का उद्घोषक रहा है। मनुष्य का शरीर तो नाशवान है परन्तु समाज हमेशा जीवित रहता है उन गौरव गाथाओं के परिचायक के रूप में जो उसके अस्तित्व की पहचान को परिलक्षित करती है। समाज और मानव दोनों एक सिक्के के दो पहलु हैं एक शरीर तो दूसरा आत्मा, तभी तो कहा गया है कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।	**(10x1=10)**

(क)	**व्यक्ति को अपनी आवश्यकताओं के लिए समाज की और समाज को अपने अस्तित्व के लिए व्यक्ति की ज़रूरत होती है। इस कथन का तात्पर्य है कि –** (i) समाज पूर्णत: व्यक्ति पर निर्भर है (ii) समाज पूर्णत: आत्म निर्भर है (iii) मनुष्य और समाज एक दूसरे के धुर विरोधी हैं (iv) व्यक्ति और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं	1
(ख)	**मनुष्य सबसे पहले रहने लगा -** (i) झुंड में (ii) परिवार में (iii) समाज में (iv) जंगल में	1
(ग)	**मनुष्य ने समाज में रहना शुरू किया –** (i) अकेलेपन को दूर करने के लिए (iii) अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए (iii) जानवरों से बचने के लिए (iv) समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए	1
(घ)	**वर्तमान समय में समाज के प्रति व्यक्ति का दृष्टिकोण बदलने का कारण है –** (i)व्यक्ति का परिवार केन्द्रित होना (ii)व्यक्ति का स्वकेंद्रित होना (iii)व्यक्ति का समाज केन्द्रित होना (iv) इनमें से कोई नहीं	1
(च)	**समाज का अस्तित्व मनुष्य जीवन की आधारशिला है। इस कथन का अर्थ है कि –** (i) मनुष्य समाज में रहना जानता है। (ii) समाज के बिना मनुष्य रह सकता है। (iii) समाज मनुष्य जीवन के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। (iv) समाज के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना की जा सकती है।	1
(छ)	**मनुष्य की उन्नति का मुख्य कारक है –** (i) उसकी मेहनत (ii) परिवार (iii) समाज (iv) डिग्रियाँ	1
(ज)	**समाज के संदर्भ में कौन-सा कथन सही नहीं है –** (i) समाज मनुष्य के विचारों की अभिव्यक्ति करता है। (ii) समाज का निर्माण मनुष्य ने नहीं किया है। (iii) वर्तमान में समाज मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। (iv) समाज का अस्तित्व मनुष्य से है।	1
(झ)	**निम्न में से कौन-सा कथन सही है –** (i) संयुक्त परिवार सभ्य समाज के निर्माण का आदर्श होता है। (ii) समाज मनुष्य के चरित्र के लिए अत्यंत लाभदायक है। (iii)संयुक्त परिवार में आजकल कोई रहना पसंद नहीं करता। (iv) सभी विकल्प सही हैं।	1
(ट)	**'संस्कृति में मूल शब्द है –** (i) कृति (ii) स्म (iii) सम् (iv) सम+कृति	1
(ठ)	**सामाजिक में मूल शब्द और प्रत्यय है –** (i) समाज और इत (ii) समाज और इक	

	(iii) सामाज और इत (iv) सामाज और इक **या** **अभिकथन (statement) - मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।** तर्क (1)- मनुष्य समाज में रहकर अपनी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को पूर्ण करता है। तर्क (2) - मनुष्य समाज के बिना अधूरा है। (i) अभिकथन और दोनों तर्क पूर्णतः असत्य हैं। (ii) अभिकथन पूर्णतः सत्य है और दोनों तर्क उसकी सही व्याख्या करते हैं। (iii) अभिकथन सत्य है किंतु दोनों तर्क असत्य हैं। (iv) अभिकथन सत्य है किंतु तर्क 2 असत्य है।	
	अथवा	
	हमारी राजभाषा हिंदी जो भारत राष्ट्र के जन-जन के पवित्र मुख की शोभा है, करोड़ों की वंदनीय जननी है,इसका अपमान हो और करोड़ों मुख और हाथ चुप रहें ,यह आश्चर्य की बात है। खैर! यह आश्चर्य कोई पहली बार नहीं हुआ है। यहाँ जयचंदों और मीर जाफरों की एक लम्बी कतार रही है। इस कतार के आखिरी व्यक्ति के गुजरने के पहले ही कोई न कोई अवतार हो ही जाता है। इन अवतारों ने ऐसी परंपरा का विकास कर डाला है कि लोग दूसरे स्थान पर रखी गई अंग्रेज़ी को पहले स्थान पर रखने में गौरव का अनुभव करते हैं।अंग्रेज़ी अखबार और पत्रिकाओं से अपने को गौरवान्वित करने वाले ये तथाकथित संभ्रांत जन अपनी भाषा क्या माँ और मातृभूमि तक को नीलाम करने वालों के चरण चुंबन में गौरव का अनुभव करते हैं। कोई मकबूल फिदा हुसैन जब अपनी भारत माता का दिगंबर चित्र बनाता है तो बहुतेरे राजनीतिक रोटियाँ सेंकने लगते हैं और 'मकबूल' फिर महफूज रह जाता है, भारत माता को विवस्त्र और अपमानित करने के लिए। जब तक एक राष्ट्रीय संस्कृति का विकास नहीं होता, कोई भी हमारे राष्ट्र, राष्ट्र ध्वज, राष्ट्रभाषा(कानूनी नाम राजभाषा) या किसी भी सांस्कृतिक प्रतीक को कभी भी और कहीं भी अपमानित कर सकता है। इसके लिए हमें अपनी मातृ और राजभाषा का हृदय से सम्मान करना होगा।इस उद्घोष के साथ अपने मन को विमल बनाकर इन्हें अमल में लाना होगा कि- हमारे मातृ भू के अति सलोने भाल की बिंदी, हमारे राष्ट्र भारत की सरल पहचान है हिंदी , हमारे मान की,सम्मान की,अभिमान की भाषा- हमारी शान हिंदी है हमारी जान है हिंदी ।	
(क)	**हमारी राजभाषा का नाम है-** (i) हिंदी (ii) संस्कृत (iii) अंग्रेज़ी (iv) उर्दू	
(ख)	**कतार का सही शब्दार्थ चुनें-** (i) पंक्ति (ii) लाइनें (iii) रेखा (iv) शक्ति	
(ग)	**महफूज़ का सही शब्दार्थ चुनें-** (i) सुरक्षित (ii) असुरक्षित (iii) फालतू (iv) पालतू	

(घ)	**राष्ट्र भाषा हिन्दी का कानूनी नाम है-** (i) राजभाषा (ii) तमिल (iii) गुजराती (iv) मराठी	
(च)	**चरण-चुंबन और जन-जन में प्रयुक्त अलंकारों के नाम हैं-** (i) रूपक और पुनरुक्ति प्रकाश (ii) अनुप्रासऔर पुनरुक्ति प्रकाश (iii) उपमा और पुनरुक्ति प्रकाश (iv) इनमें से कोई नहीं	
(छ)	**हमारी राजभाषा लिखी जाती है-** (i) देवनागरी लिपि वाली हिंदी में (ii) संस्कृत में (iii) अंग्रेज़ी में (iv) फ़ारसी लिपि वाली उर्दू में	
(ज)	**हिंदी के अलावा भारत संघ की दूसरी राजभाषा है-** (i) जर्मन (ii) संस्कृत (iii) अंग्रेज़ी (iv) फ्रेंच	
(झ)	**कवि ने किस भाषा को अभिमान की भाषा कहा है-** (i) जर्मन (ii) संस्कृत (iii) अंग्रेज़ी (iv) हिंदी	
(ट)	**कवि ने किस भाषा को भारत के भाल की बिंदी कहा है-** (i) जर्मन को (ii) संस्कृत को (iii) अंग्रेज़ी को (iv) हिंदी को	
(ठ)	**इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है-** (i) कविता की भाषा (ii) हमारी राज भाषा हिंदी (iii) संभ्रांत भाषा अंग्रेज़ी (iv) इनमें से कोई नहीं अथवा	
	अभिकथन (statement) - हमारी राज भाषा हिंदी है। तर्क (1)- हर केन्द्रीय कार्यालय अपनी संवाद और संप्रेषण की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को इससे पूर्ण करता है। तर्क (2) -हमारी राजभाषा से यह आशय है कि भारत संघ के कार्यालयों की राज भाषा हिंदी है। (i) अभिकथन और दोनों तर्क पूर्णतः असत्य हैं। (ii) अभिकथन पूर्णतः सत्य है और दोनों तर्क उसकी सही व्याख्या करते हैं (iii) अभिकथन सत्य है किंतु दोनों तर्क असत्य हैं। (iv) अभिकथन सत्य है किंतु तर्क 2 असत्य है।	
	अपठित पद्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न	
प्रश्न-2.	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए -**	
	नानक, कबीर, महावीर, धीर गौतम को पंथ, देश, जातियों का नाम मत दीजिये। जिसने समाज की तमाम बेड़ियाँ मिटाईं उसे किसी बेड़ी का ग़ुलाम मत कीजिये। मन के फ़क़ीर, अलमस्त महामानवों को रुढ़ियों से जोड़ बदनाम मत कीजिये। मानव से प्रेम ही सच्ची प्रभु अर्चना है भले किसी ईश को प्रणाम मत कीजिये।	
(क)	**कवि ने किसको पंथ, देश, जाति आदि की सीमा में बाँधने से मना किया है -**	

	(i) मनुष्य को (ii) समाज को (iii) फ़कीरों को (iv) महापुरुषों को	
(ख)	**यहाँ समाज की बेड़ियों से तात्पर्य है –** (i) सामाजिक बुराइयाँ (ii) निजी अच्छाइयाँ (iii)लोहे की जंजीरें (iv) अपनी सोच	
(ग)	**महामानवों की क्या विशेषता होती है –** (i) वे मनमौजी होते हैं। (ii) मानव सेवा को महत्त्व देते हैं। (iii) सामाजिक रूढ़ियों का विरोध करते हैं। (iv) सभी विकल्प सही हैं।	
(घ)	**कवि ने मनुष्यों के प्रति प्रेम भावना को किसके समान माना है -** (i) महामानवों की सेवा के समान (ii) ईश्वर को प्रणाम करने के समान (iii) समाज की सेवा के समान (iv) पूजा अर्चना के समान	
(च)	**'अलमस्त' शब्द का अर्थ है –** (i)मनमौजी (ii)आलसी (iii)शांत (iv)महापुरुष	
	अथवा **पेड़ ने कहा नदी से** **धीरे बहो** **ज़्यादा उछलो-कूदो नहीं** **पहाड़ दादा बुरा मानेंगे** **गुस्सा करेंगे** **नदी बोली रहने दो** **मैं तो इसके बिना मर जाऊंगी** **इतना कह जोर की हिलोर ली** **ऊँची चट्टान से भिड़** **छपाक से उछली** **और आगे बढ़ गई।**	
(क)	**नदी की उछलकूद से पहाड़ दादा के गुस्सा होने का कारण यह हो सकता है कि इससे उनकी-** (i) शान्ति भंग होती होगी (ii) नींद टूटती होगी (iii) उनकी खेती-किसानी न हो पाती होगी (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं	
(ख)	**पेड़ के यह कहने पर कि-** **'धीरे बहो/ज़्यादा उछलो-कूदो नहीं/पहाड़ दादा बुरा मानेंगे/गुस्सा करेंगे।' इस पर नदी की प्रतिक्रिया थी-** (i) मैं तो इसके बिना मर जाऊंगी (ii) जोर की हिलोर ली (iii) उछल कर आगे बढ़ गई। (iv) उपर्युक्त सभी	
(ग)	**पेड़ और नदी में से कौन गतिशील है-** (i) पेड़ (ii) नदी (iii) पेड़ और नदी दोनों (iv) दोनों में से कोई नहीं	
(घ)	**पेड़ ने कहा नदी से** **धीरे बहो** **ज़्यादा उछलो-कूदो नहीं** **पहाड़ दादा बुरा मानेंगे**	

	गुस्सा करेंगे |- इन पंक्तियों में कौनसा अलंकार है ? (i) अनुप्रास (ii) उपमा (iii) मानवीकरण (iv) अतिशयोक्ति	
(च)	**पेड़ ने नदी से क्या कहा-** (i) 'धीरे बहो/ज़्यादा उछलो-कूदो नहीं (ii) पहाड़ दादा बुरा मानेंगे (iii) गुस्सा करेंगे(पहाड़ दादा) (iv) उपर्युक्त सभी	
प्रश्न-3.	**कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन(अभिव्यक्ति और माध्यम)पर केंद्रित प्रश्न**	
	निम्न बहुविकल्पी प्रश्नों के सटीक विकल्प चुनकर लिखें-	**5×1=5**
(क)	कार्यालयी पत्र - (i) औपचारिक होते हैं। (ii) अनौपचारिक होते हैं। (iii) केवल मुद्रित होते हैं। (iv) केवल हस्तलिखित होते हैं।	1
(ख)	**इनमें से कौन सी विशेषता मुद्रित माध्यम की है-** (i) यह लिखित भाषा का विस्तार है। (ii) हम अपनी पसंद के अनुसार किसी भी पृष्ठ से पढ़ने की शुरुआत कर सकते हैं। (iii) यह चिंतन, विचार और विश्लेषण का माध्यम है। (iv) उपर्युक्त सभी	1
(ग)	**उल्टा पिरामिड शैली में-** (i) समाचार को तीन हिस्सों में विभाजित किया जाता है। (ii) समाचार के इंट्रो को मुखड़ा भी कहते हैं। (iii) इंट्रो समाचार का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग है। (iv) उपर्युक्त सभी आते हैं।	1
(घ)	**इनमें से कौन -सा चरण टी.वी. खबरों का नहीं है?** (i) फ़्लैश / ब्रेकिंग न्यूज़ (ii) एंकर- विजुअल (iii) एंकर- बाइट (iv) मुद्रण	1
(च)	**इनमें से ऐसी कौन सी सुविधाएं हैं जो इंटरनेट पर तो हैं लेकिन रेडियो पर नहीं है?** (i) पढ़ना (ii) देखना (iii) सुनना (iv) (i)और (ii)	1
	पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 के पाठों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न	
प्रश्न-4.	**निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए ।**	**5x1=5**
	दिन जल्दी-जल्दी ढलता है! हो जाए न पथ में रात कहीं, मंजिल भी तो है दूर नहीं- यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है! दिन जल्दी-जल्दी ढलता है! बच्चे प्रत्याशा में होंगे, नीड़ों से झाँक रहे होंगे- यह ध्यान परों में चिड़ियों के	

	भरता कितनी चंचलता है!	
(क)	**इस कविता में दिन का पंथी कहा गया है –** (i) सूर्य को (ii) कवि को (iii) प्रेमी को (iv) बच्चों को	1
(ख)	**पंथी पथ में रात होने से भयभीत है क्योंकि -** (i) उसे रात से डर लगता है (ii) दिन रहते मंज़िल तक पहुँचना चाहता है (iii) उसे हार जाने का डर है (iv) रास्ता डरावना है	1
(ग)	**इस कविता में समय के संदर्भ में क्या कहा गया है ?** (i) समय बलवान है (ii) समय आराम से चलता है (iii) समय गतिमान और परिवर्तनशील है (iv) समय प्रत्येक कार्य का मूल है	1
(घ)	**बच्चे किस प्रत्याशा में अपने नीड़ों से झाँक रहे होंगे ?** (i) दिन ढलने की (ii) माँ के लौटने की (iii) बाहर उड़ने की (iv) इनमें से कोई नहीं	1
(च)	**चिड़िया के परों में अचानक तीव्रता क्यों आ जाती है ?** (i) उसे घर पहुँचने में देरी हो गयी है (ii) बच्चों के भोजन, स्नेह और सुरक्षा की चिंता होती है (iii) रात होने वाली है (iv) दिन जल्दी-जल्दी ढल रहा है	1
प्रश्न-5.	**निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**	**5×1=5**
	पैसा पावर है। पर उसके सबूत में आस-पास माल-टाल न जमा हो तो क्या वह खाक पावर है! पैसे को देखने के लिए बैंक हिसाब देखिए ,पर माल-असबाब मकान-कोठी तो अनदेखे भी दीखते हैं । पैसे की उस 'पर्चेजिंग पावर' के प्रयोग में ही पावर का रस है। लोग संयमी भी होते हैं ,वे फ़िज़ूल सामान को फ़िज़ूल समझते हैं। वे पैसा बहाते नहीं हैं और बुद्धिमान होते हैं । बुद्धि और संयम पूर्वक वह पैसे को जोड़ते जाते हैं,जोड़ते जाते हैं।वे पैसे की पावर को इतना निश्चय समझते हैं कि उसके प्रयोग की परीक्षा उन्हें दरकार नहीं है। बस खुद पैसे के जुड़ा होने पर उनका मन गर्व से भरा फूला रहता है।	
(क)	**पैसा पावर है क्योंकि-** (i) इससे किसी का भी ईमान खरीद सकते हैं। (ii) कोई भी पद पा सकते हैं। (iii) इससे माल-असबाब मकान-कोठी खरीद सकते हैं। (iv) इनमें से कोई नहीं	1
(ख)	**पैसे में पावर होने का सबूत कैसे इकट्ठा किया जाता है?** (i) व्यक्ति के पद से (ii)उसके आस-पास जमा माल-टाल से (iii) बैंक में जमा पैसे (iv) इनमें से कोई नहीं	1
(ग)	**कौन -सी चीज़ें अनदेखे भी दिखती हैं ?**	1

	(i) केवल व्यक्ति का पद (ii) केवल आस-पास जमा माल-टाल (iii) बैंक में जमा पैसे (iv) व्यक्ति का पद औरआस-पास जमा माल-टाल दोनों	
(घ)	**पावर का रस किसमें है?** (i) पद में (ii) आस-पास जमा माल-टाल में (iii) बैंक में जमा पैसे में (iv) इन सभी में	1
(च)	**'जो लोग फ़िजूल सामान को फ़िजूल समझते हैं,वे संयमी होते हैं'का अर्थ है –** (i) संयमी व्यक्ति अनावश्यक खरीदारी नहीं करता है। (ii) संयमी व्यक्ति आवश्यक खरीदारी ही करता है। (iii) क और ख दोनों (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं	1
	पाठ्य पुस्तक आरोह-2 से प्रश्न	
प्रश्न-6.	**निम्न बहुविकल्पी प्रश्नों के सटीक विकल्प चुनकर लिखें**	**5×1=5**
(क)	**पाठ के आरंभ में लेखिका ने भक्तिन का किस तरह वर्णन किया है ?** (i) छोटा कद ,पतले होठ और दुबले शरीर वाली (ii) कानों में दृढ़ संकल्प (iii) छोटी आंखों में विचित्र समझदारी (iv) उपर्युक्त सभी	1
(ख)	**जीजी के अनुसार कैसे दान का सर्वाधिक महत्व होता है -** (i) जरूरत के समय दिया जाए (ii) जो खुशी से दिया जाए (iii)जो अपनी जरूरत को पीछे रखकर दूसरों के कल्याण के लिए दे (iv)जो धार्मिक कार्य के लिए दिया जाए	1
(ग)	**बाजार की असली कृतार्थता किसमें है –** (i) लोगों को आकर्षित करने में (ii) लोगों से फिजूलखर्ची करवाने में (iii)आवश्यकता के समय लोगों के काम आना (iv) बाजारवाद को बढ़ाने में	1
(घ)	**'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में किस प्रवृति पर व्यंग्य किया गया है -** (i) दर्शकों पर (ii) कैमरामैन पर (iii) मीडिया की व्यावसायिकता पर (iv) समाज पर	1
(च)	**'सब घर एक कर देने के माने' जानता है-** (i) बच्चा (ii) फूल (iii) चिड़िया (iv) इनमें से कोई नहीं	
प्रश्न-7	**निम्नलिखित प्रश्न पूरक पाठ्य पुस्तक से हैं। इनके सही विकल्प चुनकर लिखें-**	**5×1=5**
(क)	**सौंदलगेकर-** (i)आनंद यादव के शिक्षक और कवि थे। (ii)केवल कवि थे। (iii)केवल शिक्षक थे। (iv)इनमें से कुछ नहीं थे।	1
(ख)	**'समहाउ इंप्रापर' प्यारा जुमला है-**	1

	(i)किशन दा का (ii)यशोधर बाबू का (iii)यशोधर की पत्नी का (iv)किसी का नहीं	
(ग)	**'जूझ' के लेखक हैं-** (i) प्रेमचंद (ii) विमल मित्र (iii)आनंद यादव (iv)इनमें से कोई नहीं	1
(घ)	**'जूझ'अनूदित उपन्यास है। इसके हिंदी अनुवादक हैं-** (i)आनंद यादव (ii) केशव प्रथम वीर (iii) मृदुला गर्ग (iv) मन्नू भंडारी	1
(च)	**पढ़ाई में सुधार के लिए लेखक ने किसका अनुसरण किया ?**उसके घर पर (i) वसंत पाटिल का (ii) अध्यापक का (iii) दादा का (iv) इनमे से कोई नहीं	1

प्रतिदर्श अंक योजना - 1

प्रथम सत्र परीक्षा (सत्र- 2021-22)

विषय- हिंदी आधार (विषय कोड- 302)

कक्षा- बारहवीं

निर्धारित समय– 2 घंटे **अधिकतम अंक– 40**

अंक योजना

	अपठित बोध (15-अंक)	
	अपठित गद्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न	**अंक 10**
प्रश्न 1-		
(क)	(iv) व्यक्ति और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं	**1**
(ख)	(i) झुंड में	**1**
(ग)	(iii) अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए	**1**
(घ)	(ii)व्यक्ति का स्वकेंद्रित होना	**1**
(च)	(iii) समाज मनुष्य जीवन के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।	**1**
(छ)	(iii) समाज	**1**

(ज)	(ii) समाज का निर्माण मनुष्य ने नहीं किया है।	1
(झ)	(iv) सभी विकल्प सही हैं।	1
(ट)	(i) कृति	1
(ठ)	(ii) समाज और इक (ii) अभिकथन पूर्णतः सत्य है और दोनों तर्क उसकी सही व्याख्या करते हैं।	1
	अथवा	
(क)	(i) हिन्दी	1
(ख)	(i) पंक्ति	1
(ग)	(i) सुरक्षित	1
(घ)	(i) राजभाषा	1
(च)	(ii) अनुप्रासऔर पुनरुक्ति प्रकाश	1
(छ)	(i) देवनागरी लिपि वाली हिंदी में	1
(ज)	(i) अंग्रेज़ी	1
(झ)	(i) हिंदी	1
(ट)	(i) हिंदी को	1
(ठ)	(i) हमारी राज भाषा हिंदी (ii) अभिकथन पूर्णतः सत्य है और दोनों तर्क उसकी सही व्याख्या करते हैं।	1
	अपठित पद्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न	**अंक 5**
प्रश्न 2-		
(क)	(iv) महापुरुषों को	1
(ख)	(i) सामाजिक बुराइयाँ	1
(ग)	(iv) सभी विकल्प सही हैं।	1
(घ)	(iv) पूजा अर्चना के समान	1
(च)	(i) मनमौजी	1
	अथवा	
(क)	(i) शान्ति भंग होती होगी	1
(ख)	(i) उपर्युक्त सभी	1
(ग)	(i) नदी	1
(घ)	(i) मानवीकरण	1
(च)	(i) उपर्युक्त सभी	1
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन से बहुविकल्पीय प्रश्न	**अंक 5**
प्रश्न 3-		
(क)	(i) औपचारिक होते हैं।	1
(ख)	(iv) उपर्युक्त सभी	1
(ग)	(iv) उपर्युक्त सभी आते हैं।	1
(घ)	(iv) मुद्रण	1

(च)	(iv) (i)और (ii)	1
	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 से बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-15)	
प्रश्न4-	**पठित काव्यांश**	**अंक 5**
(क)	(iii) प्रेमी को	1
(ख)	(ii) दिन रहते मंज़िल तक पहुँचना चाहता है	1
(ग)	(iii) समय गतिमान और परिवर्तनशील है	1
(घ)	(ii) माँ के लौटने की	1
(च)	(ii) बच्चों के भोजन, स्नेह और सुरक्षा की चिंता होती है	1
प्रश् 5-	**पठित गद्यांश**	**अंक 5**
(क)	(iii) इससे माल-असबाब मकान-कोठी खरीद सकते हैं।	1
(ख)	(ii) उसके आस-पास जमा माल-टाल से	1
(ग)	(ii) केवल आस-पास जमा माल-टाल	1
(घ)	(iv) इन सभी में	1
(च)	(iii) क और ख दोनों (iv) उपर्युक्त सभी	1
	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 के पठित पाठों पर बहुविकल्पीय प्रश्न	**अंक 5**
प्रश्न 6-		
(क)	(iv) उपर्युक्त सभी	1
(ख)	(iii) जो अपनी जरूरत को पीछे रखकर दूसरों के कल्याण के लिए दे	1
(ग)	(iii)आवश्यकता के समय लोगों के काम आना	1
(घ)	(iii) मीडिया की व्यावसायिकता पर	1
(च)	(i) बच्चा	1
	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 के पठित पाठों पर बहुविकल्पीय प्रश्न	**अंक 5**
प्रश्न 7-		
(क)	(i) आनंद यादव के शिक्षक और कवि थे।	1
(ख)	(ii) यशोधर बाबू का	1
(ग)	(iii) आनंद यादव	1
(घ)	(ii) केशव प्रथम वीर	1
(च)	(i) वसंत पाटिल का	1

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र- 2

प्रथम सत्र परीक्षा (सत्र- 2021-22)

विषय- हिन्दी आधार (विषय कोड- 302) **कक्षा- बारहवीं**

निर्धारित समय– 2 घंटे **अधिकतम अंक– 40**

सामान्य निर्देश -निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए -:

- सभी प्रश्न बहुविकल्पात्मक हैं|
- प्रत्येक प्रश्न का मान एक अंक है|
- दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए|

	अपठित बोध (15-अंक)	
	अपठित गद्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न)अंक(10-	**अंक**
प्रश्न 1-	**निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :-** तेरहवीं सदी तक धर्म के क्षेत्र में बड़ी अस्तव्यस्तता आ गई थी| जनता में सिद्धों और योगियों आदि द्वारा प्रचलित अंधविश्वास फ़ैल रहे थे, शास्त्रज्ञान-संपन्न वर्ग में भी रूढ़ियों और आडंबरों की प्रधानता हो चली थी| मायावाद के प्रभाव से लोकविमुखता और निष्क्रियता के भाव समाज में पनपने लगे थे| ऐसे समय में भक्ति आंदोलन के रूप में ऐसा भारतव्यापी विशाल सांस्कृतिक आंदोलन उठा जिसने समाज में उत्कर्ष सामाजिक और वैयक्तिक मूल्यों की प्रतिष्ठा की| कृष्ण का मधुर रूप स्वीकृत हुआ| इस प्रकार उत्तर भारत में विष्णु के राम एवं कृष्ण अवतारों की प्रतिष्ठा हुई| इस प्रकार इन विभिन्न मतों का आधार लेकर हिंदी में निर्गुण और सगुण नाम से भक्तिकाव्य की दो शाखाएँ साथ-साथ चली| निर्गुणमत में दो उपविभाग हुए –ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी| पहले के प्रतिनिधि कबीर और दूसरे के जायसी हैं| सगुणमत भी दो उपधाराओं में प्रवाहित हुआ- रामभक्ति और कृष्णभक्ति| पहले प्रतिनिधि तुलसी हैं और दूसरे के सूरदास| ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि कबीर पर तात्कालीन विभिन्न धार्मिक प्रवृत्तियों और दार्शनिक मतों का सम्मिलित प्रभाव है| उनकी रचनाओं में धर्मसुधारक और समाजसुधारक का रूप विशेष प्रखर है| उन्होंने आचरण की शुद्धता पर बल दिया| बाह्याडंबरों, रूढ़ियों और अंधविश्वासों पर उन्होंने तीव्र कुठाराघात किया| प्रेमाश्रयी काव्यधारा के सर्वप्रमुख कवि जायसी हैं| पंडित हजारीप्रसाद द्विवेदी के अनुसार भक्ति आंदोलन भारतीय चिंता-धारा का स्वाभाविक विकास है| आज की दृष्टि से इस संपूर्ण भक्तिकाव्य का महत्व उसकी धार्मिकता से अधिक लोकजीवनगत मानवीय अनुभूतियों और भावों के कारण है| इसी विचार से इस काल को जॉर्ज ग्रियर्सन ने स्वर्णकाल, श्यामसुंदरदास ने स्वर्णयुग, आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने भक्तिकाल एवं हजारीप्रसाद द्विवेदी ने लोक जागरण काल कहा है| हिन्दी भाषा साहित्य के श्रेष्ठ कवि और उत्तम रचनाएँ इसी काल में प्राप्त होती हैं| इसे ही हिन्दी साहित्य का श्रेष्ठ युग माना जाता है| दक्षिण में आलवार बंधु नाम से कई प्रख्यात भक्त हुए हैं| इनमें से कई तथाकथित नीची जातियों के भी थे| वे बहुत पढ़े-लिखे नहीं थे, परन्तु अनुभवी थे|	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(I)	**तेरहवीं सदी में सिद्धों और योगियों द्वारा जनता के बीच क्या फैलाया जा रहा था?** (i) शास्त्रज्ञान (ii) भक्तिभाव (iii) अंधविश्वास (iv) उपर्युक्त सभी	1
(II)	**तेरहवीं सदी के समाज में लोकविमुखता एवं निष्क्रियता के भाव किस के प्रभाव से फ़ैल रहे थे ?** (i) समाजशास्त्रियों के (ii) मायावाद के (iii) सिद्धों और योगियों के (iv) शास्त्रज्ञों के	1

(III)	**भक्ति आंदोलन के परिणामस्वरूप समाज में क्या परिवर्तन आए ?** I. सामाजिक मूल्यों की प्रतिष्ठा हुई II. वैयक्तिक मूल्यों की प्रतिष्ठा हुई III. राम और कृष्ण अवतारों की प्रतिष्ठा हुई IV. उपर्युक्त सभी	1
(IV)	**भक्तिकाल के निर्गुणमत की प्रेमाश्रयी धारा के प्रमुख कवि रहे हैं –** (i) कबीरदास (ii) सूरदास (iii) जायसी (iv) तुलसीदास	1
(V)	**भक्तिकाल के निर्गुणमत की ज्ञानाश्रयी धारा के प्रमुख कवि हैं –** (i) कबीरदास (ii) सूरदास (iii) जायसी (iv) तुलसीदास	1
(VI)	**कबीरदास ने अपनी रचनाओं में विशेषरूप से किस पर बल दिया है ?** (i) मूर्तिपूजा पर (ii) बाह्याडंबरों पर (iii) ईश्वर की भक्ति एवं आराधना पर (iv) आचरण की शुद्धता पर	1
(VII)	**भक्ति आंदोलन को भारतीय चिंता-धारा का स्वाभाविक विकास माना है –** (i) पंडित हजारीप्रसाद द्विवेदी ने (ii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने (iii) जॉर्ज ग्रियर्सन ने (iv) श्यामसुंदरदास ने	1
(VIII)	**आज की दृष्टि से भक्तिकाल के संपूर्ण काव्य के महत्व का प्रमुख कारण क्या है ?** I. उसकी धार्मिकता II. उसकी लोकजीवनगत मानवीय अनुभूतियाँ और भाव III. उसका बाह्याडंबरों पर तीव्र कुठाराघात IV. उसका रूढ़ियों और अंधविश्वासों पर तीव्र कुठाराघात	1
(IX)	**आलवार बंधुओं का संबंध भारत के किस क्षेत्र से रहा है ?** (i) उत्तर भारत से (ii) दक्षिण भारत से (iii) पूर्वी भारत से (iv) पश्चिमी भारत से	1
(X)	**किस काल को हिन्दी साहित्य का श्रेष्ठ युग माना जाता है ?** (i) वीरगाथा काल (ii) भक्तिकाल (iii) रीतिकाल (iv) आधुनिक काल	1
	अथवा	
	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :- मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत आवश्यक है| लक्ष्य के बिना जीवन दिशाहीन तथा व्यर्थ ही है| एकबार एक दिशाहीन युवा आगे बढ़े जा रहा था, राह में महात्मा जी की कुटिया देखकर रुक गया| महात्मा जी से पूछने लगा कि यह रास्ता कहाँ जाता है? महात्मा जी ने पूछा "तुम कहाँ जाना चाहते हो?" युवक ने कहा "मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है|" महात्मा जी ने कहा "जब तुम्हें पता ही नहीं कि तुम्हें कहाँ जाना है, तो यह रास्ता कहीं भी जाए इससे तुम्हे क्या फर्क पड़ेगा?" कहने का मतलब है कि बिना लक्ष्य के जीवन में इधर-उधर भटकते रहिये कुछ भी प्राप्त नहीं कर पाओगे| यदि कुछ करना चाहते हो तो पहले अपना एक लक्ष्य बनाओ और उस पर कार्य करो| अपनी राह स्वयं बनाओ| वास्तव में जीवन उसी का सार्थक है जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है| गाँधीजी कहते थे- कुछ न करने से अच्छा है, कुछ करना| जो कुछ करता है वही सफल-असफल होता है| हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है, क्योंकि हर इंसान की अपनी-अपनी क्षमता होती है और उसी के अनुसार वह लक्ष्य निर्धारित करता है| जैसे विद्यार्थी का लक्ष्य है अधिकाधिक ज्ञान	

	प्राप्त करना तो नौकरी करने वाले का लक्ष्य होगा पदोन्नति प्राप्त करना| हर इंसान को अपने जीवन में बड़ा लक्ष्य बनाना चाहिए, किन्तु बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए| जब हम छोटे लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास आ जाता है| स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी के बारे में सोचो| स्वप्न में भी वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए, उसे पूरा करने की एक धुन सवार हो जानी चाहिए| बस सफलता आपको मिली ही समझो| सच तो यह कि जब आप कोई काम करते हैं तो यह जरूरी नहीं कि सफलता मिले ही लेकिन असफलता से भी घबराना नहीं चाहिए| इस बारे में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि हजार बार प्रयास करने के बाद भी यदि आप हार कर गिर पड़ें तो एक बार पुनः उठे और प्रयास करें| हमें लक्ष्य प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए|	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(I)	**किसके बिना जीवन दिशाहीन एवं व्यर्थ है ?** (i) धन (ii) ऐश्वर्य (iii) लक्ष्य (iv) प्रसिद्धि	1
(II)	**"तुम कहाँ जा रहे हो?" महात्मा जी द्वारा यह पूछे जाने पर युवक ने क्या कहा ?** I. मैं जानता हूँ मुझे कहाँ जाना है II. मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है III. मैं अपने लक्ष्य को प्राप्त करने जा रहा हूँ IV. मैं वहीं जाऊँगा जहाँ आप बताओगे	1
(III)	**किसी विद्यार्थी का क्या लक्ष्य होना चाहिए ?** I. परीक्षा में उत्तीर्ण होना II. किसी भी तरीके से सर्वाधिक अंक प्राप्त करना III. अनुशासित रहना IV. अधिकाधिक ज्ञान प्राप्त करना	1
(IV)	**वास्तव में किसका जीवन सार्थक है ?** I. जो आत्मनिर्भर जीवन जीना जानता है II. जिसमें कड़ा परिश्रम करने की चाह है III. जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है IV. जिसके पास धन-दौलत की कमी नहीं है	1
(V)	**गाँधी जी के अनुसार इंसान अपना लक्ष्य निर्धारित करता है –** I. अपनी क्षमता के अनुसार II. अपने ज्ञान के अनुसार III. अपने सामाजिक स्तर के अनुसार IV. अपने आर्थिक स्तर के अनुसार	1
(VI)	**स्वामी विवेकानंद जी ने जीवन में सफल होने के लिए क्या कहा है ?** I. जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी के बारे में सोचो II. स्वप्न में भी वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए III. उसे पूरा करने की एक धुन सवार हो जानी चाहिए IV. उपर्युक्त सभी	1
(VII)	**हमें कब तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए ?** I. जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए II. जब तक दूसरों का विश्वास हम पर हो	1

	III. जब तक हम प्रयास करते रहें IV. जब तक हम थक न जाएँ	
(VIII)	**जब हम छोटे लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो क्या होता है ?** I. हमारे जीवन का लक्ष्य पूरा हो जाता है II. बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास आ जाता है III. हम जीवन में सफल हो जाते हैं IV. हमे आनंद की प्राप्ति होती है	1
(IX)	**"हजार बार प्रयास करने के बाद भी यदि आप हार कर गिर पड़ें तो एक बार पुनः उठे और प्रयास करें| हमें लक्ष्य प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए|" यह किसने कहा है ?** (i) महात्मा गाँधी जी ने (ii) स्वामी विवेकानंद जी ने (iii) महात्मा जी ने (iv) सुभाषचंद्र बोस ने	1
(X)	**गद्यांश का उचित शीर्षक है –** (i) विद्यार्थी जीवन का लक्ष्य (ii) जीवन में लक्ष्य का महत्व (iii) परिश्रम का महत्व (iv) सफलता का महत्व	1
	अपठित पद्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-5)	
प्रश्न 2-	**निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :-** देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता कि एक हिस्से के फट जाने पर बाकी हिस्से उसी तरह साबुत बने रहें और नदियाँ ,शहर ,पर्वत ,गाँव वैसे ही अपनी जगह दिखें अनमने रहें | यदि तुम यह नहीं मानते तो मुझे तुम्हारे साथ नहीं रहना है | इस दुनिया में आदमी की जान से बड़ा कुछ भी नहीं है | न ईश्वर न ज्ञान, न चुनाव , कागज पर लिखी कोई भी इबारत फाड़ी जा सकती है | और जमीन की सात परतों के भीतर गाड़ी जा सकती है | जो विवेक खड़ा हो लाशों को टेक वह अंधा है | जो शासन चल रहा हो बंदूक की नली से हत्यारों का धंधा है | यदि तुम यह नहीं मानते तो मुझे अब एक क्षण भी तुम्हे नहीं सहना है | एक बच्चे की हत्या	

	एक औरत की मौत एक आदमी का चिथड़ा तन किसी शासन का नहीं संपूर्ण राष्ट्र का पतन है।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(I)	**निम्न में से क्या सही है ?** I. देश कागज पर बना नक्शा होता है II. देश कागज पर बना नक्शा मात्र नहीं होता है III. देश का नक्शा महत्वपूर्ण होता है IV. देश का नक्शा कागज मात्र होता है	1
(II)	**काव्यांश के अनुसार अँधा कौन है ?** (I) कानून (II) शासन (III) विवेक (IV) ज्ञान	1
(III)	**काव्यांश में सबसे महत्वपूर्ण किसको माना है ?** I. ईश्वर के प्रति आस्था को II. सत्ता के लिए होने वाले चुनाव को III. देश के नक्शे को IV. आदमी की जान को	1
(IV)	**देश के किसी भी बेबस नागरिक की मौत को कवि ने क्या कहा है ?** I. विवेक का पतन II. शासन का पतन III. बुद्धि का पतन IV. संपूर्ण राष्ट्र का पतन	1
(V)	**काव्यांश में आए 'संपूर्ण' का विलोम शब्द है –** (I) अपूर्ण (II) पूर्ण (III) निपुण (IV) परिपूर्ण	1
	अथवा	
	निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :-	
	पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश, पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश। मेखलाकर पर्वत अपार अपने सहस्त्र दृग-सुमन फाड़, अवलोक रहा है बार-बार नीचे जल में निज महाकार, -जिसके चरणों में पला ताल दर्पण सा फैला है विशाल! गिरि का गौरव गाकर झर-झर मद में नस-नस उत्तेजित कर मोती की लड़ियों-सी सुन्दर झरते हैं झाग भरे निर्झर! गिरिवर के उर से उठ-उठ कर	

	उच्चाकांक्षाओं से तरूवर है झाँक रहे नीरव नभ पर अनिमेष, अटल, कुछ चिंता पर। उड़ गया, अचानक लो, भूधर फड़का अपार वारिद के पर! रव-शेष रह गए हैं निर्झर! है टूट पड़ा भू पर अंबर! धँस गए धरा में सभय शाल! उठ रहा धुआँ, जल गया ताल! -यों जलद-यान में विचर-विचर था इंद्र खेलता इंद्रजाल पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश, पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(I)	**इस कविता में कवि ने किसका सजीव चित्रण किया है ?** I. प्राकृतिक सौंदर्य का II. पर्वतीय क्षेत्र में वर्षा ऋतु का III. मैदानी क्षेत्र में छाये बादलों का IV. पर्वतों से गिरते झरनों का	1
(II)	**सहस्त्र दृग सुमन ' से क्या तात्पर्य है ?** I. हजारों पुष्पयुक्त वृक्ष II. हजारों चमकती आँखें III. हजारों पुष्प रूपी आँखें IV. हजारों आँखें रुपी फूल	1
(III)	**'दर्पण-सा फैला है विशाल' में अलंकार है** I. यमक अलंकार II. पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार III. उत्प्रेक्षा अलंकार IV. उपमा अलंकार	1
(IV)	**'जलदयान' का अर्थ क्या है ?** I. जल से रिक्त बादल II. जल से भरे बादल III. बादलों के ऊपर उड़ते विमान IV. बादल रुपी विमान	1
(V)	**'झरने के झरझर स्वर-' में कवि ने क्या कल्पना की है ?** I. मानो ये झरने पर्वत की महानता का गुणगान कर रहे हैं II. मानो झरने तालियाँ बजा रहे हों III. मानो ये झरने पर्वत को स्नान करा रहे हों IV. मानो झरने कल-कल कर बहने लगे	1

	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन से बहुविकल्पीय प्रश्न)अंक(5-	
प्रश्न 3-	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	
(I)	**निम्न में से जनसंचार का कार्य नहीं है –** (I) सूचना देना (II) मनोरंजन करना (III) नेता चुनना (IV) एजेंडा तय करना	**1**
(II)	**समाचार लेखन की शैली क्या होती है ?** (I) पिरामिड शैली (II) सीधा पिरामिड शैली (III) उल्टा पिरामिड शैली (IV) विवरणात्मक शैली	**1**
(III)	**ऐसी पत्रकारिता जिसमें फैशन, अमीरों की पार्टियों, महफ़िलों और जानेमाने लोगों के निजी जीवन के बारे में बताया जाता है –** (I) एडवोकेसी पत्रकारिता (II) पीत पत्रकारिता (III) पेजथ्री पत्रकारिता (IV) खोजी पत्रकारिता	**1**
(IV)	**निम्न में से जनसंचार की विशेषता है –** I. इसमें फ़ीडबैक तुरंत प्राप्त नहीं होता II. इसके संदेशों की प्रकृति सार्वजनिक होती है III. इसमें ढेर सारे द्वारपाल काम करते हैं IV. उपर्युक्त सभी	**1**
(V)	**निम्न में से कौनसा कार्यालयी पत्र के अंतर्गत नहीं आता है ?** (I) परिपत्र (II) आवेदन पत्र (III) निमंत्रण पत्र (IV) प्रार्थना पत्र	**1**
	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 से बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-15)	
प्रश्न4-	**निम्नलिखित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :-** हो जाए न पथ में रात कहीं, मंजिल भी तो है दूर नहीं- यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता हैं! दिन जल्दी-जल्दी ढोलता हैं! बच्चे प्रत्याशा में होंगे, नीड़ों से झाँक रहे होंगे- यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है! दिन जल्दी-जल्दी ढलता है! मुझसे मिलने को कौन विकल? मैं होऊँ किसके हित चंचल? यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता हैं! दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!	**अंक 5**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(I)	**बच्चे किस चीज की प्रत्याशा में होंगे ?** I. माँ के द्वारा लाए जाने वाले भोजन की II. माँ के अपनत्व एवं प्यार की	**1**

	III. माँ की मौजूदगी में मिलने वाली सुरक्षा भावना की IV. उपर्युक्त सभी	
(II)	**'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!' में निहित अलंकार है-** (I) मानवीकरण (II) पुनरुक्तिप्रकाश (III) अनुप्रास (IV) रुपक	1
(III)	**क्या सोचकर पंथी जल्दी-जल्दी कदम बढ़ाता है ?** I. दिन जल्दी-जल्दी ढल रहा है II. वह मंजिल के नजदीक पहुँच चुका है III. कहीं मंजिल पर पहुँचने से पहले रात न हो जाए IV. उपर्युक्त सभी कारणों से	1
(IV)	**'पंथी' का शाब्दिक अर्थ है -** (I) मुसाफ़िर (II) राहगीर (III) पथिक (IV) उपर्युक्त सभी	1
(V)	**कवि के हृदय में कैसे भाव भरे हुए हैं ?** (I) चंचलता (II) शिथिलता (III) विह्वलता (IV) अस्थिरता	1
प्रश्न 5-	**निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :-** सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है- नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धिसूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का प्रयोग न करूँ | उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन-जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गद्गद् हो उठी| भक्तिन के जीवन का इतिवृत्त बिना जाने उसके स्वभाव को पूर्णत: क्या अंशत: समझना भी कठिन होगा| वह ऐतिहासिक झूँसी में गाँव-प्रसिद्ध एक सूरमा की एकलौती बेटी ही नहीं, विमाता की किंवदंती बन जाने वाली ममता की छाया में भी पली है| पाँच वर्ष की वय में उसे हंडिया ग्राम के एक संपन्न गोपालक की सबसे छोटी पुत्रवधू बनाकर पिता ने शास्त्र से दो पग आगे रहने की ख्याति कमाई और नौ वर्षीया युवती का गौना देकर विमाता ने, बिना माँगे पराया धन लौटने वाले महाजन का पुण्य लूटा|	**अंक 5**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -	
(I)	**भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों को क्यों नहीं बताती थी ?** I. उसे अपना वास्तविक नाम अच्छा नहीं लगता था II. उसका नाम उसकी वास्तविकता से विपरीत था III. उसे भक्तिन नाम अच्छा लगता था IV. लेखिका ने उसे ऐसा करने को कहा था	1
(II)	**लेखिका ने भक्तिन की तुलना हनुमान जी से की है -** (I) भक्ति के संदर्भ में (II) सेवाभावना के संदर्भ में (III) आर्थिक स्थिति के संदर्भ में (IV) समझदारी के संदर्भ में	1

(III)	**'शेष इतिवृत्त' से तात्पर्य है –** I. उसके ससुराल के बारे में II. उसके पीहर के बारे में III. अभी तक के अपने सम्पूर्ण जीवन के बारे IV. अपने बचपन के बारे में	1
(IV)	**जब नौकरी की खोज में आई थी, तब भक्तिन ने शेष इतिवृत्त के साथ अपना वास्तविक नाम भी लेखिका को बता दिया | क्यों ?** I. अपना बताने में उसे कोई झिझक नहीं थी II. ईमानदारी का परिचय देने के लिए III. नौकरी प्राप्त करने के लिए IV. उपर्युक्त सभी कारणों से	1
(V)	**गद्यांश में 'पराया धन' किसके लिए आया है ?** (I) पुत्रवधू के लिए (II) पत्नी के लिए (III) बेटी के लिए (IV) स्त्री जाति के लिए	1
	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 के पठित पाठों पर बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-5)	
प्रश्न 6-	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	
(I)	**'बाज़ारूपन' से अभिप्राय है-** I. बाज़ार की चकाचौंध में फँसकर अनावश्यक चीजें खरीदना II. अपनी जरूरतों को समझते हुए आवश्यक चीजें ही खरीदना III. बाज़ार में दुकानदार द्वारा चीजों को सजाकर रखना IV. उपर्युक्त सभी सही हैं	1
(II)	**'कविता के बहाने' कविता में कविता की तुलना निम्न में से किससे नहीं की गई है-** (I) फूल से (II) कली से (III) चिड़िया से (IV) बच्चे से	1
(III)	**'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में दूरदर्शन/मीडिया के किस रूप को दिखाया गया है?** (I) संवेदनशील (II) संवेदनहीन (III) करुणामय (IV) दयालु	1
(IV)	**'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि से क्या नहीं सहा जाता है ?** I. प्रियतमा से विरह की वेदना II. प्रियतमा के प्रेम का रमणीय उजेला III. प्रियतमा की स्मृतियों का गहन अंधकार IV. प्रियतमा से मिलने वाली सुखद आत्मीयता	1
(V)	**'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी लेखक के हाथों से पूजा-अनुष्ठान क्यों कराती है?** I. ताकि उसका पुण्य लेखक को मिल सके II. ताकि उसका पुण्य जीजी को मिल सके III. ताकि उस पुण्य से समाज का भला हो सके IV. उपर्युक्त सभी सही हैं	1
	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 से बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-5)	
प्रश्न 7-	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए -**	
(I)	**यशोधर बाबू की चारित्रिक विशेषता नहीं है –** (I) संस्कारी (II) परम्परावादी (III) आधुनिकतावादी (IV) संवेदनशील	1
(II)	**यशोधर बाबू के बेटे भूषण की चारित्रिक विशेषता नहीं है -**	1

	I. रिश्तों के प्रति संवेदनशील II. स्वार्थी एवं आत्मकेंद्रित III. आधुनिकतावादी IV. दिखावे की प्रवृत्ति	
(III)	**यशोधर बाबू अपने कार्यालय पैदल ही आते जाते थे	क्यों ?** I. साइकिल सवार होकर जाना उनके बच्चों को अच्छा नहीं लगता था II. स्कूटर की सवारी उन्हें निहायत बेहूदा लगती थी III. कार लेने की उनकी हैसियत नहीं थी IV. उपर्युक्त सभी कारणों से	1
(IV)	**“आने दे अब उसे, मैं उसे सुनाता हूँ कि नहीं अच्छी तरह देख।" यह कथन किसने व किससे कहा ?** I. दत्ता जी राव ने लेखक के पिता से II. दत्ता जी राव ने लेखक की माता से III. दत्ता जी राव ने लेखक से IV. लेखक के पिता ने लेखक से	1
(V)	**मराठी अध्यापक न.वा. सौंदलगेकर के अध्यापन से लेखक में क्या नए परिवर्तन आए?** I. वह खेत में अकेले काम करते हुए मास्टर के अभिनय, यति-गति, आरोह-अवरोह की नकल करते हुए खुले कंठ से कविता गाने लगा| II. लेखक को अब खेतों में काम करते हुए अकेला रहना अच्छा लगने गया| III. लेखक धीरे-धीरे मास्टरजी के बताए राग से अलग भी कविताओं को गाने लगा| IV. उपर्युक्त सभी सही हैं|	1

प्रतिदर्श अंक योजना - 2

प०्रथम सत्र परीक्षा (सत्र-2021-22)

विषय- हिंदी आधार (विषय कोड- 302) **कक्षा- बारहवीं**

निर्धारित समय– 2 घंटे **अधिकतम अंक– 40**

	अपठित बोध (15-अंक)	
प्रश्न 1-	**अपठित गद्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न**	**10अंक**
(I)	III. अंधविश्वास	1
(II)	II. मायावाद के	1
(III)	IV. उपर्युक्त सभी	1
(IV)	III. जायसी	1
(V)	I. कबीरदास	1
(VI)	IV. आचरण की शुद्धता पर	1
(VII)	I. पंडित हजारीप्रसाद द्विवेदी ने	1
(VIII)	II. उसकी लोकजीवनगत मानवीय अनुभूतियाँ और भाव	1
(IX)	II. दक्षिण भारत से	1
(X)	II. भक्तिकाल	1
	अथवा	
(I)	III. लक्ष्य	1
(II)	II. मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है	1
(III)	IV. अधिकाधिक ज्ञान प्राप्त करना	1
(IV)	III. जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है	1
(V)	I. अपनी क्षमता के अनुसार	1
(VI)	IV. उपर्युक्त सभी	1
(VII)	I. जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए	1
(VIII)	II. बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास आ जाता है	1
(IX)	II. स्वामी विवेकानंद जी ने	1
(X)	II. जीवन में लक्ष्य का महत्व	1
प्रश्न 2-	**अपठित पद्यांश से बहुविकल्पीय प्रश्न**	**अंक 5**
(I)	II. देश कागज पर बना नक्शा मात्र नहीं होता है	1
(II)	III. विवेक	1
(III)	IV. आदमी की जान को	1
(IV)	IV. संपूर्ण राष्ट्र का पतन	1
(V)	I. अपूर्ण	1
	अथवा	
(I)	II. पर्वतीय क्षेत्र में वर्षा ऋतु का	1
(II)	III. हजारों पुष्प रूपी आँखें	1

(III)	IV. उपमा अलंकार	1
(IV)	IV. बादल रुपी विमान	1
(V)	I. मानो ये झरने पर्वत की महानता का गुणगान कर रहे हैं	1
प्रश्न 3-	**कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन से बहुविकल्पीय प्रश्न**	**अंक 5**
(I)	III. नेता चुनना	1
(II)	III. उल्टा पिरामिड शैली	1
(III)	III. पेजश्री पत्रकारिता	1
(IV)	IV. उपर्युक्त सभी	1
(V)	III. निमंत्रण पत्र	1
प्रश्न4-	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 से बहुविकल्पीय प्रश्न (अंक-15) पठित काव्यांश**	**अंक 5**
(I)	IV. उपर्युक्त सभी	1
(II)	II. पुनरुक्तिप्रकाश	1
(III)	IV. उपर्युक्त सभी कारणों से	1
(IV)	IV. उपर्युक्त सभी	1
(V)	III. विह्वलता	1
प्रश्न 5-	**पठित गद्यांश**	**अंक 5**
(I)	II. उसका नाम उसकी वास्तविकता से विपरीत था	1
(II)	II. सेवाभावना के संदर्भ में	1
(III)	III. अभी तक के अपने सम्पूर्ण जीवन के बारे	1
(IV)	II. ईमानदारी का परिचय देने के लिए	1
(V)	III. बेटी के लिए	1
प्रश्न 6-	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 के पठित पाठों पर बहुविकल्पीय प्रश्न**	**अंक 5**
(I)	I. बाज़ार की चकाचौंद में फँसकर अनावश्यक चीजें खरीदना	1
(II)	II. कली से	1
(III)	II. संवेदनहीन	1
(IV)	II. प्रियतमा के प्रेम का रमणीय उजेला	1
(V)	I. ताकि उसका पुण्य लेखक को मिल सके	1
प्रश्न 7-	**अनुपूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 के पठित पाठों पर बहुविकल्पीय प्रश्न**	**अंक 5**
(I)	III. आधुनिकतावादी	1
(II)	I. रिश्तों के प्रति संवेदनशील	1
(III)	IV. उपर्युक्त सभी कारणों से	1
(IV)	II. दत्ता जी राव ने लेखक की माता से	1
(V)	IV. उपर्युक्त सभी सही हैं।	1